THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

'जिन घरों को ज्यादा नुकसान, उन्हें दो लाख की अतिरिक्त मदद'

जम्मू, 6 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब ब्रिज समेत कई परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। पीएम मोदी ने चिनाब रेल ब्रिज का उद्घाटन किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने अंजी पुल का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी ने कटड़ा से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर श्रीनगर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर पाकिस्तानी हमलों से हुए नुकसान के लिए अतिरिक्त मुआवजे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिन घरों को ज्यादा नुकसान हुआ है उन्हें 2 लाख रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे।

वर्ष-30 अंक : 71 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.12 2082 शनिवार, 7 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दूनिया ने देखी देश की तकनीक

> 'पाकिस्तान ने इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया, हमने उस पर कयामत बरसा दी'

> कश्मीर को जोड़ने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन शुरू

> 10 घंटे का सफर करीब 3 घंटे में पूरा होगा

> चिनाब आर्च ब्रिज खास क्यों है

श्रीनगर, 6 जून (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने यहां के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज का तिरंगा दिखाकर उद्घाटन किया। इसके बाद अंजी ब्रिज और कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई।

मोदी ने कटरा में 42 मिनट का भाषण दिया। इसमें आतंकवाद, पाकिस्तान और कश्मीर के टूरिज्म का जिक्र किया। पीएम ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे पड़ोस का देश, मानवता का विरोधी, मेलजोल का विरोधी है। वह ऐसा देश है जो गरीब की रोजी-रोटी का भी विरोधी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो हुआ, वह इसी का उदाहरण है। पाकिस्तान ने इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया। हमने 6 मई को उस पर कयामत बरसा दी। चिनाब आर्च ब्रिज रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी के बीच बना है। इसे 2003 में मंजूरी मिली थी। शुरूआती प्लान के मुताबिक इसे 2009 तक तैयार हो जाना था, लेकिन इसे पूरा होने में 22 साल लग गए। यह सवा किमी से ज्यादा लंबा है और नदी से ऊंचाई 359 मीटर है। यह पेरिस के एफिल टावर (330 मीटर) से 29 मीटर ऊंचा है। लागत 1486 करोड़ रुपये है।

पीएम ने मोदी ने अंजी खड्ड पर बना भारत का पहला केबल स्टे रेल ब्रिज का भी उद्घाटन किया। यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है। पीएम मोदी सबसे आखिर में कटरा पहुंचे। यहां के रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कश्मीर को जोड़ने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। नॉर्दर्न रेलवे 7 जून से कटरा-श्रीनगर रूट पर वंदे भारत ट्रेन सर्विस शुरू कर देगी।

मोदी सरकार के 11 साल-बीजेपी ने उपलब्धियां गिनाईं

पीएम बोले-युवा विकसित भारत संकल्प के अहम भागीदार

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार के 11 साल 9 जून को पूरे हो रहे हैं। इससे पहले केंद्र सरकार ने ई-बुक जारी कर 11 सालों की उपलब्धियां गिनाई हैं। इसे 'विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल' नाम दिया गया है।

ई-बुक में अनुसार, मोदी सरकार में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में दोगुनी हुई हैं। 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी, जो 2025 में बढ़कर 780 हो गईं। वहीं, एमबीबीएस सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार ने पिछले 11 सालों में 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकाली हैं। स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को नौकरी मिली है। स्किल इंडिया मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दी गई है।

'जेटली को बताकर जेनेवा गया था'

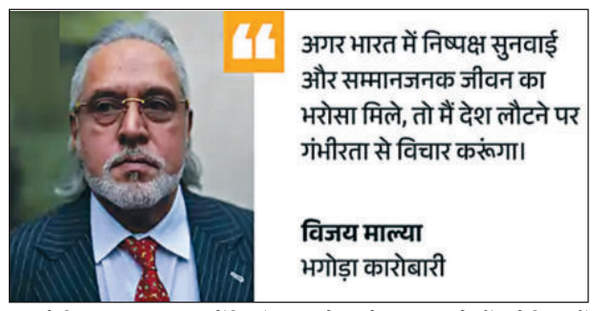

* पासपोर्ट रद्द हुआ तो लौट नहीं पाया, भगोड़ा नहीं हूं
* निष्पक्ष जांच हो तो वापसी को तैयार

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने दावा किया, देश छोड़ने से पहले वो तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली से मिले और उनसे कहा कि वो एक बैठक के लिए जेनेवा जा रहा हैं और वापस आएंगे। लेकिन उनका पासपोर्ट निरस्त कर दिया गया, जिसके कारण वो वापस नहीं आ पाए। माल्या ने खुद को चोर कहे जाने पर कहा कि मुझे भगोड़ा कह रहे हैं, लेकिन मैं भागा नहीं। मैं तय कार्यक्रम के तहत विदेश गया और वापस नहीं आया, क्योंकि मेरे पास सही वजहें थीं। लेकिन मुझे 'चोर' क्यों कहा जा रहा है? चोरी कहां हुई?

वहीं, उन्होंने किंगफिशर एयरलाइंस की नाकामी पर पहली बार सार्वजनिक माफी मांगी है। उन्होंने कहा, मैं किंगफिशर एयरलाइंस की विफलता के लिए सभी से माफी मांगता हूं। माल्या ने यह बयान बिजनेसमैन राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में दिए हैं। जो कि शुक्रवार को रिलीज़ किया गया है। ये पॉडकास्ट 4 घंटे लंबा है।

कारोबारी और पूर्व सांसद विजय माल्या किंगफिशर एयरलाइंस से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच 2016 में भारत से यूके भाग गए थे। 5 जनवरी 2019 में विजय माल्या को भगोड़ा घोषित किया गया।

मेहुल चोकसी के बैंक, डीमैट और एमएफ खाते जब्त

> सेबी ने 2.1 करोड़ रुपये की बकाया वसूली के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने गीतांजलि जेम्स के शेयरों में इनसाइडर ट्रेडिंग से जुड़े नियमों के उल्लंघन के मामले में 2.1 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने के लिए बड़ा कदम उठाया है।

नियामक ने फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के बैंक खातों और शेयरों व म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को जब्त करने का आदेश दिया है। यह ताजा कदम 15 मई को चोकसी को जारी किए गए एक डिमांड नोटिस के बाद उठाया गया है, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि यदि वह 15 दिनों के भीतर भुगतान करने में विफल रहता है तो उसकी संपत्तियों के साथ-साथ बैंक खातों को भी कुर्क कर लिया जाएगा। चोकसी द्वारा गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों के उल्लंघन के मामले में जनवरी 2022 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में विफल रहने के बाद यह डिमांड नोटिस जारी किया गया। चोकसी, जो गीतांजलि जेम्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक होने के साथ-साथ प्रमोटर समूह का हिस्सा भी थे, नीरव मोदी के मामा हैं। दोनों पर सरकारी स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। 2018 की शुरूआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और मोदी दोनों भारत से भाग गए। अप्रैल में, भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद चोकसी को बेल्जियम में गिरफ़्तार किया गया था। पिछले साल जब वह इलाज के लिए बेल्जियम गया था, तब उसे बेल्जियम में पाया गया था। वह भारत छोड़ने के बाद 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था। मोदी को मार्च 2019 में स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल उस देश की जेल में है।

'गंभीर अपराधों में बिना सोचे-समझे न दें गिरफ्तारी पूर्व जमानत'

> सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों के मामलों में गिरफ्तारी पूर्व जमानत को बिना सोचे-समझे नहीं दिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की तीन जजों की पीठ ने यह टिप्पणी बिहार के एक हत्या के मामले में चार आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत रद्द करते हुए की।

पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया

पीठ ने 1 मई को दिए गए आदेश में कहा, पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया है, जिसमें आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या की कोशिश) जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, यह आदेश संक्षिप्त और न्यायिक विश्लेषण से रहित है। ऐसे गंभीर मामलों में इस तरह से स्वचालित रूप से जमानत नहीं दी जा सकती। यह आदेश रद्द किया जाना चाहिए।

बेटे के सामने ही की गई थी पिता की पिटाई :

मामले में कोर्ट ने कहा कि एफआईआर और अन्य दस्तावेजों के अनुसार, शिकायतकर्ता के पिता की उसके सामने ही लोहे की रॉड और डंडों से पिटाई की गई थी, जिससे उसकी उसी दिन मौत हो गई। यह विवाद रास्ते में रुकावट को लेकर हुआ था। एफआईआर में आरोपियों की भूमिका साफ तौर पर बताई गई है और कहा गया है कि मृतक के जमीन पर गिरने के बाद भी उन पर हमला जारी रखा गया था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता और आरोपों की प्रकृति को समझने में चूक की है। अब सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी व्यक्तियों को आठ हफ्तों के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मृतक के बेटे द्वारा दायर याचिका पर दिया गया है, जिसमें आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत को चुनौती दी गई थी।

राहुल बोले-पीएम मोदी को सरेंडर करने की आदत है

> ट्रंप ने 11 बार कहा मैंने मोदी को सरेंडर करवाया, पीएम कुछ नहीं बोल पाए

नालंदा/गयाजी, 6 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को राजगीर में कहा- मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर 11 बार बोला कि मैंने मोदी को सरेंडर करवाया। पीएम कुछ नहीं बोल पाए। वो क्यों नहीं बोले कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं।

वे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अति पिछड़ा समाज को संबोधित कर रहे थे। अपने 30 मिनट के भाषण में उन्होंने आगे कहा- मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो आप कैसे ओबीसी हो गए।

राहुल गांधी के भाषण की बड़ी बातें

> बिहार की नई डेफिनेशन क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया। कहां से कहां पहुंच गए आप। पहले नालंदा में पूरी दुनिया से लोग आते थे, आज यहां से पूरी दुनिया में जाते हैं।

> देश का बजट 11 अफसरों ने बनाया। 90 प्रतिशत वाले दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा वाले उनमें कोई नहीं है। वहीं मजदूरों में आपको सिर्फ ओबीसी, दलित, अति पिछड़ा मिलेंगे।

> मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो आप कैसे ओबीसी हो गए।

> प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए सरकार जमीन देती है, लेकिन एक भी हॉस्पिटल के मालिक दलित है तो बता दीजिए।

> जातीय जनगणना के साथ अगर हमने बाकी डेटा जो सरकार के पास है, वो जोड़ दिया तो विकास का बिल्कुल नया आयाम सामने आएगा, और बिहार से इसकी शुरूआत होगी।

> ये आइडिया कहां से आया कि देश में सिर्फ 50 प्रतिशत आरक्षण हो सकता है। आपकी आबादी 90 प्रतिशत और दीवार बना रहे हैं कि 50 प्रतिशत आरक्षण हो सकता है।

दशरथ मांझी के बेटे ने जताई चुनाव लड़ने की इच्छा :

इससे पहले राहुल गांधी माउंटेन मैन दशरथ मांझी के गांव गहलौर पहुंचे। यहां उन्होंने दशरथ मांझी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी से मुलाकात की। भगीरथ मांझी का हाथ पकड़कर राहुल गांधी चलते दिखे। दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी ने राहुल गांधी से कहा- मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। दशरथ मांझी ने राहुल गांधी से जिले के बोधगया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की भी इच्छा जताई। राजगीर के बाद राहुल गांधी गयाजी के लिए निकले हैं। यहां वे महिलाओं से संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम गया-पटना मुख्य मार्ग पर पहाश्वर के पास स्थित एक रिसॉर्ट में होगा। जहां बड़ी संख्या में महिलाओं के पहुंचने का दावा किया गया है।

तीन अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

> शीर्ष अदालत से एनबीई को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। नीट पीजी 2025 परीक्षा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अगस्त, 2025 को नीट पीजी (स्नातकोत्तर) परीक्षा आयोजित कराने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को दी गई पूर्व समय सीमा को बढ़ा दिया है। यह परीक्षा पहले इस साल 15 जून को आयोजित होने वाली थी। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने साफ किया कि इस संबंध में एनबीई को कोई और समय सीमा नहीं दी जाएगी।

30 मई को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि नीट पीजी परीक्षा केवल एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाए। इसके बाद एनबीई ने शीर्ष अदालत में एक आवेदन दायर कर परीक्षा को बाद की तारीख पर पुनर्निर्धारित करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी, क्योंकि एकल-शिफ्ट के आदेश का पालन करने के लिए नए सिरे से व्यवस्था करनी होगी।

तीन अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा :

एनबीई ने नई तारीख (3 अगस्त) को एकल पाली में परीक्षा आयोजित करने की मंजूरी के लिए अदालत का रुख किया था। जिसको अब मंजूरी मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही निर्देश दिया था कि परीक्षा पूरे देश में एक ही पाली में कराई जाए ताकि निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे। यह मामला यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट की याचिका के बाद सामने आया, जिसमें दो पालियों में परीक्षा कराने के फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि इससे प्रतियोगियों के लिए असमान परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है और परीक्षा को एक ही शिफ्ट में कराने की मांग की गई थी।

डीनो मोरिया के घर पर ईडी का छापा

> मीठी नदी घोटाले में फंसे हैं एक्टर

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर डीनो मोरिया एक बार फिर जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में उनके घर पर मीठी नदी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापा मारा है। यह घोटाला राज्य में नदियों की सफाई के नाम पर हुए 65 करोड़ रुपये के कथित गबन से जुड़ा हुआ है।

15 जगहों पर हुई छापेमारी :

अभिनेता के अलावा ईडी ने इस मामले में मुंबई से लेकर केरल के कोच्चि तक कुल 15 स्थानों पर छापेमारी की है। इससे पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा डीनो मोरिया से दो बार पूछताछ की जा चुकी है। ईओडब्ल्यू ने ही इस मामले में प्रारंभिक एफआईआर दर्ज की थी, जिसके बाद अब ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से जांच तेज कर दी है।दरअसल, मुंबई महानगरपालिका द्वारा मीठी नदी की सफाई करवाई गई थी। इसके लिए स्लज पुशर और ड्रेजिंग मशीनों का इस्लेमाल किया गया है। मशीनों को कोच्चि की कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड से बड़ी रकम पर लिया था। मामले की जांच में सामने आया कि केतन कदम और जय जोशी ने मैटप्रॉप कंपनी के अधिकारियों और बीएमसी के स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर सफाई के नाम 65 करोड़ रुपये का घोटाला किया।

जब घोटाले के मुख्य आरोपी केतन कदम के कॉल रिकॉर्ड्स की जांच हुई तो इसमें एक्टर डिनो मोरिया और उनके भाई का नाम सामने आया।

कनाडा पीएम ने मोदी को जी-7 समिट का न्योता भेजा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। कनाडा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जी-7 देशों की समिट में शामिल होने के लिए न्योता भेजा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को फोन कर समिट के लिए बुलाया है। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

मोदी ने आमंत्रण के लिए कार्नी का आभार जताया और कनाडा के चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई भी दी। साथ ही कहा कि उन्हें समिट में कार्नी से मुलाकात का बेसब्री से इंतजार है। यह समिट कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में 15 से 17 जून तक होगी। भारत को यह न्योता समिट शुरू होने के ठीक 8 दिन पहले मिला है।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि कनाडा इस समिट को लिए भारत को न्योता नहीं भेज रहा है। इसके पीछे पिछले कुछ वक्त से दोनों देशों के संबंधों में आई खटास को वजह माना जा रहा था।

कोरोना केस 5364, 55 मौतें

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 20 दिन में केसों की संख्या में 58 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5364 पहुंच गई है।

कोरोना 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गया है। बीते 24 घंटे में 500 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1679 मामले हैं। इसके बाद गुजरात में 615, पश्चिम बंगाल में 596, दिल्ली में 592 और महाराष्ट्र में 548 एक्टिव केस हैं। कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से अब तक 55 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 53 की मौत 15 दिनों में हुई हैं। गुरुवार को दिल्ली में कोविड से दो और मौतें दर्ज की गईं। इनमें एक पांच महीने का बच्चा भी शामिल है। वहीं, केरल में 2, कर्नाटक और पंजाब में 1-1 मौत हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 17 मरीजों ने जान गंवाई है। ओडिशा में गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल कोविड गाइडलाइन के तहत खोले गए हैं। शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने बताया कि जिन बच्चों को सर्दी, खांसी या बुखार जैसे हल्के लक्षण हैं, उन्हें स्कूल में मास्क पहनना अनिवार्य है। गंभीर लक्षण वाले बच्चों को घर पर ही रहकर आइसोलेट होने की सलाह दी गई है।

केएससीए को मिली बड़ी राहत

बेंगलूरू, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को कर्नाटक हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघु राम भट और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने कोर्ट से चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दिया। बता दें कि, कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरू, इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जिसके बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) हाईकोर्ट की शरण में पहुंचा था। इस मामले में अदालत की ओर से कहा गया है कि अगली सुनवाई तक किसी भी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए।

बीजेपी के नए अध्यक्ष को लेकर अभिषेक मनु सिंघवी ने की बड़ी भविष्यवाणी

खट्टर हैं पीएम के करीबी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। बीजेपी जल्द ही अपने नए अध्यक्ष का ऐलान कर सकती है। नया चेहरा जेपी नड्डा की जगह लेगा। इस बीच वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने बीजेपी के नए चेहरे को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा, "अगले बीजेपी अध्यक्ष के लिए चर्चा में चल रहे नामों में से, मैंने दो महीने से भी ज़्यादा पहले भविष्यवाणी की थी कि यह हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर होंगे। वो पीएम के सबसे करीबी विश्वासपात्र हैं।" सिंघवी ने कहा, "मैंने यह बात अभी नहीं कही है, बल्कि कई महीने पहले कही थी। देखते हैं कि मैं गलत हूं या नहीं।" मनोहर लाल खट्टर करीब 9 साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। पिछले साल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वो फिर लोकसभा के चुनाव लड़े और मोदी सरकार में मंत्री बने। अब सिंघवी के दावों के बाद देखना दिलचस्प होगा कि खट्टर बीजेपी के अध्यक्ष की कमान संभालते हैं या मंत्री बने रहते हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बीजेपी जून महीने के आखिरी में नए अध्यक्ष का ऐलान करेगी। इस समय संगठन के भीतर चयन को लेकर प्रक्रिया चल रही है। जेपी नड्डा साल 2020 के शुरुआत में बीजेपी के अध्यक्ष बने थे। उनका कार्यकाल साल 2023 में लोकसभा चुनाव तक बढ़ाया गया। इसके बाद नई सरकार में वो केंद्रीय मंत्री बने। तभी से बीजेपी नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया में जुटी है।

पहलगाम हमले के बाद समाज में एकता दिखी

नागपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ये कही ये बातें

नागपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय के समापन समारोह में कहा कि हमें अपनी सुरक्षा के मामले में स्व निर्भर होना चाहिए और इसके लिए सेना, शासन-प्रशासन के साथ समाज बल आवश्यक है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद की गई कार्रवाई से देश की रक्षा और रक्षात्मक अनुसंधान क्षमताएं सिद्ध हुईं। समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद नेताम प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, वर्ग के सर्वाधिकारी समीर कुमार महांती और नागपुर महानगर संघचालक राजेश लोया मौजूद थे। सरसंघचालक ने कहा कि पहलगाम में हुए नृशंस हमले के बाद देशभर में आक्रोश की लहर थी। लोगों की अपेक्षा थी कि अपराधियों को कठोर दंड मिले। हमले के अपराधियों पर कठोर कार्रवाई भी हुई। इस दौरान पूरे समाज में अभूतपूर्व एकता का वातावरण दिखाई दिया।

राजनीतिक मतभेद भूलाकर सभी ने सहयोग का हाथ बढ़ाया। देशभक्ति के इस वातावरण में हमने अपने आपसी मतभेदों को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि, इस कारवाई के बाद भी समस्या समाप्त नहीं हुई है और संकट कायम है। उलझनें पैदा करने के प्रयास जारी हैं। द्वि-राष्ट्रवाद का भूत कायम है। आतंकवाद और साइबर वॉर का आधार लेकर प्रॉक्सी वॉर जारी है।

दूसरे देशों को दिखलाया आईना

मोहन भागवत ने कहा कि देश में युद्ध के प्रकार बदल रहे हैं। इस अवसर पर दुनिया के दूसरे देशों की भी परीक्षा हो रही है। सत्य के साथ कौन खड़ा होता है और कौन स्वार्थी है, इसकी भी परीक्षा हुई है। इस सारी पृष्ठभूमि में हमें अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर होना ही होगा। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण, दोनों बातें साथ-साथ रह सकती हैं। आदिवासी हमारे ही भाई-बंधु हैं। वे हमारे समाज का ही एक अंग हैं। इसलिए उनकी समस्याएँ हम निश्चित रूप से शासन के सामने रखेंगे। उसके लिए हमारी एक कार्यपद्धति है। शासन अपना काम करेगा। हमारे विभिन्न संगठनों के माध्यम से स्वयंसेवकों ने वनवासी क्षेत्र में बहुत काम किया है।

विशेष मेहमान कौन-कौन आए

इस कार्यक्रम में विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के तौर परबिल शुस्टर (पेन्सिल्वानिया के नौवें जिले के पूर्व अमेरिकी सांसद और हाऊस ट्रांसपोर्टेशन कमेटी के पूर्व अध्यक्ष), बॉब शुस्टर (सार्वजनिक नीति और व्यवसाय के विशेषज्ञ वकील और वन+ स्ट्रैटेजीज के संस्थापक भागीदार), ब्राडफोर्ड एलिसन (सार्वजनिक धोरणाचे अभ्यासक तसेच तपास आणि आर्थिक नियमांचे विशेषज्ञ), प्रो। वॉल्टर रसेल मेड (सुप्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखक, अंतरराष्ट्रीय मामले, नीति और रणनीति अभ्यासक, हडसन, फ्लोरिडा विद्यापीठ और एस्पेन इन्स्टिटुयट इटली से संबंध) और बिल ड्रेक्सेल (एआई और प्रौद्योगिकी में रुचि, हडसन यूनिवर्सिटी में फेलो, अमेरिका-भारत संबंधों के विशेषज्ञ, द वाशिंग्टन पोस्ट, सीएनएन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल जैसे समाचार पत्रो में योगदान) शामिल हुए।

सिक्किम में तबाही

चेट्टन में फंसे 64 पर्यटकों में 17 को सुरक्षित निकाला गया, बचाव दल ने फिर शुरू किया अभियान

गंगटोक, 6 जून (एजेंसियां)। सिक्किम के चेट्टन में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में फंसे 64 पर्यटकों में से 17 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटकों को निकालने के लिए शुक्रवार सुबह फिर से बचाव अभियान शुरू किया गया। खराब मौसम के चलते बचाव अभियान रोकना पड़ा था। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर की मदद से शुरू किया गया दिन का पहला बचाव अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। चेट्टन से 17 लोगों को सुरक्षित निकालकर हेलीकॉप्टर से पाकयोंग के ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि चेट्टन में अभी भी करीब 47 लोग फंसे हुए हैं। उन सभी को जल्द से जल्द हेलीकॉप्टर से निकाला जाएगा।

सरकार ने गंगटोक से की बसों की व्यवस्था

एक अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने बचाए गए लोगों को हवाई अड्डे से गंगटोक ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था की है, जहां से उन्हें अपने गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की एक टीम भी हवाई अड्डे पर मौजूद थी, जो बचाए गए लोगों की प्रारंभिक चिकित्सा जांच कर रही थी।

एक दिन पहले 63 लोगों को निकाला गया था

अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को चेट्टन में फंसे कुल 63 लोगों को हेलीकॉप्टर की मदद से निकाला गया था। इनमें अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को फिर से बचाव अभियान शुरू किया गया। पाकयोंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से तीन हेलीकॉप्टरों ने उड़ान भरी। अधिकारियों ने बताया कि मौसम और इलाके की स्थिति को देखते हुए आगे भी बचाव अभियान जारी रहेगा।

दरगाह में पशु वध पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से 'सुप्रीम' इनकार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी थी इजाजत

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के विशालगढ़ किले में दरगाह पर पशु वध पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में विशालगढ़ किले में दरगाह पर ईद-उल-अजहा और उर्स पर पशु वध की अनुमति है। इस फैसले का विरोध करते हुए अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अफसरों का कहना था कि किला एक संरक्षित स्मारक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया। वकील ने कहा कि कल बकरीद है और महाराष्ट्र के विशालगढ़ नामक संरक्षित स्मारक में उच्च न्यायालय ने वध की इजाजत दी है। उर्स के लिए भी 12 जून तक संरक्षित स्मारक क्षेत्र में भी पशु वध की अनुमति दी है। इस पर पीठ ने कहा कि कई संरक्षित स्मारकों में बहुत सारी धार्मिक गतिविधियां चल रही हैं। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि त्रिपुरा उच्च न्यायालय में बैठते हुए मैंने वहां पशु वध पर प्रतिबंध लगा दिया था और फिर इस न्यायालय ने आदेश को संशोधित करते हुए कहा कि पशु वध एक बंद स्थान में किया जाएगा। वकील ने दावा किया कि महाराष्ट्र ने अधिसूचना में कहा है कि संरक्षित क्षेत्र में पशुओं का वध नहीं किया जा सकता। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि पिछले साल जो प्रतिबंध थे, वे इस साल भी लागू रहेंगे। वकील ने पीठ से मामले को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। इस पर पीठ ने कहा कि इसमें जल्दबाजी क्यों है? यह मामला निरर्थक हो जाएगा। बॉम्बे हाईकोर्ट की अवकाश पीठ ने हजरत पीर मलिक रेहान दरगाह ट्रस्ट की पशुओं के वध की अनुमति मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई की थी। हाईकोर्ट ने सात जून को मनाई जाने वाली ईद-उल-अजहा और विशालगढ़ किले में स्थित दरगाह पर 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय उर्स (मेले) के लिए पशु वध की अनुमति दी थी। न्यायालय ने कहा था कि यह आदेश न केवल दरगाह ट्रस्ट पर लागू होगा, बल्कि अन्य श्रद्धालुओं पर भी लागू होगा। पिछले वर्ष भी इसी प्रकार की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने कहा था कि पिछले वर्ष लगाई गई शर्तें जैसे कि पशु वध केवल निजी और बंद स्थान, विशेष रूप से गेट नंबर 19 पर, जो मुबारक उस्मान मुजावर के निजी स्वामित्व में है, तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में नहीं किया जाना, इस वर्ष भी लागू रहेंगी।

महिला ने जान जोखिम में डाल दबोचे चेन झपटमार पुलिस ने किया गिरफ्तार

जम्मू, 6 जून (एजेंसियां)। जम्मू के सुभाष नगर इलाके से चेन झपटमारी के खिलाफ एक महिला की दाद देने वाली हिम्मत का नायाब मामला सामने आया है। दरअसल, महिला ने उसके घर में घुसकर सोने की चेन झपटने आए एक झपटमार को दबोच लिया। महिला ने ऐसा उस समय किया जब झपटमार ने इस घटना को अंजाम देने से पहले महिला की आंखों में मिर्ची डाल दी थी। यह मामला जम्मू के सुभाष नगर इलाके की है। सुभाष नगर में दोपहर का खाना खाकर आराम कर रही एक महिला के घर में एक झपटमार घुस आया। वह आराम कर रही महिला की आंखों में मिर्ची डालकर उसके गले से सोने की चेन छीनकर भागने लगा। इसके बावजूद महिला ने हिम्मत नहीं हारी।

केएससीए के अधिकारियों ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

भगदड़ मामले में एफआईआर रद्द करने की मांग

बंगलूरू, 6 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघु राम भट और कुछ अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कोर्ट से चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की। पुलिस ने गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी गुरुवार को राज्य के डीजीपी और आईजीपी को भगदड़ के सिलसिले में आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट और केएससीए के प्रतिनिधियों को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। उनकी ओर से प्रथम दृष्टया गैरजिम्मेदारी और लापरवाही दिखाई गई थी।

क्या है मामला?

यह भगदड़ बुधवार शाम को स्टेडियम के सामने हुई, जहां बड़ी संख्या में लोग आरसीबी टीम की आईपीएल जीत के जश्न में शामिल होने के लिए उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 लोग घायल हो गए थे। इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सुनील मैथ्यू और किरण कुमार से पूछताछ की जा रही है। आगे की प्रक्रिया बाद में होगी। उनमें से कुछ को कथित तौर पर शहर के बाहरी इलाके केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) से हिरासत में लिया गया था।

कांग्रेस के पूर्व विधायक की पत्नी ने की आत्महत्या की कोशिश

कटनी, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में कांग्रेस के पूर्व विधायक विजय राघवेंद्र सिंह की पत्नी ने गुरुवार को तहसील कार्यालय में आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि रंजीता सिंह ने शाम करीब चार बजे खुद पर मिट्टी का तेल छिड़का, लेकिन आसपास के लोगों ने आत्मदाह की कोशिश नाकाम कर दी। रंजीता सिंह का दावा है कि भूमि विवाद में उनकी शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि दो साल पहले बिलायत कला गांव में जहान सिंह नाम के व्यक्ति से उन्होंने जमीन खरीदी थी, लेकिन उस पर अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों से वह तहसील कार्यालय का चक्कर काट रही हैं लेकिन यह व्यर्थ रहा। उन्होंने नायब तहसीलदार की ओर से लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे वह जबरदस्त मानसिक तनाव में हैं। अधिकारियों ने बताया कि बड़वाड़ा निवासी रंजीता सिंह ने 15 सितंबर, 2021 को जहान सिंह से 1176 वर्ग फुट जमीन खरीदी थी। अधिकारियों ने बताया कि इस जमीन पर फिलहाल बिलायत कला गांव निवासी अनुरोध तिवारी का कब्जा है। अधिकारियों ने बताया कि रंजीता सिंह का मामला राजस्व विभाग में दर्ज है। दूसरा पक्ष 1995 से जमीन पर काबिज है, जबकि आवेदक का नाम 2021 में दर्ज हुआ। मामला विवादित होने के कारण लंबित है और उन्होंने रंजीता सिंह के लापरवाही के आरोपों को नकार दिया।

बाबा केदार के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

रुद्राभिषेक कर लिया आशीर्वाद

रुद्रप्रयाग, 6 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय लघु एवं मध्यम उद्योग तथा उद्यमिता विकास मंत्री जीतन राम मांझी परिवार संग आज शुक्रवार को केदारनाथ धाम पहुंचे। यहां बाबा केदार के दर्शन कर उन्होंने रूद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि धाम के दर्शन से वे अभिभूत हुए हैं। हैलीपेड पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) और श्री केदार सभा द्वारा उनका पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। दर्शन के पश्चात बीकेटीसी के मुख्य प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी ने उन्हें भगवान केदारनाथ का प्रसाद और अंगवस्त्र भेंट किया। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ। हरीश गौड़ ने बताया कि मंत्री मांझी ने उत्तराखंड सरकार व मंदिर समिति द्वारा की गई यात्रा व्यवस्थाओं की सराहना की।

दिल्ली में क्राइम ब्रांच का बड़ा खुलासा, ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने ड्रग्स तस्करी में शामिल मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से कुल 1.896 किलोग्राम चरस बरामद हुई है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान द्वारका के पवन कुमार के रूप में हुई है, जिसे वर्ष 2011 में भी उसके तीन साथियों के साथ एक किलोग्राम चरस बरामद होने पर गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह फिर ड्रग्स तस्करी के धंधे में शामिल हो गया। उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक, चार जून को गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसीपी राजकुमार की देखरेख में और इंस्पेक्टर शिव कुमार के नेतृत्व में टीम ने पवन को खजूरी खास इलाके से उस समय गिरफ्तार किया जब वह ड्रग डिलीवरी के इरादे से स्कूटी पर किसी का इंतजार कर रहा था। विज्ञापन हटाएं सिर्फ 3 में तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 1.896 किलोग्राम चरस बरामद की गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह हिमाचल प्रदेश से दिल्ली और आस-पास के इलाकों में चरस की आपूर्ति करता था। वह इस अवैध व्यापार के लिए मुख्य रूप से अपनी स्कूटी का इस्तेमाल करता था और अक्सर दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के बीच स्कूटी से ही आता जाता था। उसके खिलाफ हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के थाना बंजार में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

'हम कोई संदेश नहीं देंगे सीधे खबर देंगे'

एमएनएस के साथ गठबंधन की संभावना पर उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) के बीच गठबंधन की सुगबुगाहट के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने गठबंधन की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी वही होगा, हम कोई संदेश नहीं देंगे सीधे खबर देंगे। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के आसार नजर आ हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में यहां भारतीय जनता पार्टी सबसे ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब रही थी और ठाकरे परिवार बड़ा प्रभाव नहीं डाल पाया था।

ऐसे में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर साथ नजर आ सकते हैं। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के नेता लगातार दोनों नेताओं के साथ आने को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब उद्धव ठाकरे का भी बयान सामने आया है। इससे पहले राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के साथ आने के सवाल पर कहा कि राज और उद्धव दोनों भाई आपस में बात करेंगे तभी बात बनेगी। दोनों एक दूसरे को फोन कर बात करें तभी गठबंधन संभव है। मीडिया में बयानबाजी से काम नहीं होगा।

ठाणे निगम अधिकारियों पर हमला करने का आरोपी बिल्डर बरी

अदालत ने अभियोजन पक्ष की चूक का हवाला दिया

ठाणे, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे नगर निगम के अधिकारियों पर हमला करने और उन्हें धमकाने के आरोपी बिल्डर को कोर्ट से राहत मिली है। जिले की एक सत्र अदालत ने बिल्डर को बरी कर दिया है। अदालत ने बिल्डर को बरी करते हुए मामले में अभियोजन पक्ष की चूक का हवाला दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले में जरूरी गवाहों को पेश नहीं किया। तीन जून के अपने आदेश में, जिसकी एक प्रति शुक्रवार को उपलब्ध कराई गई, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जीटी पवार ने बिल्डर विनोद गंगासहाय त्रिवेदी के खिलाफ सभी आरोप हटा दिए।

जानें क्या है पूरा मामला

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2015 में मीरा भयंदर नगर निगम की टीम एक निर्माणाधीन इमारत की तस्वीरें लेने गई थी। इस दौरान बिल्डर त्रिवेदी ने टीम को तस्वीरें लेने से रोक दिया। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि बिल्डर ने अधिकारियों को धमकाया और उनमें से एक पर हमला भी किया। इसके अलावा, एक अधिकारी से कैमरा छीनकर तस्वीरें मिटा दीं।

जिन अधिकारियों पर हमला हुआ, उन्होंने नहीं दी गवाही

न्यायाधीश पवार ने कहा कि जिन अधिकारियों पर सीधे हमला हुआ था, उन्हें कभी भी गवाही के लिए कोर्ट में नहीं बुलाया गया। अदालत ने आगे कहा कि मुखबिर सहित जिन दो अधिकारियों ने गवाही दी, वे खुद हमले या धमकी के शिकार नहीं थे। न्यायाधीश ने कहा, 'दोनों गवाहों पर न तो आपराधिक बल का प्रयोग किया गया और न ही हमला किया गया।'

अभियोजन पक्ष की कहानी पर संदेह पैदा कर रहे तथ्य

अदालत ने यह भी कहा कि पुलिस ने कैमरा बरामद नहीं किया। न्यायाधीश पवार ने कहा कि ये सभी तथ्य अभियोजन पक्ष की कहानी पर संदेह पैदा करते हैं। इसलिए, मेरा मानना है कि अभियोजन पक्ष आरोपी के अपराध को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। इसलिए आरोपी बिल्डर को सभी आरोपों से बरी किया जाता है।

बिल्डर के वकील ने जबरन वसूली का किया था दावा

मुकदमे के दौरान बिल्डर त्रिवेदी के वकील ने दावा किया था कि एक स्थानीय नेता ने जबरन पैसे की मांग की थी, और जब त्रिवेदी ने पैसे देने से इनकार किया, तो उसके खिलाफ झूठा केस दर्ज करवाया गया।

मीठी नदी से गाद निकालने के मामले में ईडी की छापेमारी, मुंबई-कोच्चि में 15 जगह दबिश

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को मीठी नदी से गाद निकालने के घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत महाराष्ट्र और केरल में छापेमारी की। इस घोटाले में बीएमसी को 65 करोड़ रुपये का नुकसान होने की बात कही गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी मुंबई और कोच्चि में स्थित 15 से अधिक परिसरों में की गई। जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया भी जद में

छापेमारी में बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया, बीएमसी के सहायक अभियंता प्रशांत रामुगाड़े और कई ठेकेदारों के घर शामिल हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के करीबी सहयोगी अभिनेता डिनो मोरिया से पहले ईओडब्ल्यू ने दो बार पूछताछ की थी। ईडी अब अवैध धन के प्रवाह का पता लगाने के लिए छापेमारी के दौरान जब्त किए गए वित्तीय दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों की समीक्षा कर रहा है।

ईओडब्ल्यू की ओर से दर्ज की गई एफआईआर से निकला मामला

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के कुछ अधिकारियों और कुछ अन्य के खिलाफ ईडी का मामला मीठी नदी से गाद निकालने में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की ओर से दर्ज की गई एफआईआर से निकला है। इस घोटाले में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में मीठी नदी से 65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया

ईओडब्ल्यू ने घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए नगर निगम अधिकारियों और ठेकेदारों सहित 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह नदी शहर से होकर अरब सागर में गिरती है। आरोप लगाया गया है कि विशेष ड्रेजिंग उपकरण किराये पर देने की निविदाओं में कुछ आपूर्तिकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए हेरफेर किया गया था।

फर्जी पोर्टल बनाने वाले पांच आरोपी पुलिस गिरफ्त में, 77 छात्रों से ठग चुके थे 22 हजार रुपये

चंडीगढ़, 6 जून (एजेंसियां)। सीईटी-2025 के आवेदन को लेकर फर्जी पोर्टल बनाने वाले पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं। पुलिस ने हरियाणा के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीन गोरखपुर और एक-एक आरोपी फतेहाबाद और कुरुक्षेत्र का है। क्यूआर कोड के माध्यम से यह आरोपी ठगी कर रहे थे। अभी तक पुलिस की जांच में सामने आया है कि 77 लोगों से 22 हजार रुपये की फीस की ठगी गई है। पंचकूला पुलिस और हरियाणा चयन कर्मचारी आयोग ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता में बताया कि फर्जी पोर्टल को बंद कर दिया गया है। 4 जून को शिकायत के बाद ही फर्जी पोर्टल पर जो क्यूआर कोड था, वह भी बंद कर दिया गया था। हरियाणा चयन कर्मचारी आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने प्रेस वार्ता में बताया आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लिया और पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने भी बहुत ही तत्परता के साथ तीसरे दिन पूरे मामले का खुलासा कर दिया है। वहीं, पुलिस का यह भी कहना है इस प्रकरण में यह भी देख रहे हैं कि यह गैंग बनाकर साइबर ठगी कर रहे थे या यह पहली बार इस तरह के मामले में शामिल हुए हैं। पुलिस ने अभी अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया, हालांकि कहा कि जांच अभी जारी है। जांच सामने आने के बाद ही असल और अधिक जानकारी मिलेगी। आरोपियों की उम्र उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच है। पुलिस के मुताबिक ठगों ने 29 मई को सीईटी की फर्जी वेबसाइट बनाई थी। रजिस्ट्रेशन के दौरान ठगों ने छात्रों से कुछ जरूरी जानकारी लेकर फीस जमा करवाई और पंजीकरण दिखा दिया। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने बताया कि आयोग के संज्ञान में आया कि कुछ साइबर अपराधियों ने फर्जी वेबसाइट तैयार की है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 7 जून, 2025 3

युविचार

इंसानों की फ़ितरत हर वक़्त बदलती रहती है ख़ुद पर विश्वास रखो ।

मुख्यमंत्री ने बीआरएस को शैतान राष्ट्र समिति बताया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना की प्रगति में बाधा डालने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की कड़ी आलोचना की है और इसे "शैतान राष्ट्र समिति" (डीआरएस) बताया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने अलेयर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने तिरमलापुर गांव में एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की व्यापक भ्रष्टाचार में लिप्त होने और अपने एक दशक के कार्यकाल के दौरान राज्य पर भारी कर्ज बढ़ाने के लिए निंदा की। रेवंत रेड्डी ने कहा, यहां तक कि केसीआर की अपनी बेटी ने भी माना है कि बीआरएस पार्टी के भीतर राक्षस हैं। हालांकि, उन तत्वों के नेता चुप हैं और उन्होंने अपनी बेटी के दावों का जवाब नहीं दिया है। मुख्यमंत्री ने पीसी घोष आयोग द्वारा कालेश्वरम परियोजना की अनियमितताओं के संबंध में जारी किए गए नोटिसों पर ध्यान देने के बजाय कांग्रेस सरकार पर हमला करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की। रेवंत रेड्डी ने कहा, बीआरएस शासन के पिछले एक दशक में, एक भी परियोजना पूरी नहीं हुई है। केसीआर को यादगिरिगुट्टा मंदिर में अपने गलत कामों के लिए परिणाम भुगतने पड़े हैं। उन्होंने मुसी कायाकल्प परियोजना के

लिए धन की उपेक्षा करते हुए साबरमती और गंगा नदियों के सौंदर्यीकरण परियोजनाओं का समर्थन करने में पाखंड के लिए केंद्र की भाजपा सरकार की भी निंदा की। रेवंत रेड्डी ने कहा, हम बाधाओं की परवाह किए बिना डटे रहेंगे। हमारी प्रतिबद्धता मुसी नदी को साफ करने और नलगोंडा के किसानों का समर्थन करने की है। हम मुसी नदी में गोदावरी का पानी डालेंगे। जनसभा में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सीतक्का, दामोदर राजनरसिम्हा, तुम्मला नागेश्वर राव और सांसदों और विधायकों ने भाग लिया।

भट्टी ने पीआरएलआई योजना को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का वादा किया

डिप्टी सीएम ने 12 नए बिजली सबस्टेशनों की आधारशिला रखीं

महबूबनगर, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया है कि राज्य सरकार पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई (पीआरएलआई) योजना को निर्धारित अवधि में पूरा करेगी और पिछड़े पलामुरु जिले में बंजर भूमि को उपजाऊ बनाएगी। शुक्रवार को 12 नए बिजली सबस्टेशनों की आधारशिला रखने के बाद पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के देवराकाद्रा निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरएलआई योजना के क्रियान्वयन के लिए धन की कोई कमी नहीं है और सरकार बिना देरी के आवश्यक धन जारी करेगी। उन्होंने घोषणा की, आर एंड आर और भूमि अधिग्रहण के लिए धन तुरंत जारी किया जाएगा। नरलापुर और एडुला जलाशयों के बीच की खाई को आवश्यक धन से भरा जाएगा। जब उद्दंडपुर आर एंड आर पैकेज के लिए 70 करोड़ रुपये की आवश्यकता थी, तो सरकार ने बिना किसी हिचकिचाहट के धन जारी किया। भविष्य में भी, सरकार किसी भी आवश्यक राशि को जारी करने के लिए तैयार है। उपमुख्यमंत्री ने पिछले बीआरएस शासकों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य को डाकुओं की तरह लूटा और मसीहा होने का दिखावा किया। यहां तक कि उनके अपने परिवार के सदस्य भी अब उनके असली इरादों को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वास्तविक लोकतंत्र कायम है, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके पूरे मंत्रिमंडल के नेतृत्व में जनता के लिए धन खर्च किया जा रहा है, जिससे तेलंगाना वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राज्य बन गया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, व्यापार करने या ठेके पाने के लिए आपको विधायक होने की जरूरत नहीं है। आपको ऐसे विधायकों को चुनने की जरूरत है जो विधानसभा में लोगों की आवाज उठाएंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेंगे। मैं महबूबनगर के लोगों को ऐसे प्रतिनिधियों को चुनने के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता की सरकार है और यह लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुसार काम कर रही है। कृष्णा नदी का जिक्र करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पलामुरु के लोगों ने अपनी जमीन के लिए इसके पानी का उपयोग करने का सपना देखा था, यही वजह है कि उन्होंने एक अलग राज्य की मांग की। लेकिन दस साल में, पिछले शासक एक एकड़ जमीन की भी सिंचाई नहीं कर सके। उन्होंने चुनाव के दौरान नरलापुर में पंप को चालू और बंद करने की आखिरी समय की नौटंकी का मजाक उड़ाया और इसे एक भ्रम बताया।

मुख्यमंत्री रेवंत ने बकरीद के त्यौहार पर मुसलमानों को बधाई दी

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बकरीद (ईद उल अजहा) त्यौहार के अवसर पर मुस्लिम बिरादरी को बधाई दी है। यह त्यौहार बलिदान के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। शुक्रवार को यहां एक विज्ञप्ति में, मुख्यमंत्री ने याद किया कि दुनिया भर के मुसलमान इस्लाम के पैगम्बरों में से एक इब्राहिम अस्सलाम की याद में बकरीद मनाते हैं, जिन्होंने सर्वशक्तिमान अल्लाह के आदेशों का पालन करते हुए अपने बेटे की बलि देने की घोषणा की थी। बकरीद के त्यौहार को पैगम्बरों की अटूट भक्ति और बलिदान को दर्शाते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह त्यौहार मानवता के लिए एक महान संदेश भी देता है कि लोगों को जीवन में आने वाली समस्याओं से डरे बिना सही रास्ते पर एक खुशहाल जीवन जीना चाहिए और ईश्वर पर विश्वास रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कुछ हमारे पास है उसे दूसरों के साथ बांटने से बड़ा कोई दान नहीं है।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा का विमोचन करेंगे सीएम रेवंत

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी रविवार को सुबह 11 बजे शिल्पकला वेदिका हाईटेक सिटी साइबराबाद में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की आत्मकथा का विमोचन करेंगे और इसकी पहली प्रति पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद और तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु वर्मा को सौंपेंगे। प्रजाला काथे ना आत्मकता (तेलंगाना के लोगों की कहानी मेरी कहानी है) शीर्षक वाली आत्मकथा में दत्तात्रेय के विभिन्न क्षेत्रों में 70 वर्षों के अनुभवों का वर्णन है। पूरा कार्यक्रम अलाई बलाई फाउंडेशन, हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक हस्तियों का एक समूह जी किशन रेड्डी (केंद्रीय मंत्री), एम वेंकैया नायुडू (भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति), एन चंद्रबाबू नायुडू (आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री). एन.वी. रमना (भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश), आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, त्रिपुरा के राज्यपाल, अब्दुल नजीर, कम्बमपति हरिबाबू, एन इंद्रसेन रेड्डी, श्रीनिवास वर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री के साथ-साथ कई बुद्धिजीवी, समुदाय के बुजुर्ग और प्रतिष्ठित व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित होने जा रहे हैं। प्रसिद्ध एमेस्को प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक इतिहास के अज्ञात पहलुओं को उजागर करेगी, ज्ञात को जीवंत करेगी, जिसके आख्यान में दत्तात्रेय केवल सूत्रधार

आलेर में 1,051 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को यादाद्री भुवनगिरी जिले के आलेर विधानसभा क्षेत्र में 1,051.45 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। विकास कार्यों का ब्यौरा, जिसमें 574.56 करोड़ रुपये की लागत से गंधमल्ला जलाशय का निर्माण, 200 करोड़ रुपये की लागत से यंग इंडिया आवासीय विद्यालय, 183 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज भवन, 25.50 करोड़ रुपये की लागत से यादगिरिगुट्टा नगर पालिका के वार्ड में जल, जल निकासी, सीसी और बीटी सड़कें, 7.50 करोड़ रुपये की लागत से कोलानुपाका गांव में उच्च स्तरीय पुल, 1.50 करोड़ रुपये की लागत से कलवापल्ली गांव में एक और पुल शामिल है। 6 करोड़ रुपये की लागत से और मोटाकोंदूर मंडल में 8.25 करोड़ रुपये की लागत से तहसीलदार, एमपीडीओ कार्यालय और पुलिस स्टेशन के निर्माण की आधारशिला रखी गई। इसी तरह, दातारपल्ली गांव में 22.75 करोड़ रुपये की लागत से 20,000 मीट्रिक क्षमता के गोदामों के निर्माण, अलेयर विधानसभा क्षेत्र में 21.14 करोड़ रुपये की लागत से बीटी सड़कों के निर्माण और अलरू मार्केट कमेटी में 2.75 करोड़ रुपये की लागत से 2,500 मीट्रिक क्षमता के गोदामों के निर्माण की भी आधारशिला रखी गई।

हाइड्रा ने एससीबी की ओर विस्तार किया

रसूलपुरा में पटनी नाला पर अवैध निर्माण को किया ध्वस्त

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार की सुबह हैदराबाद आपदा प्रबंधन एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाईड्रा) ने सिकंदराबाद छावनी में पटनी नाला पर बने अनधिकृत ढांचों को गिराने के लिए बुलडोजर चलाया। ध्वस्तीकरण से एक दिन पहले, हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ और एससीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डी मधुकर नाइक ने पटनी नाला के किनारे संयुक्त निरीक्षण किया। आस-पास की कॉलोनियों के स्थानीय लोगों ने, जो हर मानसून में पटनी नाला के उफान के कारण बाढ़ से प्रभावित होते हैं, निरीक्षण के समय बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की तस्वीरें दिखाईं।

पटनी नाले की चौड़ाई 70 फीट है, लेकिन दुकानों, शौचालयों और सुरक्षा कक्षों सहित कई अवैध संरचनाओं के निर्माण के कारण, नाला 15 फीट से 18 फीट के बीच सिकुड़ गया। पैगाह कॉलोनी, पटनी कॉलोनी, विमान नगर, बीएचईएल कॉलोनी और इंदिराम्मा नगर के निवासियों ने हाइड्रा आयुक्त से मुलाकात की और पटनी नाला अतिक्रमण का प्रतिनिधित्व किया।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान, हाईड्रा और एससीबी अधिकारियों ने पाया कि पटनी नाले के 70 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर भू-माफियाओं ने अतिक्रमण कर लिया था। पटनी नाले की मूल चौड़ाई को बहाल करने के बाद, एससीबी अधिकारियों ने पटनी नाले के किनारे रिटेनिंग वॉल बनाने का फैसला किया। पटनी नाले पर बड़े पैमाने पर मलबा जमा हुआ देखा गया। तोड़फोड़ की गतिविधि के बारे में पता चलने पर स्थानीय लोग पटनी नाले पर उमड़ पड़े। मौके पर पुलिस तैनात की गई। हाईड्रा ने मीडिया को पटनी नाले के ड्रोन दृश्य जारी किए।

राजेंद्र नगर में बुजुर्ग दंपति की उनके अपार्टमेंट में हत्या

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को उपनगर राजेंद्र नगर के जन चैतन्य फेज-2 स्थित अपने अपार्टमेंट में एक बुजुर्ग दंपति की हत्या कर दी गई। दंपति की पहचान शेख अब्दुल्ला (70) और रिजवाना बेगम (65) के रूप में हुई है। दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारी थे और अपार्टमेंट परिसर की पांचवीं मंजिल पर रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, अज्ञात लोगों ने दंपत्ति पर कुंद और नुकीली वस्तुओं से बेरहमी से हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके बेडरूम में उनकी हत्या कर दी गई। पड़ोसियों ने पीड़ितों को कई चोटों के साथ मृत पाया, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया।

राजेंद्र नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है कि क्या यह हत्या लूटपाट के प्रयास का हिस्सा थी या फिर दंपत्ति के परिचितों ने ही इसे अंजाम दिया। अपराध स्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हुए जांच कर रहे हैं कि दंपत्ति को क्यों निशाना बनाया गया और संभावित संदिग्ध कौन हो सकता है। हम हत्याओं के पीछे के मकसद को जानने के लिए कई कोणों से जांच कर रहे हैं, जिसमें लाभ के लिए हत्या या किसी अंदरूनी व्यक्ति की नौकरी शामिल है।

निलंबित टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों ने मुख्यालय पर किया प्रदर्शन, बहाली की मांग

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) मुख्यालय पर शुक्रवार को उस समय हल्का तनाव व्याप्त हो गया, जब कई कर्मचारी, जिन्हें पहले उनकी सेवाओं से निलंबित कर दिया गया था, अपनी सेवाएं बहाल करने की मांग को लेकर एकत्रित हुए।

महिलाओं सहित कई कर्मचारियों ने अपनी व्यथा बताई, जब निगम द्वारा विभिन्न कारणों से जांच के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। उन्होंने टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार को अपनी मांगें सौंपने के लिए परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया। हालांकि, उनके प्रयास विफल हो गए क्योंकि उनके पास कोई पूर्व अनुमति या नियुक्ति नहीं थी। इसके कारण प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बहस हुई।

कपरा में लड़की को लेकर विवाद में नाबालिग लड़के की हत्या

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुडा के कपरा में गुरुवार रात कथित तौर पर एक लड़की को लेकर हुए विवाद में एक किशोर की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय पीड़ित नेरेडमेट का रहने वाला था, जबकि 16 वर्षीय संदिग्ध जवाहरनगर के बालाजी नगर का रहने वाला था। पीड़ित ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा पास की थी और वह अपनी गर्मी की छुट्टियों में कैटरिंग बॉय के तौर पर पार्ट-टाइम काम कर रहा था।

गुरुवार को लड़का राधिका चौराहे के पास सड़क पर इंतजार कर रहा था, तभी संदिग्ध अपने दो दोस्तों के साथ उसके पास पहुंचा, बहस की और फोन पर एक लड़की से बात करने और संदेश भेजने के आरोप में उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने लड़के को एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि वह मृत है। कुशाईगुडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमलावरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। घटनास्थल से फोरेंसिक साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं।

खेल विद्यालय में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन प्रक्रिया शुरू

खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष और एमडी ने पोस्टर जारी किया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना खेल प्राधिकरण द्वारा संचालित तेलंगाना सरकारी खेल विद्यालयों में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा IV में प्रवेश के लिए पात्र छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस संबंध में पूरी जानकारी के साथ एक पोस्टर खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी और एमडी सोनीबाला देवी द्वारा जारी किया गया है। मिला जानकारी के अनुसार तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया होगी। हकीमपेट, करीमनगर और आदिलाबाद में स्थित खेल विद्यालयों के लिए तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया होगी। मंडल स्तर पर चयन 16 जून से 19 जून तक होगा, तथा मंडल स्तर पर चयनित विद्यार्थियों का चयन 23 जून से 26 जून तक जिला स्तर पर होगा। जिला स्तर पर चयनित विद्यार्थियों का चयन 1 जुलाई से 5 जुलाई तक राज्य स्तर पर होगा। हकीमपेट में लड़कों के लिए 20 सीटें तथा लड़कियों के लिए 20 सीटें, करीमनगर में लड़कों के लिए 20 सीटें तथा लड़कियों के लिए 20 सीटें होंगी। इसी प्रकार आदिलाबाद में लड़कों के लिए 20 सीटें तथा लड़कियों के लिए 20 सीटें, कुल 120 सीटों पर चयन होगा। 30 मीटर फ्लाइंग स्टार्स, स्टैंडिंग ब्रॉड जंप, 800 मीटर रन, 6/10 मीटर शटल रन, मेडिसिन बॉल थ्रो, वर्टिकल जंप, लचीलापन परीक्षण, ऊंचाई, वजन, कुल नौ वर्गों में 27 अंकों के लिए शारीरिक परीक्षण आयोजित किए जाएंगे। आयु सत्यापन, पोस्टर बोन एब नॉर्मलाइटिस मेडिकल टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। जिनका जन्म 01-09-2016 और 30-8-2017 के बीच हुआ है और जिनकी आयु 8 से 9 वर्ष है, वे इन प्रतियोगिताओं के लिए पात्र हैं।तिथि: ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 7 जून 2025 से शुरू होगी। छात्र अपने मोबाइल या URL www.tgss.telangana.gov.in से अपना विवरण पजीकृत कर सकते हैं।

इसी तरह, इन प्रवेशों से संबंधित पूरी जानकारी के लिए एक विशेष क्यूआर कोड बनाया गया है और छात्रों को उपलब्ध कराया गया है।

परीक्षाओं की तिथि, स्थान और अन्य विवरणों के बारे में अधिक जानकारी के लिए,तेलंगाना खेल प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और तेलंगाना खेल स्कूल निदेशक श्रीमती ए सोनी बालादेवी ने एक बयान में अनुरोध किया है। अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं कि यह चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी हो।

निर्वाचन क्षेत्र की बैठकों में शामिल नहीं हुईं एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन

मीनाक्षी नटराजन ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से की मुलाकात

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने शुक्रवार को यहां मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ उनके आवास पर बंद कमरे में बैठक की, जिससे राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई। करीब एक घंटे तक चली इस बैठक ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को तेज कर दिया है, खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के तेजी से नजदीक आने के साथ। मंत्रिमंडल विस्तार, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति और अन्य प्रमुख पदों को भरने की चर्चा ने अटकलों को और तेज कर दिया है।

दिलचस्प बात यह है कि एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी को गांधी भवन में नलगोंडा और भुवनगिरी संसदीय क्षेत्रों के नेताओं के साथ बैठक करनी थी। हालांकि, ये बैठकें अचानक रद्द कर दी गईं और वे मुख्यमंत्री के आवास पर चली गईं। पार्टी नेताओं ने चर्चा के बारे में चुप्पी साधे रखी तथा इसे एक नियमित बैठक बताकर खारिज कर दिया। याद रहे कि पिछले कुछ दिनों से एआईसीसी प्रभारी गांधी भवन में विधायकों, सांसदों और विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के अन्य नेताओं के साथ कई बैठकें कर रहे हैं। इन मुलाकातों के दौरान नेताओं ने पार्टी के भीतर की आंतरिक गतिशीलता पर खुलकर चिंता व्यक्त की- खास तौर पर लंबे समय से वफादार रहे नेताओं और हाल ही में दूसरी पार्टियों से आए नेताओं के बीच बढ़ते टकराव पर।

इसके अलावा, कुछ नेताओं ने कुछ मंत्रियों और सांसदों के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल की कमी के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। उदाहरण के लिए, पूर्व विधायक संपत कुमार ने कथित तौर पर नगरकर्नूल के सांसद और टीपीसीसी अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लू रवि के खिलाफ आलमपुर बीआरएस विधायक विजयुडू से मिलने और कथित तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायत की।

नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक नाबालिग लड़की को कथित तौर पर डर था कि वह इंटरमीडिएट एडवांस सप्लीमेंट्री परीक्षा में फेल हो जाएगी, उसने गुरुवार शाम बालानगर के पद्मा नगर में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय लड़की (जो बालानगर स्थित एक निजी जूनियर कॉलेज की इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की छात्रा थी) ने चार विषयों की दोबारा परीक्षा दी थी, जिनमें वह पहले फेल हो गई थी। वह अपने प्रदर्शन से परेशान थी और उसने अपनी जान दे दी। जब उसके परिवार के सभी सदस्य सो गए तो उसने अपने शयन कक्ष में छत के पंखे से दुपट्टे से लटककर आत्महत्या कर ली। बालानगर पुलिस जांच कर रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0699

नं.जीएनटी/सी.ई-नीलामी सूची/2025-26 दि.5-6-2025

'ई' नीलामी लीजिंग द्वारा प्रदत्त वाणिज्यिक आय अनुबंधों हेतु गुंटूर डिवीजन की संयुक्त मासिक सूची

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटूर डिवीजन, गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस वेब पोर्टल, ई-नीलामी लीजिंग मोड्यूल के माध्यम से बोलियां या बिड्स आमंत्रित की जाती हैं।

साइकिल/स्कूटर/कार पार्किंग स्टैंड का संचालन एवं रखरखाव

क्रम सं.	ठेका या अनुबंध प्रकार	स्टेशन	ठेका अवधि-	पूधरा मूल्य	नीलामी शुरू होने की तिथि व समय
1.	नार्मल साइकिल/स्कूटर -कम- कार पार्किंग स्टैंड	नलगोंडा (एनएलडीए)	3वर्ष	बोली मूल्य का 10%	18-06-2025 के 11.30 बजे

निविदादाता की यह जिम्मेदारी है कि, डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट प्राप्त करें तथा ई-निविदाओं में भाग लेने के लिए, स्वयं को आईआरईपीएस के 'ई ' नीलामी लीजिंग ईन में रजिस्टर या पंजीकृत करें। पोर्टल www.ireps.gov.in के मैनुएल एवं दिशानिर्देशों के तहत आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से 'ई ' नीलामी लीजिंग में पंजीयन एवं सहभागिता की पूर्व आवश्यकताओं का विवरण उपलब्ध है। जब कभी भी बुलाए जानेपर, निविदादाता द्वारा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर तत्संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। आईआरईपीएस पोर्टल में, निविदा से जुडे आवश्यक दस्तावेजों की अपलोडिंग तथा तत्संबंधित भुगतान के दौरान, उत्पन्न रुकावट या बाधा के लिए, रेल प्रशासन कतई जिम्मेदार नहीं होगा। निविदा प्रपत्र में निर्धारित सभी शर्तों को यथावत रूप से न भरे हुए, निविदाओं को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा। उपरोक्त निविदा का संपूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पोर्टल के 'ई ' नीलामी लीजिंग मोड्यूल में उपलब्ध है।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/गुंटूर

A0843

'डॉन 3' में लीड रोल निभाने के लिए कृति को साइन किए जाने की अटकलें

कृति सेनन आज बॉलीवुड की सबसे अधिक डिमांड वाली अभिनेत्रियों में से एक है। उसने फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों का दिल जीत लिया था । इसके बाद कृति 'बरेली की बर्फी', 'पानीपत', 'हाऊसफुल 4', 'मिमी' जैसी कई हिट फिल्मों में नजर आई। यूं तो उसने बॉलीवुड में खूब नाम कमाया लेकिन यहां तक पहुंचना कृति के लिए आसान नहीं था। फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक से लम्बा अर्सा एक अभिनेत्री बनना चाहती थी। पूछने पर कृति कहती है, जबकि यह अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक यात्रा जैसा लगता है और ऐसे क्षण आते हैं, जब मैं रुककर सोचती हूं कि मुझे पता भी नहीं था कि मैं एक अभिनेत्री बनना चाहती थी। जब उन दिनों के बारे में सोचती हूं तो मैं खुद को बहुत धन्य और आभारी महसूस करती हूं। अपने जुनून की खोज करना और फिर उसे अपने करियर में बदलना दुर्लभ है। मैं आभारी हूं कि मुझे अपना जुनून मिल गया। ऐसा लगता है कि मैं यहीं होना चाहती थी। मैंने एक इंजीनियर और एक मॉडल के रूप में अनुभव प्राप्त किए हैं, लेकिन मुझे सच में विश्वास है कि अब मुझे अपना असली लक्ष्य मिल गया है।

एक आऊटसाइडर होने के बावजूद एक बड़े प्रोडक्शन हाऊस, साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमैंट की फिल्म 'हीरोपंती' से उसने अपनी शुरूआत की। इस बारे में वह कहती है, "मैं साजिद नाडियाडवाला और सब्बीर खान की बदौलत 'हीरोपंती' के साथ इतनी मजबूत शुरूआत करने के लिए वास्तव में भाग्यशाली महसूस करती हूं। उन्होंने एक शानदार मंच प्रदान किया और फिल्म की मार्कीटिंग इस तरह से की कि टाइगर (श्रॉफ) और मुझे समान रूप से देखा गया। यह स्टार किड होने या न होने के बारे में नहीं था; यह दो नए चेहरों को पेश करने के बारे में था । मैं आभारी हूं कि मेरा डेब्यू सफल रहा और इससे मुझे इंडस्ट्री में खुद को स्थापित करने में मदद मिली।

अगली फिल्में

कृति जल्द ही फिल्म 'तेरे इश्क में' नजर आएगी। इसके अलावा वह सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' के सीक्वेल 'कॉकटेल 2' का भी हिस्सा है। वहीं कियारा आडवाणी के प्रैग्नेंट होने के बाद उसके 'डॉन 3' से अलग होने के चलते इसमें लीड रोल निभाने के लिए कृति को साइन किए जाने की अटकलें भी लग रही हैं।

सोचा नहीं था, इतना 'प्यार' मिलेगा : आकांक्षा रंजन कपूर

इन दिनों आकांक्षा रंजन कपूर वैब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' में डॉक्टर गार्गी का अहम रोल निभाने को लेकर चर्चा में है। इसके लिए मिल रही तारीफों से वह खुद को अभिभूत महसूस कर रही है। वह कहती है, " लोग मुझे इस रोल में देख कर खुद से जुड़ा पा रहे हैं। और पसंद कर रहे हैं लेकिन पहले हर किसी के साथ ऐसा नहीं था । मैं एक कास्टिंग डायरैक्टर से मिली, जिसने कहा, 'तुम्हें किसने कास्ट किया? मैं तुम्हें इस रोल के लिए सोच भी नहीं सकता था।' तो, मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे एक नए रूप में देख सकते हैं।

कास्टिंग डायरैक्टर के इस कमैंट के बाद वह अपने रोल से दर्शकों पर एक छाप छोड़ना चाहती थी। अपने रोल को मिले प्यार के बारे में बात करते हुए वह कहती है कि उसके किरदार को इतना पसंद किया जाएगा, यह तो उसने सोचा भी नहीं था । राहुल पांडे द्वारा निर्देशित और दीपक कुमार मिश्रा द्वारा निर्मित इस सीरीज में आकांक्षा के साथ आनंदेश्वर द्विवेदी, अमोल पाराशर, आकाश मखीजा और गरिमा विक्रांत सिंह हैं। वैभव सुमन और श्रेया श्रीवास्तव द्वारा लिखी गई सक्रिप्ट में हास्य और रोमांस का मेल है, जिसे आकांक्षा ने खोजने की इच्छा जताई थी।

वह इस सराहना के लिए आभारी है।

लेकिन वह यह भी जानती है कि आज उद्योग कैसे काम करता है। उसने कहा, "मैं चाहती थी कि मेरा काम मेरे लिए बोले ।₹ जबकि वह सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और लोकप्रियता की होड़ से दूर रहने की कोशिश करती है, वह जानती है कि केवल प्रतिभा ही हमेशा पर्याप्त न हीं होती । उस ने कहा, " मैं बाजार की मांगों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही हूं।

इस बात का था डर

वहीं आकांक्षा ने यह खुलासा भी किया है कि इस सीरीज में डॉ. गार्गी के किरदार को लेकर उसके मन में एक चीज का डर था। दरअसल, इससे पहले आकांक्षा शहरी पात्रों की भूमिकाएं ज्यादा निभाई हैं। ऐसे में उसे इस बात का पूरा भरोसा नहीं था कि लोग उसके इस किरदार को पसंद करेंगे या नहीं ।

आलिया भट्ट की बैस्ट फ्रैंड है आकांक्षा

बॉलीवुड की सुपरस्टार आलिया भट्ट के साथ आकांक्षा की गहरी दोस्ती है। आलिया और आकांक्षा अक्सर एक-दूसरे के साथ सोशल मीडिया पोस्ट अपलोड करती हैं। आलिया के साथ आकांक्षा ने फिल्म 'जिगरा ' में भी काम किया है ।

लोकप्रिय हस्तियों की सूची में जगह बनाई आकांशा ने आई.एम.डी. बी. की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहली बार जगह बनाई है। सूची में वह 19वें स्थान पर पहुंची है, जो लोकप्रिय रैंकिंग में, उसकी पहली प्रविष्टि है। आकांशा ने 2020 में फिल्म 'गिल्टी' से अपनी शुरूआत की थी।

क्या 'स्पिरिट' के बाद अब 'कल्कि 2' से बाहर होंगी दीपिका?

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण उस समय चर्चाओं में आ गईं जब वो संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से अलग हो गईं। इस फिल्म से दीपिका के बाहर होने की प्रमुख वजह उनके द्वारा 8 घंटे काम करने की मांग करना बताया गया। जिसके बाद इंडस्ट्री में आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर एक बहस छिड़ गई। कई लोगों ने दीपिका की इस मांग का समर्थन भी किया। लेकिन ऐसा लगता है कि दीपिका को उनकी ये डिमांड महंगी साबित पड़ रही है। क्योंकि 'स्पिरिट' से बाहर होने के बाद अब उनके हाथ से एक और बड़ी फिल्म फिसल सकती है।

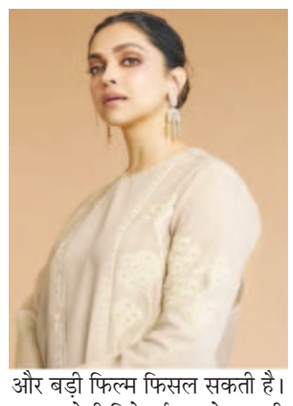

कुछ ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं कि दीपिका के आठ घंटे काम करने की मांग के चलते स्पिरिट के बाद अब वो 'कल्कि 2' से भी बाहर हो सकती है। बॉलीवुड डॉट मोबी की रिपोर्ट का कहना है कि मां बनने के बाद दीपिका की काम के घंटे कम करने की मांग के चलते फिल्म के सेट पर और मेकर्स से टकराव की स्थिति पैदा हो रही है। इस वजह से अब 'कल्कि 2' के मेकर्स दीपिका की भूमिका को कम करने या यहां तक कि हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। 'कल्कि 2' में दीपिका के साथ प्रभास और अमिताभ बच्चन भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। जिस 'स्पिरिट' फिल्म से दीपिका काम के घंटों को लेकर बाहर हुई हैं, उसमें भी प्रभास ही प्रमुख भूमिका में हैं। अब प्रभास के ही लीड रोल वाली 'कल्कि 2' से भी दीपिका के बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। कल्कि 2898 एडी में दीपिका पादुकोण ने 'सुम' नाम की प्रेग्नेंट महिला का किरदार निभाया है। जिसका अर्थ सुमति से है। ऐसा माना जा रहा है कि दीपिका का किरदार सुमति जिस बच्चे को जन्म देगी, वो ही आगे चलकर कल्कि अवतार बनेगा।

मैं दिल से एक कलाकार हूं : शालिनी पांडे

साल 2022 में आई दिव्यांग ठक्कर की फिल्म 'जयेश भाई जोरदार' को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो चुके हैं। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका में शालिनी पांडे नजर आई थी । उसने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी डेब्यू हिन्दी फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए।

उन्होंने लिखा, "तीन साल पहले, 'जयेश भाई जोरदार' आई थी। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मेरा पहला कदम था यह । यह मेरा ऐसा सपना था, जिसे मैं सालों से लेकर चल रही थी । इस फिल्म में रणवीर सिंह की प्रतिभा, आदि सर के सच्चे विश्वास और मेरे अद्भुत निर्देशक दिव्यांग का मैजिक था। इन्होंने मिलकर मेरे सपने को सच किया। मेरी टीम ने मुझ पर हमेशा विश्वास किया।"

उन्होंने बताया कि डेब्यू फिल्म में काम करने को लेकर उसकी हालत कैसी थी और उस परिस्थिति में टीम ने उसका बहुत साथ दिया, जिस वजह से उसका सपना सच हुआ और शानदार अनुभव मिल सका। उसने लिखा, ₹मैं घबराई हुई थी, आंखें फैली हुई थीं और भावनाओं के साथ थोड़ी झिझक भी थी । मेरी टीम ने मुझे बढ़ने, लड़खड़ाने और फिर उड़ने दिया । शानू सर ने मुझे एक कैफे में देखा और मेरा चयन करके उन्होंने मेरी जिंदगी में नया मोड़ ला कर मेरी जिंदगी बदल दी। मेरा हाथ थामने वाली टीम और मेरा दिल थामने वाले दर्शकों को धन्यवाद! ' जयेश भाई' की पूरी टीम को धन्यवाद । यह शुरूआत थी । इसके बाद जो कुछ हुआ और सिनेमा ने जो हमें विश्वास दिलाया, उसके लिए सलाम । पहली बॉलीवुड फिल्म की असफलता पर बोली

शालिनी ने विजय देवरकोंडा के साथ तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्म 'अर्जुन 'रैड्डी' से लोकप्रियता हासिल की थी। इसके बाद उसने फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' में रणवीर सिंह के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई ।

शालिनी ने इस फिल्म की असफलता के बारे में खुलकर बात करते हुए एक इंटरव्यू में जब आप ' जयेशभाई जोरदार' जैसी फिल्म करते हैं, तो यह कहा, कागजों पर बिल्कुल अद्भुत होती है। इसमें रणवीर सिंह, यशराज फिल्म्स, एक अद्भुत कहानी और निभाने के लिए इतना मजबूत किरदार होता है लेकिन हां, जब यह नहीं चली तो मेरा दिल टूट गया ।

जब सब कुछ बहुत अच्छा होता है और आपको लगता है कि लोग आपको पसंद करने वाले हैं, लेकिन ऐसा नहीं होता, तो आप टूट जाते हैं लेकिन आप अपना दिल संभालते हैं और आगे बढ़ते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं वह काम कर रही हूं जो मैं करना चाहती हूं।

शालिनी की वैब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' हाल ही में रिलीज हुई है। सीरीज में उसके साथ अभिनेत्री शबाना आजमी, ज्योतिका समेत अन्य सितारे नजर आए थे। वह जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो की वैब सीरीज ' बैंडवाले' में नजर आएगी। इसके अलावा, उसके पास पुल्कित सम्राट के साथ 'राहु केतू' और धनुष के साथ एक रोमांचक फिल्म 'इडली कढ़ाई' भी है।

शालिनी ने मुंबई के बाद अब हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत शहर कसोल में अपनी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर्दे के पीछे की तस्वीरें शेयर करके फैंस को सैट की झलक दिखाई। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए शालिनी ने कैप्शन में लिखा, ₹मेरी आने वाली फिल्म के सैट पर मीनू से मिलिए। आपसे जल्द मीनू की मुलाकात करवाने की इच्छा है, इसका और इंतजार नहीं कर सकती !

फिल्म इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स के साथ काम करने के अपने अनुभवों के बारे में बात करते हुए शालिनी कहती है, "ऐसा नहीं है कि मैंने अपने करियर में सिर्फ अच्छे पुरुषों के साथ ही काम किया है, मैंने अपने जीवन में बुरे पुरुषों के साथ भी काम किया है। मैं ऑन-स्क्रीन, ऑफ-स्क्रीन और क्रू के भीतर की बात कर रही हूं । हां, आपको बस सीमाएं तय करनी होती हैं ।

मुझे 9 से 5 वाली नौकरी नहीं करनी थी

शालिनी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है लेकिन इस मुकाम तक आने के लिए वह कई संघर्षों से गुजरी है। इंजीनियरिंग कर रही शालिनी ने अपने घरवालों के खिलाफ जाकर एक्ट्रैस बनने का फैसला किया था।

उसने बताया, ऐसा कोई एक दिन नहीं था, जब से मुझे याद है, मुझे अभिनेत्री ही बनना था। बचपन में तो हमें फिल्में देखने की भी इजाजत नहीं थी। पेरैंट्स टी.वी. का केबल कनैक्शन तक काट देते थे, क्योंकि सारा जोर पढ़ाई पर था, पर मुझे लगता है कि इसकी कई वजहें रहीं। जैसे, शुरू में टी.वी. देखते हुए लगता था कि मुझे भी टी.वी. पर आना है, मगर बड़ी वजह यह थी कि मुझे जबलपुर से बाहर निकलना है। मुझे अपनी पहचान बनानी है। मुझे आजादी चाहिए । ' तो व क्त के साथ कई आयाम जुड़ते गए और यह जुनून भी बढ़ता गया। मुझे समझ में आया कि मैं दिल से एक कलाकार हूं। मैं 9 से 5 वाली नौकरी कर ही नहीं सकती हूं। मुझे अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए जरिया चाहिए और इसके लिए एक्टिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह मेरे लिए एक थैरेपी है जबकि, इतने छोटे शहर से होने के चलते कई बार अभिनेत्री बनना असंभव सा सपना लगता, फिर भी मन यही कहता था कि मैं कर लूंगी।

सपने देखो, मेहनत करो तो कुछ भी सम्भव है : सुष्मिता सेन

1994 में सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीत कर इतिहास रचा था । यह खिताब जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी। हाल ही में इस बारे में उसने सोशल मीडिया पर यादें सांझी कीं । सुष्मिता ने लिखा, " एक ऐतिहासिक जीत, जिसने एक 18 वर्षीय भारतीय लड़की को ब्रह्मांड से परिचित कराया । भावनाओं की दुनिया खोलना, आशा की ताकत, समावेश की शक्ति, प्रेम की उदारता को उजागर करना। दुनिया की यात्रा करना और कुछ सबसे प्रेरणादायक लोगों से मिलने का सौभाग्य प्राप्त करना... निश्चित रूप से जीवन परिभाषित करने वाला। इस पोस्ट में सुष्मिता ने ईश्वर के साथ ही अपने माता-पिता का भी धन्यवाद किया। उसने कैप्शन में लिखा, "भगवान, मां, आपका धन्यवाद बाबा । मिस यूनिवर्स में भारत की पहली जीत की 31वीं वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान, मैं हमेशा गर्व के साथ संजो कर रखूंगी। ब्रह्मांड हमारे पक्ष में है सुष्मिता ने इस यादों के पिटारे को शेयर कर अपने फैंस के साथ ही कई युवाओं के मन में भी रोशनी जगाई है। सुष्मिता ने कहा कि बड़े सपने देखो और उन्हें पूरा करने के लिए दिल से मेहनत करो तो ब्रह्मांड भी आपकी मदद करता है। उसने लिखा, "ये हैं सपने, असंभव किस्म के... क्योंकि मैं जानती हूं, ब्रह्मांड हमारे पक्ष में 'साजिश' करता है ! मैं आप लोगों से प्यार करती हूं।

अक्षय खन्ना से डरकर इस एक्टर से मदद मांगने पहुंची थीं विद्या

जा नी - मा नी अभिनेत्री विद्या बालन ने सालों पहले की एक घटना को याद किया है, जब वह 'सलाम-ए-इश्क' फिल्म की शूटिंग कर रही थी। उस दौरान उन्हें अभिनेता अक्षय खन्ना के गुस्से का सामना करना पड़ा था और एक्ट्रेस उनसे बचने के लिए दूसरे एक्टर से मदद मांगने पहुंचीं। आइए जानते हैं आखिर किस बात पर नाराज हुए अक्षय खन्ना। अभिनेत्री विद्या बालन हाल ही में बॉलीवुड हंगामा स्टाइल आइकन्स समिट में शामिल हुईं। बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने सालों पहले की एक घटना को याद किया। उन्होंने कहा, 'मुझे अक्षय खन्ना के साथ एक फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन किसी कारण से मैं स्क्रिप्ट से जुड़ नहीं पाई। हालांकि, मैंने फोन करके उन्हें यह बात नहीं बताई, मैंने अपने मैनेजर से निर्देशक को यह बात बताने को कहा।'

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने बताया, 'इसके बाद सलाम-ए-इश्क के सेट पर मैं अक्षय से मिली और वो मुझपे अपना गुस्सा निकाल रहे थे। उन्होंने कहा 'तुमने मुझे क्यों नहीं बताया कि तुम फिल्म नहीं करना चाहती थी?' मैं जॉन अब्राहम के पास गई और कहा, 'क्या तुम मुझे बचा सकते हो?' क्योंकि मैं उस समय नई थी, मैं कोई झगड़ा नहीं चाहती थी। मैं किसी को चोट नहीं पहुंचाना चाहती थी या किसी को बुरा महसूस नहीं कराना चाहती थी। लेकिन जाहिर है, वह सिर्फ मेरा मजाक उड़ा रहे थे। मुझे बाद में पता चला।'अभिनेत्री विद्या बालन के काम की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 'भूल भुलैया 3' में देखा गया था, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के अलावा कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

बाबा खाटू श्याम को किन चीजों का भोग लगाना होता है शुभ?

खाटू श्याम बाबा, जिन्हें कलयुग के देव और हारे का सहारा कहा जाता है, भगवान श्रीकृष्ण के अवतार माने जाते हैं। उन्हें प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए भक्त कई तरह की चीजें अर्पित करते हैं।

अगर आप खाटू श्याम बाबा के धाम जाते हैं तो आपको उनकी पूजा के दौरान कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना होगा। ऐसी मान्यता है कि खाटू श्याम बाबा को पूजा के दौरान कई चीजें अर्पित की जाती है और उन्हें विशेष चीजों का भोग लगाया जाता है। जिनसे बाबा खाटू श्याम बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों को हर मुराद पूरी करते हैं।

उनकी कृपा से लोगों के जीवन में खुशियां बनी रहती हैं।

गाय का कच्चा दूधः खाटू श्याम बाबा का सबसे प्रिय भोग गाय का कच्चा दूध माना जाता है। मान्यता है कि खाटू की धरती पर बाबा श्याम ने सबसे पहले गौ माता के कच्चे दूध को ही प्रसाद के रूप में स्वीकार किया था। गाय से निकला हुआ ताजा, बिना छाना या उबाले हुए कच्चे दूध का भोग लगाना सबसे शुभ माना जाता है।

खीर और चूरमाः बाबा को द्वादशी और विशेष अवसरों पर घर-घर में ज्योत के रूप में खीर और चूरमे का भोग लगाया जाता है। यह बाबा श्याम का बहुत ही प्रिय और प्रसिद्ध भोग है। बाबा को शुद्ध देसी घी में बना हुआ चूरमा और खीर बाबा को अर्पित करें। इससे लोगों की कामना जल्द पूरी होती है।

गुलाब का फूल और इत्रः खाटू श्याम बाबा को गुलाब का फूल अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि जहां बाबा श्याम का जन्म हुआ था, वहां एक गुलाब नगरी थी और उन्हें गुलाबों से खेलना बहुत पसंद था। लाल गुलाब के फूल, गुलाब की माला और गुलाब से बना इत्र बाबा को अर्पित करें। बिना गुलाब के बाबा श्याम का श्रृंगार अधूरा माना जाता है।

पेड़े और अन्य दूध से बनी मिठाइयांः बाबा श्याम को दूध से बनी मिठाइयां, विशेषकर खोए के पेड़े और लड्डू बहुत पसंद हैं। शुद्ध दूध और खोए से बनी मिठाइयों का भोग लगाएं।

पंचमेवा (बादाम, काजू, छुआरा, मिश्री और किशमिश) का भोग भी बाबा श्याम को प्रिय है। यह प्रसाद लंबे समय तक खराब नहीं होता है।

इन सभी मेवों को मिलाकर पंचमेवा प्रसाद तैयार करें और बाबा को अर्पित करें।

तुलसी दलः खाटू श्याम भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार हैं, इसलिए भगवान विष्णु को प्रिय होने के कारण तुलसी दल भी उन्हें अर्पित किया जाता है। भोग लगाते समय तुलसी का एक पत्ता उस पर अवश्य रखें। आप अपनी श्रद्धा अनुसार अन्य मीठे व्यंजन, फल और सात्विक भोजन का भोग भी लगा सकते हैं। भोग हमेशा शुद्धता और पूरे श्रद्धा भाव से बनाना और चढ़ाना चाहिए।

रवि प्रदोष व्रत के दिन किए उपाय से चमक सकती है किस्मत

8 जून को रवि प्रदोष व्रत रखा जाएगा. इस दिन भोलेनाथ के साथ-साथ सूर्य देव की कृपा भी प्राप्त कर सकते हैं. जानते हैं रवि प्रदोष व्रत करने के क्या लाभ हैं और इस विशेष दिन पर और किन उपायों को करने से मिलेगी शिव जी कृपा।

हिंदू धर्म में हर व्रत और त्योहार का अपना अलग और विशेष महत्व है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की त्रियोदशी तिथि को रवि प्रदोष व्रत रखा जाएगा। प्रदोष व्रत देवों के देव महादेव के लिए रखा जाता है। साथ ही प्रदोष व्रत को रखने से कुंडली में चंद्र की स्थिति मजूबत होती है। जिन लोगों को मानसिक तनाव और टेंशन जैसा समस्या अधिक रहती है उन लोगों के लिए प्रदोष का व्रत रखना लाभकारी हो सकता है। जानते हैं जून माह में कब रखा जाएगा प्रदोष का व्रत।

त्रयोदशी तिथि 8 जून, रविवार सुबह 07.17 मिनट से शुरू हो जाएगी, जो अगले दिन 9 जून सोमवार को सुबह 09.35 मिनट पर समाप्त होगी। इस दौरान प्रदोष काल में पूजा का समय रहेगा शाम 6.34 मिनट से लेकर रात 8।48 मिनट। जिसकी अवधि कुल 2.14 मिनट रहेगी। प्रदोष काम सूर्यास्त से प्रारम्भ हो जाता है, प्रदोष काल को भोलेनाथ की आराधना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस बार प्रदोष का व्रत रविवार के दिन पड़ रहा है, इसीलिए इसे रवि प्रदोष व्रत कहा जाता है।

रवि प्रदोष व्रत

प्रदोष का व्रत करने से लोगों के घर की सभी समस्याओं का समाधान होता है,साथ ही जिन लोगों के जीवन में धन का अभाव, घर में कलेश रहता है, अशांति रहती है या जिन लोगों को नौकरी मिलने में दिक्कतें आ रही हो, या शादी में किसी ना किसी बात से विघ्न आ रहा हो वह लोग रवि प्रदोष का व्रत जरूर करें।

रवि प्रदोष व्रत का पालन करने से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें समाप्त होती हैं, साथ ही धन की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने से शिव जी के साथ-साथ सूर्य देव का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है और भगवान शिव अनेक भक्तों पर अपनी कृपा दृष्टि रखते हैं।

रवि प्रदोष व्रत उपाय

8 जून, रविवार के दिन पड़ने वाले रवि प्रदोष के दिन प्रदोष काल के समय अपने घर से भरा लोटा जल और घी का दीपक लेकर शाम के समय शिव मंदिर में जल अर्पित करने से और दीपक जलाने से 26 प्रदोष व्रत के समान पुण्य की प्राप्ति होती है।

रवि प्रदोष व्रत के दिन सुबह व्रत का संकल्प लेने के बाद प्रातः सूर्य को जल चढ़ाते हुए इस मंत्र का जाप करें। ॐ घृणिः सूर्याय नमः

इस दिन आर्थिक संकट को दूर करने के लिए प्रदोष काल में शिवलिंग पर काले तिल, चावल और जल अर्पित करें।

कुरनूल का वो रहस्यमयी मंदिर जहां हर साल बढ़ रही है नंदी की मूर्ति

भारत की धरती रहस्यों से भरी है यहां अनोखे मंदिरों की कमी नहीं हैं। इन्हीं में से अनोखा और रहस्यमयी मंदिर है जहां भगवान शिव के वाहन नंदी महाराज की मूर्ति धीरे-धीरे अपना आकार बढ़ा रही है। आइए जानते है कि कहां है ये मंदिर भारत में बहुत से प्राचीन मंदिर है। जिनमें से कुछ मंदिर हमे हैरान कर देते हैं। यह सभी मंदिर अपने रहस्यों और चमत्कारों के चलते दुनिया भर में जाने जाते है। भारत में एक शिव मंदिर ऐसा भी है। जहां स्थिति नंदी जी की मूर्ति का आकार लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इस मूर्ति के बढ़ते आकार के रहस्य का आज तक कोई भी पता नहीं लगा पाया है। इसके अलावा मूर्ति के बढ़ते आकार को लेकर लोगों के बीच बहुत की मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

इस मंदिर को आपने पुष्पा-2 मूवी में भी देखा होगा, लेकिन तब शायद आप इसकी विशेषता से अंजान होगे। इस मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक फैली है। मान्यता है कि कलयुग में नंदी की ये मूर्ति जीवंत हो उठेगी। इस मंदिर में भगवान के अर्धनारिश्वर रूप की पूजा होती है।

कौन-सा है ये मंदिर?

भगवान शिव का ये रहस्यमयी मंदिर हैदराबाद से 308 किमी और विजयवाड़ा से 359 किमी दूर आंध्र प्रदेश के कुरनूल में स्थित इस मंदिर का नाम है श्री यांगती उमा महेश्वर मंदिर। इस मंदिर का निर्माण वैष्णव परंपराओं के अनुसार किया गया है। इसे 15वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के संगम वंश के राजा हरिहर बुक्का राय के द्वारा बनवाया गया था। यह प्राचीन काल के पल्लव, चोल, चालुक्य और विजयनगर शासकों की परंपराओं को दर्शाता है।

मंदिर का इतिहास

इस मंदिर की स्थापना को लेकर भी एक कथा प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इस शिव मंदिर की स्थापना अगस्त्य ऋषि ने की थी। वह यहां पर भगवान वेंकटेश्वर का मंदिर बनवाना चाहते थे, लेकिन स्थापना के दौरान मूर्ति का अंगूठा टूट गया। जिसके बाद अगस्त ऋषि ने भगवान शिव की आराधना की जिसके बाद भगवान शिव प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि यह स्थान कैलाश की तरह दिखता है, इसलिए यहां उनका मंदिर बनाना ही सही है।

बढ़ती जा रही है नंदी की मूर्ति

भगवान शिव के सभी मंदिरों में नंदी जी की मूर्ति स्थिति होती है लेकिन यहां स्थापित नंदी की मूर्ति बहुत ही खास और चमत्कारी हैं जिसके बारे में सिर्फ लोगों का ही नहीं बल्कि वैज्ञानिकों का कहना है कि यहां स्थित मूर्ति का आकार हर 20 साल में करीब एक इंच बढ़ता है। जिसकी वजह से एक-एक करके मंदिर के खंभों को हटाना पड़ रहा है। इसके साथ ही कहा जाता है कि कलयुग के अंत तक यह मूर्ति एक विशाल रूप लेकर जीवित हो जाएगी और उस दिन महाप्रलय आएगा जिसके बाद **कलयुग का अंत हो जाएगा।**

इस मंदिर में नहीं आते कौए

इस मंदिर में शनिदेव का प्रभाव नहीं है। मंदिर में कभी भी कौए नजर नहीं आते है। कहा जाता है कि ऐसा ऋषि अगस्त्य के श्राप के कारण है। कथा के अनुसार, जब अगस्त्य ऋषि तप कर रहे थे, तब कौए उन्हें परेशान कर रहे थे। नाराज होकर ऋषि ने उन्हें श्राप दिया कि वे यहां कभी नहीं आ सकेंगे।

बेहद शक्तिशाली है मां विंध्यवासिनी का ये रूप माह में सिर्फ एक बार होते हैं ऐसे दर्शन

विंध्यपर्वत पर विराजमान आदिशक्ति मां विंध्यवासिनी को महालक्ष्मी का रूप माना जाता है। भक्तों को मां इसी रूप में दर्शन देती है। मां के दर्शन के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी भक्त पहुंचते हैं। मां विंध्यवासिनी की महालक्ष्मी के साथ ही कौशकी रूप की विशेष महत्ता है। माह में सिर्फ एक बार मां के कौशकी रूप के दर्शन होते हैं।

मां विंध्यवासिनी के इस रूप को सबसे शक्तिशाली रूप कहा जाता है। ब्रह्मांड नायिका के इस रूप का महात्म्य भगवान शिव और पार्वती से जुड़ी हुई है।

विंध्यधाम के विद्वान पं. त्रियोगी नारायण मिश्र मिट्ठू मां के कौशकी रूप का महात्म्य भगवान शिव और पार्वती से जुड़ी हुई है। एक बार भगवान शिव ने विनोदवश मां पार्वती को काली कहकर संबोधित किया। काली शब्द मां के ह्रदय को छू गया। यह सुनकर मां गंभीर हो गई। उन्होंने सोचा कि क्या मेरा रूप इतना भयावह है। उन्होंने संकल्प लिया कि गौरवर्ण रूप को पुनः प्राप्त करूंगी। मां पार्वती हिमालय छोड़कर विंध्य पर्वत पर तपस्या के लिए आई। यहां पर उन्होंने कठोर तप किया।

त्रियोगी नारायण मिश्र ने बताया कि मां के तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए। उन्होंने कहा कि हे देवी आपके तप से प्रसन्न हुआ। उत्तर की ओर से बहने वाली गंगा नदी में स्नान करके आसन पर विराजते ही गौरवर्ण प्राप्त होगा।

मां गंगा से स्नान करके आसन पर विराजते ही पार्वती से गौरी हो गई। मां के इस रूप को देखने के लिए देवी-देवता भी आए हुए थे। आज भी मां के धाम में सारे साक्ष्य विराजमान है। भगवान शिव और अष्टकोणीय घेरे में सारे देवी-देवता विराजमान हैं। मां के धाम में उत्तर से गंगा प्रवाहित होती है।

इसी रूप में किया दानवों का संहार

उन्होंने बताया कि मां के कौशकी रूप स्वरूप परिवर्तन तक सीमित नहीं रहा। मां का यह रूप दानवों के संहार के साथ ही देवताओं के रक्षा के लिए हुआ। उन्होंने चण्डमुण्ड, रक्तबीज और शुम्भ-निशुम्भ का वध किया। अंत में महिषासुर का विनाश किया। इसलिए मां को महिषासुर कहा गया। मां के इस रूप की पूजा प्रत्येक माह की अष्टमी तिथि पर होता है। वहीं, नवरात्रि में यह पूजा अतिविशेष हो जाती है। मां विंध्यवासिनी का यह धाम सभी साक्ष्यों को समेटे हुए है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा : आपकी राशि के अनुसार करें ये दान

ज्येष्ठ पूर्णिमा की तिथि 10 जून मंगलवार को सुबह 11 बजकर 35 मिनट से प्रारंभ हो रही है, जबकि इस तिथि का समापन 11 जून बुधवार को दोपहर 1 बजकर 13 मिनट पर हो रहा है। उदयातिथि के अनुसार 11 जून को मनाई जाएगी।

मेष – इस राशि के जातक को मां लक्ष्मी का विशेष आर्शीवाद प्राप्त करने के लिए खीर का दान करना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी और साल भर सुख-समृद्धि का घर में वास होगा।

वृषभ – इस राशि के जातकों को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन गरीबों को दही या घी का दान करना शुभ होता है।

मिथुन – इस राशि के जातक को लगातार व्यापार में मुनाफे की जगह घाटा हो रहा है। तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन दूध या चावल का दान करना चाहिए।

कर्क – लक्ष्मी देवी की असीम कृपा पाने के लिए ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन मिश्री युक्त दूध का दान करने से हर कार्य मे सफलता मिलेगी।

सिंह – इस राशि के जातकों को ग्रहों की बाधा दूर करनी हो तो ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन गुड़ का दान अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से ग्रहों की स्थिति मजबूत होगी।

कन्या – इस राशि के जातक को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन खीर का दान करना चाहिए। यह करने से साल भर लक्ष्मी मां का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

तुला – लक्ष्मी माता की असीम कृपा पाने के लिए इस राशि के जातक को दूध, चावल और घी का दान कर सकते हैं। यह करने से लक्ष्मी नारायण प्रसन्न होंगे।

वृश्चिक – आर्थिक स्थिति ठीक नहीं हो और ग्रह दोष हो तो इस राशि के जातक को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन लाल रंग की वस्तु का दान करना उत्तम माना गया है। ऐसा करने से ग्रह दोष दूर होंगे।

धनु – इस राशि के जातक को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन दाल का दान कर सकते हैं। इससे घर में सुख समृद्धि का वास बना रहेगा।

मकर – ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन बहते हुए जल में अक्षत प्रवाहित करने से सभी प्रकार के दोषों से मुक्ति मिलेगी और आर्थिक लाभ होगा।

कुंभ – इस राशि के जातक को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन जरूरतमंद लोगों में भोजन का दान करें। इससे आर्थिक समस्याएं दूर होंगी।साथ ही माँ लक्ष्मी का आर्शीवाद प्राप्त होगा।

मीन – इस राशि के जातक को मां लक्ष्मी की उपासना ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन जरूर करना चाहिए। साथ ही ब्राह्मणों को भोजन खिलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

भोजन को अन्न-यज्ञ मानें व पवित्र मन से भोजन करें

यदि होश में न हों तो भोजन मत करिए। तो क्या हम लोग बेहोशी में भोजन कर रहे हैं? सच यही है कि जब कभी हम भोजन करते हैं, हमें होश नहीं रहता। भोजन करते समय पूजा जैसी मानसिकता बनाएं। लंच और डिनर अन्न-यज्ञ जैसा है। इसमें ठिठोली या विवाद का अवसर ना रखें। शांत मन से शुद्ध अन्न पाना सौभाग्य है। जिसने भोजन बनाया है, उसके प्रति आभार से भर जाएं। ईश्वर को धन्यवाद दें कि दो वक्त की रोटी नसीब हो रही है। लेकिन आज भोजन करते समय या तो लोग विचारों से भरे रहते हैं या लड़ रहे होते हैं। भोजन गरम मिले न मिले, पर लोगों का रुख गर्म हो गया है।

रोटियां कुरकुरी हों न हों, वाणी कर्कश हो गई है। डाइनिंग टेबल पर आक्रामक मुद्रा अशांति को आमंत्रण है। कई बार तो कुछ ऐसे विषय डाइनिंग टेबल पर ही पैदा होते हैं कि भोजन खत्म हो जाता है, पर कौन सही, कौन गलत की अंताक्षरी चलती रहती है। अब तो मोबाइल और टीवी भी भोजन की डिश बन गए हैं। भोजन को अन्न-यज्ञ मानें और पवित्र मानसिकता से भोजन करें।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 7 जून - 2025

जनगणना की मांग करने वाले दलों को अब मिलेगी शांति

अशोक भाटिया

जनगणना की मांग करने वाले दलों के लिए अब राहत की खबर है। केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का ऐलान तो पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी ऐलान कर दिया है। सूत्रों को मुताबिक, भारत में 1 अक्टूबर 2026 से जाति गणना के साथ जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। बता दें कि, जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी (2021 में कोरोना महामारी के कारण टली)। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। सूत्रों के मुताबिक, 16 जून 2025 को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत अधिसूचना जारी होते ही यह प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। इसके बाद जनगणना से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां सक्रिय हो जाएंगी। पहले चरण में स्टाफ की नियुक्ति, प्रशिक्षण, जनगणना फॉर्मेट तैयार करना और फील्ड वर्क की योजना बनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस बार जनगणना और जातिगत जनगणना एक साथ की जाएगी प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहला चरण 1 फरवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 के अंत तक संपन्न होगा। 1 मार्च 2027 को मध्यरात्रि को संदर्भ तिथि माना जाएगा, यानी उस समय देश की जनसंख्या और सामाजिक स्थिति का जो भी आंकड़ा होगा, वही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इस दिन के बाद से आंकड़े सार्वजनिक रूप से सामने आने लगेंगे। यह ऐतिहासिक कदम देश की सामाजिक संरचना को बेहतर ढंग से समझने और नीतिगत फैसलों के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। वहीं हिमालयी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में यह जनगणना प्रक्रिया अन्य राज्यों से पहले, अक्टूबर 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। वहां मौसम की कठिनाइयों और दुर्गम क्षेत्रों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत, 1 मार्च 2027 को जनगणना की संदर्भ तिथि घोषित की जाएगी और संबंधित अधिसूचना 16 जून 2025 को राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद जनगणना की आधिकारिक तैयारियां प्रारंभ हो जाएंगी।बता दें कि इस बड़े फैसले की पृष्ठभूमि में अप्रैल में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से की गई घोषणा थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़ों को शामिल करने की स्वीकृति दे दी है।उन्होंने कहा था, "कैबिनेट समिति ने आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लिया है। यह फैसला सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण तथा समग्र राष्ट्रीय प्रगति की दिशा में एक अहम कदम है।" उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जनगणना पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी। देशभर में जातिगत गणना की मांग काफी समय से उठती रही थी। कांग्रेस, भारत गठबंधन और विभिन्न क्षेत्रीय दलों ने बार-बार इसकी आवश्यकता को रेखांकित करती रही है। हाल ही में कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार ने राज्य स्तरीय जातिगत सर्वे कराया था, जिसे लेकर कुछ प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और लिंगायत ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इस सर्वे में उनके साथ न्याय नहीं हुआ। गौरतलब है कि भारत में यह जनगणना मूल रूप से अप्रैल 2020 में आयोजित की जानी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अगर इसे तय समय पर किया गया होता, तो अंतिम रिपोर्ट 2021 तक सामने आ जाती।जनगणना 2027 सिर्फ जनसंख्या की गणना भर नहीं होगी, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। वंचित वर्गों की सही पहचान और उनके लिए योजनाओं की बेहतर दिशा तय हो सकेगी। आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर तथ्यात्मक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीतियों और योजनाओं का पुनर्गठन संभव होगा जो समावेशी विकास की दिशा में उपयोगी हो सकता है।भारत में पिछली जनगणना वर्ष 2011 में की गई थी, जो दो चरणों में पूरी हुई थी। पहला चरण मकान सूचीकरण (एचएलओ) और दूसरा चरण जनगणना (पीई)। 2021 में अगली जनगणना प्रस्तावित थी, जिसकी सभी तैयारियां भी पूरी हो गई थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। यदि यह जनगणना समय पर होती, तो 2021 तक इसकी अंतिम रिपोर्ट सामने आ चुकी होती। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, "जनगणना 2021 के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। हालाँकि, पूरे देश में कोविड के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित कर दिया गया था। कोविड ने शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों को बाधित किया। जनगणना के लिए लगभग 30 लाख गणनाकर्ताओं की आवश्यकता है और उनमें से अधिकांश प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक हैं। कोविड के बाद जनगणना प्राथमिक शिक्षा को बाधित कर सकता था।" प्रवक्ता ने कहा कि जिन देशों ने महामारी के तुरंत बाद जनगणना की उन्हें जनगणना के आंकड़ों की कवरेज पर समस्याओं का सामना करना पड़ा।

केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रवक्ता ने कहा कि जनगणना प्रक्रिया अब तुरंत शुरू होगी और 1 मार्च, 2027 को संदर्भ तिथि के रूप में समाप्त होगी। पोस्ट में कहा गया है, " जनगणना के संचालन के लिए बजट कभी भी बाधा नहीं रहा है क्योंकि सरकार द्वारा हमेशा धन का आवंटन सुनिश्चित किया जाता है। गृह मंत्रालय बताया कि, 'जातियों की गणना के साथ-साथ दो चरणों में जनसंख्या जनगणना-2027 आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए, संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के पहले दिन 00।00 बजे होगी। उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनसंख्या जनगणना आयोजित करने के इरादे की अधिसूचना जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार 16।06।2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।'

भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74।04 फीसदी था। ज्ञात हो कि देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए। जातीय जनगणना का एक दूसरा पहलू भी है जिसे नज़र अंदाज नहीं किया जा सकता । जाति जनगणना का मतलब ही है कि भविष्य में आरक्षण का दायरा बढ़ाया जाएगा। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराने की घोषणा होने के बाद ही डिमांड रख दी है कि जाति जनगणना का मतलब तभी पूरा होगा जब आरक्षण के 50 प्रतिशत वाले कैप को भी सरकार खत्म करे। ताकि पिछड़ों को आरक्षण 60, 70, 80 से 90 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सके। मंडलवादी पार्टियों की इन्हीं नीतियों के चलते ही देश 1990 से 2000 तक ऐसा अस्थिर हुआ कि एक मजबूत सरकार देश को नसीब नहीं हुई। उस एक दशक में भारत अपने बराबर के देशों जैसे चीन आदि से दशकों पीछे हो गया था। राजनीतिक अस्थिरता ऐसी रही कि देश भ्रष्टाचार और आतंकवाद के काले साए में समाया रहा।

दुनिया को सख्त संदेश

शुक्रवार को भारत की मुराद उस समय पूरी हो गई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब ब्रिज समेत कई परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। करीब 46 हजार करोड़ रुपए की इन परियोजनाओं में दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब ब्रिज, भारत का पहला केबल-स्टे रेल ब्रिज अंजी ब्रिज और उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। पीएम ने जम्मू-श्रीनगर रेलवे लाइन का उद्घाटन भी किया, जो देश के लिए सबसे ऐतिहासिक क्षण बन गया। इसके साथ ही वे माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक दो वंदे भारत ट्रेन में भी बैठे। चिनाब पर जिस तरह से पीएम मोदी ने तिरंगा लहराकर चहलकदमी की, उससे पड़ोसी मुल्क चीन और पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया को यह संदेश दिया गया कि भारत नए युग में प्रवेश कर चुका है। हाल ही में पाकिस्तानी आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर कायराना करतूत की थी, जिसके बाद से देश में गम और गुस्सा था। तभी पीएम मोदी ने कसम खाई थी कि ऐसा बदला लेंगे कि आतंकियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। पूरी दुनिया भारत और भारतीय सेना के पराक्रम को देख दंग रह गई। अब चिनाब पुल के उद्घाटन के बाद भारत का कद दुनिया में और बढ़ गया है। चिनाब नदी का पुल एफिल टॉवर और दिल्ली के कुतुब मीनार से भी काफी ऊंचा है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच करीब 1,400 करोड़ रुपये की लागत से बना चिनाब ब्रिज नदी तल से 359 मीटर ऊपर है। जो पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और कुतुब मीनार से करीब पांच गुना ऊंचा है। पीएम ने यह सौगात देकर कश्मीर घाटी को भारत से जोड़ दिया। चिनाब पुल के उद्घाटन के बाद भारत ने सही मायनों में जम्मू-कश्मीर को पूरे भारत से जोड़ दिया। 5 अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद से अब जाकर सही मायनों में मोदी का कश्मीर को एकीकृत करने का मकसद पूरा हुआ है। कश्मीर घाटी तक वंदे भारत ट्रेन दिल्ली से पहुंचेगी। यही न्यू नॉर्मल की असली शुरुआत है। चिनाब पुल भारत की तकनीकी क्षमता को दिखाता है। इसे बनाने में आईआईटी और डीआरडीओ जैसे बड़े संस्थानों ने मदद की है। इसमें नई और असरदार निर्माण विधियों का इस्तेमाल किया गया है। यह पुल जम्मू और कश्मीर में रेल कनेक्टिविटी को बेहतर करेगा। इससे आर्थिक विकास, पर्यटन और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस पुल में 467 मीटर का मुख्य स्टील आर्च है। यह अपनी तरह का सबसे लंबा आर्च है। पुल में उच्च शक्ति वाले स्टील और नई केबल-क्रेन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। पुल को 120 साल तक चलने के लिए बनाया गया है। इस रेल लिंक के बनने से हर मौसम में सेनाएं और साजोसामान सीमा तक पहुंच सकेंगे। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सीमा पर तैयारी में बड़ी मदद मिलेगी। इस पुल का सपना पहली बार 1970 के दशक में देखा गया था। इस पुल के बारे में एक और बात कही जाती है कि यह भारत की इंजीनियरिंग का चमत्कार है। इस पुल के उद्घाटन से आतंकियों को भी ये संदेश देने की कोशिश की गई है कि अब इस पुल का वो बाल भी बांका नहीं कर पाएंगे। जहां ये पुल बने हैं, वो पूरा इलाका भूकंप के खतरनाक जोन 5 में आता है। यानी चिनाब और अंजी पुल को ऐसा बनाया गया है कि अगर 8 मैग्नीट्यूड की तीव्रता का भी भूकंप आए तो भी इस पर कोई असर नहीं पडेगा।

अब यह तस्वीर बदलनी चाहिए

संजीव ठाकुर

यह भी बड़ी विडंबना है कि लोगों को अपने अधिकारों के बारे में पूरी तरह से ज्ञान और जानकारी है वे अधिकारों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं कौन सी सरकारी योजना से कितना लाभ है यह पढ़े लिखे से अनपढ़ व्यक्ति तक को मालूम रहता है पर इसके ठीक उलट यदि आप उत्तरदायित्व या जिम्मेदारी की बात करेंगे तो स्पष्ट तौर पर लोग कहते पाए जातें हैं कि इसकी तो हमें जानकारी ही नहीं है। हमारी जिम्मेदारियों को बताने के लिए शासन, प्रशासन को करोडों,अरबो रुपए विज्ञापन में खर्च करने पड़ जाते हैं इसके बाद भी लोग अपनी जिम्मेदारियां से पीछे हटते नजर आते हैं। और खाद्य सुरक्षा कैसे संवेदनशील मामले में जनता अपनी ज्ञान शून्यता के बारे में जोर शोर से डंका बजाती है। खैर 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2018 के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा ने औपचारिक रूप से मनाने की घोषणा की है। औपचारिक तौर पर प्रथम स्मरणउत्सव के रूप में 7 जून 2019 में जोर शोर से आयोजित किया गया था। इस दिवस का मनाने का उद्देश्य भी बड़ा व्यापक रहा है दूषित भोजन से जुड़े खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना खाद्य पदार्थ से उत्पन्न बैक्टीरिया तथा उससे बचाव की जानकारी देने हेतु आयोजित किया गया था।

औपचारिक तौर पर खाद्य सुरक्षा दिवस 7 जून 2025 की थीम खाद्य सुरक्षा विज्ञान की क्रियाशीलता विषय पर रखी गई है और यह थीम इस बात पर जोर डालती है की विज्ञान और टेक्नोलॉजी और फूड प्रोसेसिंग की इकाइयों द्वारा किस तरह खाद्य से उत्पन्न संक्रमण तथा रोगों से बचाव किया जा सकता है और यह इस बात में भी प्रकाश डालते हैं कि नवाचार और शोध में जोखिम की पहचान कर हमारे समाज में व्याप्त भोजन पदार्थ की तमाम स्वास्थ्य विरोधी कुसंगतियों से कैसे बचा जाए इस पर वैज्ञानिक आविष्कारों का किस तरह उपयोग किया जाए।यह अत्यंत महत्वपूर्ण तथा सारगर्भितत विषय है। यह तो सर्व विदित कि भोजन एक शारीरिक दैनिक आवश्यकता है इसे विलासिता से कतई ना जोड़ा जाए, भोजन आदिकाल से मनुष्य के उद्भव के साथ-साथ एक शारीरिक आवश्यकता तथा नितांत जरूरी प्रक्रिया है। खाद्य सुरक्षा दिवस एक अनुस्मारक की तरह कार्य करता है और यह भी याद दिलाता है की आर्थिक उन्नति और अच्छा स्वास्थ्य सभी अच्छे स्वास्थ्यवर्धक भोजन पर अवलंबित होते हैं सुरक्षित स्वस्थ भोजन से व्यक्ति समाज और राष्ट्र को लाभ प्राप्त होता है व्यक्ति यदि बलवान होता स्वस्थ होगा तो समाज तथा देश शक्तिशाली होकर अच्छी विचारधारा को लेकर अग्रेषित होगा और देश का विकास ही वैश्विक स्तर पर पूरे विश्व का विस्तार है। खाद्य पदार्थों के प्रदूषण से कैसे बचा जाए उसे कैसे नियंत्रित किया जाए एवं यदि संक्रमण हो तो क्या-क्या संभव उपाय किए जाएं इस बात पर विश्व खाद्य दिवस चिंता करने हेतु आयोजन करता हैं। उल्लेखनीय है कि हर साल लाखों लोग दूषित भोजन के कारण संक्रमित होते हैं बीमार पड़ते हैं और खाद्य सुरक्षा की अवहेलना के कारण सार्वजनिक रूप से स्वास्थ्यगत खतरे बहुत बढ़ जाते हैं, इससे बड़ी-बड़ी संक्रामक बीमारियां हो जाती हैं और महामारी का खतरा भी बढ़ जाता है। वैसे यह सदैव सलाह दी जाती रही की सुरक्षित शुद्ध और पवित्र भोजन करने से जीवन में अनेक बीमारियों व्याधियों से बचा जा सकता है एवं स्वस्थ रहकर स्वस्थ भविष्य की परिकल्पना की जा सकती है । खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निर्मित निजी क्षेत्र नागरिक समाज संयुक्त राष्ट्र संगठन का यह दायित्व बन जाता है कि वह आम नागरिकों की सुरक्षा का पूरा-पूरा ख्याल रखें एवं स्त्री,पुरुष तथा बच्चों को संक्रमित खाद्य पदार्थ खाने से रोकने का प्रयास करें ।

सिंदूर पौधारोपण के निहितार्थ

डॉ.वेदप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संकल्प से सिद्धि के नायक के रूप में जाने जाते हैं। वे एक ऐसे राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्व हैं जो जब किसी कार्य का संकल्प लेते हैं तो उसे समुचित योजना बनाकर सिद्धि तक भी पहुंचाते हैं। वे आरंभ से ही विभिन्न चुनौतियों को दूर करते हुए भारतवर्ष की शक्ति व शौर्य के जागरण और विकसित भारत के संकल्प को लेकर चल रहे हैं। विगत दिनों पहलगाम में हुए आतंकी हमले में सुनियोजित ढंग से पुरुषों को निशाना बनाया गया। निहत्थे पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें मौत के घाट उतारा गया। अनेक महिलाओं की मांग से सिंदूर मिटाया गया। आतंकियों के इस दुष्कृत्य ने समूचे देश और विश्व को झकझोर दिया। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संकल्प लिया कि जिन लोगों ने भारत की माताओं- बहनों की मांग से सिंदूर मिटाया है, हम उन्हें ही मिटा देंगे। परिणामस्वरूप ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया और कुछ ही समय में सैकड़ों आतंकवादियों को मौत के घाट उतारते हुए उनके ढांचे और अड्डों को भी मिट्टी में मिलाया गया।

प्रधानमंत्री अपने विभिन्न उद्बोधनों में बार-बार कह चुके हैं कि आतंकवाद किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अब यदि सीमा पार से गोली चली तो भारत उसका जवाब गोले से देगा। ऑपरेशन सिंदूर ने उनके इस संकल्प को स्पष्ट कर दिया। ध्यातव्य है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना का पराक्रम और उसका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। देशभर में सामान्य जनता ने विभिन्न कार्यक्रमों से सेना के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की न केवल प्रशंसा की अपितु हर परिस्थिति में देश सेना के साथ है, यह भरोसा भी दिया।

हाल ही में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर सिंदूर का पौधा रोपा है। यह पौधा विगत दिनों उन्हें गुजरात की उन वीरांगना महिलाओं ने भेंट किया था, जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान नष्ट हुई एयरस्ट्रिप को रातों-रात तैयार करने में असाधारण साहस और देशभक्ति का परिचय दिया था। पौधारोपण के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह पौधा देश की नारी शक्ति के शौर्य और प्रेरणा का प्रतीक बनेगा। वे पहले भी विभिन्न अवसरों पर देश की नारी शक्ति के शौर्य,प्रेरणा एवं उनके सम्मान की रक्षा हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त कर चुके हैं। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस के संदर्भ से भी समझने की आवश्यकता है। वहां वर्णन है कि वनवास के लिए निकले श्रीराम ने अगस्त्य मुनि के आश्रम में पहुंचकर उनसे अपने वनवास की अवधि के लिए शांत और एकांत स्थान पूछा। मुनि ने उन्हें निवास हेतु गोदावरी नदी के निकट दंडक वन में पंचवटी नामक स्थान बताया। पंचवटी ऐसा स्थान है जहां अनेक प्रकार के फल-फूल वाले पेड़ और वनस्पतियां हैं। इस रमणीय स्थान पर निवास करते हुए जब श्रीराम का वनवास बीत रहा था, तभी वहां खर दूषन आदि राक्षस उत्पात मचाते हैं, जिनमें से कई श्रीराम के हाथों मारे जाते हैं और फिर लंकापति राक्षस राज रावण छल से माता सीता का हरण कर लेता है। फिर कुछ समय बाद नारी शक्ति के सम्मान की रक्षा और आसुरी प्रवृत्ति की समाप्ति हेतु समूची लंका का विध्वंस सर्वविदित है। कुछ इसी प्रकार का कृत्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के पहलगाम हमले में भी सामने आया,जिसके विध्वंस हेतु ऑपरेशन सिंदूर चला और अभी भी जारी है।

विगत वर्ष भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम इस अभियान को शुरू किया था,जिसके अंतर्गत देशभर में जगह-जगह वृक्षारोपण हुआ और अब तक लगभग 109 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं। इस बार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून को विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण और उसे हरित बनाने के लिए 700 किलोमीटर लंबे अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया है। सर्वाधिक है कि अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन, सूखा, अतिक्रमण, जलवायु परिवर्तन और विकास कार्यों के चलते पर्वत क्षेत्र और हरियाली लुप्त होती जा रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सभी पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। यह एक बहुत बड़ी योजना और संकल्प है जिसे दिल्ली, हरियाणा,राजस्थान और गुजरात को अपने अपने क्षेत्र में बड़े प्रयास करते हुए सिद्धि तक पहुंचाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने आवास पर रोपा सिंदूर का पौधा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नारी शक्ति, सांस्कृतिक परंपरा और उनके सम्मान की रक्षा का संकल्प एवं प्रतीक भी है। आज हमें यह भी समझने की आवश्यकता है कि भारत की लड़ाई जितनी प्रदूषण के विरुद्ध और प्रकृति पर्यावरण की रक्षा के लिए है। उतनी ही भारत विरोधी ताकतों और आतंकवाद जैसी मानसिकता के विरुद्ध भी है। प्रधानमंत्री द्वारा सिंदूर के पौधे का रोपण यह संदेश देता है कि जब तक आतंकवाद एवं भारत विरोधी ताकतें भारत को कमजोर करने का प्रयास करेंगे, नारी शक्ति के सिंदूर को मिटाने का प्रयास करेंगे। तब तब भारत पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रोपा गया सिंदूर का पौधा जन सामान्य के लिए भी प्रेरणा का सूचक है। इस पौधे से प्रेरणा लेकर जन-जन भी नारी शक्ति के सम्मान एवं उसकी रक्षा के लिए एक एक पौधे का रोपण अवश्य करें।

ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के नेतृत्व में विभिन्न अवसरों पर प्रेरक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पूज्य स्वामी जी ने पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में यह घोषणा की कि देशभर में पांच 'सिटी- पंचवटी' सिंदूर वाटिकाएं तैयार की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए ऋषिकेश, गंगोत्री-यमुनोत्री, प्रयागराज, अयोध्या आदि शहरों में जन भागीदारी से पंचवटी सिंदूर वाटिका तैयार करने का उद्देश्य जन मन में ऑपरेशन सिंदूर की स्मृति, सेना के शौर्य एवं नारी शक्ति के सम्मान का भाव निहित रहेगा। ध्यान रहे जलवायु परिवर्तन आज एक राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौती बनती जा रही है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई और बढ़ता प्रदूषण मानवता के लिए संकट बनता जा रहा है। अनेक नदियां मर चुकी है अथवा करने के कगार पर हैं। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। जल स्रोत भयंकर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। वायु प्रदूषण भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में वृक्षारोपण एक बड़ा समाधान सिद्ध हो सकता है।

इतिहास की परतों में छुपी स्त्री संस्कृति और सभ्यता का पुनर्पाठ

प्रियंका सौरभ

हरियाणा के हिसार जिले का एक सामान्य-सा गांव राखीगढ़ी, अब वैश्विक पुरातात्विक विमर्शों का केंद्र बन चुका है। 1997-99 के दौरान हुए उत्खननों ने इसे हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में गिना जाना शुरू किया, और 2012 में विश्व विरासत कोष की 'खतरे में पड़ी धरोहरों' की सूची में इसकी उपस्थिति ने वैश्विक ध्यान खींचा। परन्तु इसके बाद जो मिला – एक महिला का 4600 वर्ष पुराना कंकाल, उसके बाएं हाथ की शंख की चूड़ियाँ, और ताम्र की बनी एक नृत्यांगना प्रतिमा – उन सभी ने इतिहास और पुरातत्व के स्थापित आख्यानों को चुनौती देना शुरू कर दिया। राखीगढ़ी से मिला स्त्री कंकाल सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है, यह उन असंख्य 'मौन स्त्रियों' की प्रतीकात्मक उपस्थिति है जिन्हें सभ्यता की कहानी से सदा बाहर रखा गया। यह कंकाल लगभग 4600 वर्ष पुराना है, और अद्भुत रूप से संरक्षित अवस्था में मिला। उसकी बाईं कलाई पर शंख की चूड़ियाँ मिलीं – यह उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतीकों की ओर संकेत करती हैं। डीएनए विश्लेषण से यह पता चला कि इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई शिकारी-संग्राहकों से तो हैं, लेकिन स्टेपी चरवाहों से कोई संबंध नहीं मिला – जिनसे अक्सर भारत में आर्यों के आगमन को जोड़ा जाता है। यह निष्कर्ष 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' को एक बड़ा झटका देता है और यह संकेत देता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक विकास अपनी निरंतरता में हुआ। मोहेंजोदाड़ो की विश्वप्रसिद्ध कांस्य नर्तकी की तरह, राखीगढ़ी से भी एक ताम्र प्रतिमा मिली है जिसे डांसिंग गर्ल कहा जा रहा है। यह मूर्ति न केवल सौंदर्यबोध और कलात्मकता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि उस काल में नारी की उपस्थिति सांस्कृतिक और सार्वजनिक जीवन में कितनी सशक्त रही होगी। यह मान्यता को चुनौती देती है कि प्राचीन सभ्यताओं में स्त्रियां केवल घरेलू क्षेत्र में सीमित थीं। कंकाल मिलने के स्थल पर अग्निवेदिकाओं के अवशेष भी मिले हैं, जो यह संकेत करते हैं कि शवदाह की परंपरा उस समय भी प्रचलित थी। अग्नि, जिसे वैदिक परंपरा में शुद्धिकरण और संस्कार का प्रतीक माना गया है, उसका हड़प्पा काल में इतना महत्वपूर्ण स्थान होना यह दर्शाता है कि वैदिक और हड़प्पा परंपराएं एक-दूसरे से पूर्णतः असंबंधित नहीं थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि महाभारत युद्ध लगभग 5000-5500 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि यह मान लिया जाए, तो राखीगढ़ी की स्थापना इस युद्ध से पहले की मानी जा सकती है। एक किंवदंती यह भी है कि महाभारत युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों की विधवाएं यहीं शरण लेने आई थीं, और यही से इस स्थान का नाम 'राखीगढ़ी' पड़ा – 'राख' यानी मृत्यु की राख, और 'गढ़ी' यानी शरण। ऐसी मिथकीय व्याख्याएं ऐतिहासिक सत्य नहीं हैं, परंतु वे यह दर्शाती हैं कि स्थानीय जनमानस में राखीगढ़ी की सांस्कृतिक स्मृति कितनी गहरी है। राखीगढ़ी से मिले महिला कंकाल का जीनोमिक विश्लेषण केवल पुरातत्व नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास-लेखन में एक बड़ा मोड़ है। स्टेपी डीएनए की अनुपस्थिति सीधे उस विचारधारा को चुनौती देती है जिसने लंबे समय तक 'आर्य आक्रमण' को भारत में सभ्यता के आगमन का कारण बताया। इस अध्ययन ने इतिहास, नृविज्ञान और भाषाविज्ञान के विशेषज्ञों को एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि क्या आर्य बाहर से आए थे या यहीं के थे? क्या वैदिक संस्कृति और हड़प्पा संस्कृति में कोई 'टकराव' नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह था? राखीगढ़ी की खोजों के परिणाम अब एनसीईआरटी जैसे शैक्षिक निकायों के पाठ्यक्रम में भी दिखाई दे रहे हैं। हड़प्पा सभ्यता को अब केवल एक 'अतीत' नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की निरंतरता के रूप में पढ़ाया जा रहा है। संस्कृत भाषा की उत्पत्ति, द्रविड़ भाषाओं के विकास और हड़प्पावासियों की भाषा पर भी अब नए सिरे से अध्ययन हो रहे हैं। यह केवल पुरातत्व नहीं, राष्ट्र की आत्मा की खोज है। 2012 में वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 धरोहर स्थलों में शामिल किया जो विनाश के कगार पर हैं। अफगानिस्तान का मेस आयनाक, चीन का काशगर और थाईलैंड का अयुथ्या भी इस सूची में शामिल हैं। भारत में अक्सर पुरातत्व स्थलों को विकास के नाम पर या अनदेखी की वजह से नुकसान पहुंचता है। राखीगढ़ी का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे पर्यटन केंद्र मात्र बनाना चाहते हैं या जीवित शोध प्रयोगशाला। राखीगढ़ी की महिला चुप है, पर उसकी चूड़ियाँ बोलती हैं।

जीवन दर्शन है परिवर्तन

डॉ टी महादेव राव

" स्वामी जी ! एक ज़माना था जब एक आ इ डि या ज़िंदगी को बदल देती थी। क्या अजूबा है कि अब एक वाइरस ने मेरे जीवन को उल्टा लटका डाला है? अब सारे भाव-बंधनों को त्याग कर आश्रम जीवन में आने को विवश किया है। लेकिन मेरी एक शंका है। कोरोना आने पर लॉक डाउन और क्वारंटाइन होता है, तपस्या करने पर क्या मिलता है स्वामी जी।" " कुछ विशेष कहाँ वत्स! बिना लक्ष्य और बेतरतीब तपस्या करोगे तो गहरी नींद आएगी। एकाग्रचित्त होकर करोगे तो ज्ञान मिलेगा। निद्रा की स्थिति तुच्छ है। ज्ञान की स्थिति उत्कृष्ट है, उच्च है। स्थूल रूप से देखें तो तपस्या के फल ये दोनों ही हैं शिष्य।" " लॉक डाउन में नींद के नशे का अनुभव है मुझे। आधा जीवन नींद को अर्पित रहा। इस क्वारंटाइनी आलस्य से भरे जीवन से मुक्ति के लिए ही तो आपके आश्रम में आश्रय लेने आया हूँ स्वामी जी! लेकिन ध्यान में ज्ञान प्राप्ति का पता कैसे चलेगा? कोई सेव सिर पर पड़ेगा तभी क्या ज्ञान का बल्ब जलेगा? या फिर चेहरे पर तेज़ और सिर के पीछे चमकता प्रकाश-पुंज दिखाई पड़ेगा?" " सिर पर सेव या स्नान के समय टब से पानी बाहर आने पर जो मस्तिष्क के बल्ब जलती है, वे आइडिया हैं या उपाय। ज्ञान-ज्योति की कथा अलग है। जब इस सारे विश्व का समग्र दर्शन हमारे समझ में आता है उसे ही ज्ञानोदय कहते हैं। इस दर्शन का पता न लगने तक जीवन अंधकार में बंधा होता है।" " अज्ञान से तो मेरा कई वर्षों से नाता है स्वामी जी! अब कोरोना के आने से जीवन निर्वेद या उदासी से भर गई है इसलिए बुद्धि पर छाए तमस को हटाकर जीवन दर्शन को समझ सकूं, ऐसा कोई मार्ग बताकर मुझे कृतार्थ करें।" "असतोमा सद्गमय अर्थात सत्यामार्ग को दिखाने वाले दर्शनशास्त्र का अध्ययन करना होगा। अंधकार में चलते मनुष्य को दर्शनशास्त्र टॉर्च लाइट की तरह रास्ता दिखाता है। " "लेकिन स्वामी जी कहा तो यह जाता है कि दर्शनशास्त्र पुराना और खंडहरी काल-ज्ञान है और दार्शनिक या फ़िलॉसफ़र एक व्यंग्य भरी गाली है। दर्शनशास्त्र के वास्तविक व्याख्या क्या है स्वामी जी।" " सही शंका प्रस्तुत की वत्स तुम ने! प्रकृति अनंत है, विशिष्ट भी। पूरी प्रकृति पदार्थमय है। इस पादार्थिक भौतिक गुणों का शोध करने वाला विषय है भौतिकशास्त्र या फ़िज़िक्स। इसके रासायनिक नियमों के रहस्य को उजागर करने वाला रसायन शास्त्र या केमेस्ट्री है। इस प्रकृति के जीव रहस्यों का उदघाटन करता है जीव विज्ञान या बयोलॉजी। इस तरह पदार्थों के अनेक गूढ रहस्यों का शोध करने वाले कई शास्त्र हैं। इन शास्त्रों द्वारा प्रगट किए गए सत्य अनेक हैं। ये सारी प्रकृति के निर्दिष्ट सत्य हैं।

छत्तीसगढ़ में कोविड के 9 नए केस

कुल एक्टिव मरीज अब 28, सबसे ज्यादा 18 रायपुर में; नया वैरिएंट स्मोकर्स-डायबिटीज पेशेंट के लिए खतरनाक

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में कोविड के 9 नए मरीज मिले है। गुरुवार को रायपुर में 5 और बिलासपुर में 4 पेशेंट में कोविड की पुष्टि हुई हैं। नया वैरिएंट आने के बाद से ये एक दिन में सबसे ज्यादा आंकड़ा है। अब तक प्रदेश में 30 मरीज सामने आए हैं। जिनमें 2 रिकवर हो गए वहीं 28 केस एक्टिव हैं।

इनमें से 27 होम आइसोलेशन में हैं, और 1 मरीज का इलाज निजी हॉस्पिटल में चल रहा है। सबसे ज्यादा 18 एक्टिव केस रायपुर, इसके बाद बिलासपुर में 6, दुर्ग में 3 और बस्तर में 1 है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग कोविड JN.1 को लेकर लाइट अलर्ट पर है।

मेकाहारा के डॉ. आर के पांडा के मुताबिक, ज्यादातर मरीज होम क्वारंटाइन में ही ठीक हो जा रहे हैं, लेकिन उन मरीजों को ज्यादा खतरा है, जिन्हें पहले से दूसरी या एक से ज्यादा बीमारियां हैं। खासकर डायबिटीज पेशेंट और चेन स्मोकर्स नए वैरिएंट के चपेट में जल्दी आ सकते हैं। मेकाहारा में पल्मोनरी मेडिसिन डिपार्टमेंट के हेड आर के पांडा ने बताया कि कोविड के सीरियस केस अब तक नहीं आए हैं। मेकाहारा में 28 मई से कोविड ओपीडी शुरू कर दी गई है। कोविड का लक्षण दिखने पर तत्काल मरीजों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

मेकाहारा में अब तक 31 लोगों का RTPCR टेस्ट किया गया है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में आंकड़े बढ़े हैं। स्वास्थ्यकर्मियों को कोविड पेशेंट के इलाज के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके अलावा 15 बेड वाला कोरोना ICU रेडी रखा है। रायपुर में कोविड के बढ़ते केस के बीच सबसे बड़ी समस्या ऑक्सीजन प्लांट को लेकर दिखती है। लास्ट कोविड वेव के दौरान पीएम केयर फंड से सरकारी अस्पताल DKS, आयुर्वेदिक कॉलेज और अंबेडकर अस्पताल में अपना ऑक्सीजन प्लांट खड़ा किया गया था, जिससे मरीजों को वक्त पर सप्लाई मिल सके।

अस्पताल परिसर में लगे ये ऑक्सीजन प्लांट बंद पड़े हैं। DKS में बीते 2 सालों में अस्पताल ने ऑक्सीजन सिलेंडर पर करीब 3.84 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। हर महीने करीब 16 लाख रुपए का बिल सिर्फ सिलेंडर खरीदने में जा रहा है।

वहीं DKS के डिप्टी सुपरिटेंडेंट हेमंत शर्मा ने बताया कि उन्हें कोविड को लेकर कोई स्पेशल एडवाइजरी नहीं मिली है। इसकी वजह से ये व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई है। यहां कोविड टेस्ट नहीं हो रहा है। रायपुर में कोविड के बढ़ते केस के बीच सबसे बड़ी समस्या ऑक्सीजन प्लांट को लेकर दिखती है। लास्ट कोविड वेव के दौरान पीएम केयर फंड से सरकारी अस्पताल DKS, आयुर्वेदिक कॉलेज और अंबेडकर अस्पताल में अपना ऑक्सीजन प्लांट खड़ा किया गया था, जिससे मरीजों को वक्त पर सप्लाई मिल सके।

अस्पताल परिसर में लगे ये ऑक्सीजन प्लांट बंद पड़े हैं। DKS में बीते 2 सालों में अस्पताल ने ऑक्सीजन सिलेंडर पर करीब 3.84 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। हर महीने करीब 16 लाख रुपए का बिल सिर्फ सिलेंडर खरीदने में जा रहा है।

तोमर-ब्रदर्स के सूदखोरी के धंधे में परिवार की महिलाएं भी

पीड़ित बोले- धमकाकर रजिस्ट्री करवाई, कोरे स्टांप पर साइन करवाया

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। रायपुर के तोमर ब्रदर्स के घर से करोड़ों का माल जब्त किया गया है। करीब 37 लाख कैश सोने-चांदी के जेवरात के अलावा हथियार भी मिले हैं। रोहित तोमर, वीरेंद्र तोमर और उनके परिवार पर सूदखोरी का आरोप है। फिलहाल दोनों भाइयों की तलाश पुलिस कर रही है।

एक पीड़ित के थाने में दिए बयान के मुताबिक, इन लोगों ने उधार के एवज में भरा चेक, कोरा चेक, कोरे स्टाम्प पर साइन करवाया। पैसे की वसूली के लिए लगातार मारने की धमकी और जेल भेजने की धमकी दी। इसके साथ ही डरा धमकाकर औने पौने दाम पर जमीन की रजिस्ट्री कराई गई।

रोहित ने एक प्रॉपर्टी डीलर के साथ मारपीट भी की थी। इसके बाद से वह फरार है। पुलिस उसकी खोजबीन करते हुए भाठागांव स्थित सांई विला मकान पहुंची।

सर्च वारंट के साथ पहुंची थी पुलिस की टीम

दरअसल, रोहित तोमर पर आरोप है कि उसने पुराने रंजिश के चलते अपने बाउंसर के साथ मिलकर प्रॉपर्टी डीलर दशमीत चावला के साथ मारपीट की। दशमीत ने अपनी शिकायत में बताया कि 31 मई की रात में अपने दोस्त के साथ खाना खाने VIP रोड के क्लब गया था। वहां पर रोहित तोमर उसे गेट के पास पुरानी रंजिश की वजह से गालियां देने लगा। फिर मारपीट करने के बाद जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

पुलिस ने बताया कि थाना तेलीबांधा रायपुर में दर्ज मामले में रोहित सिंह तोमर की खोजबीन की जा रही है, लेकिन आरोपी का अब तक कुछ पता नहीं चला है। इसके बाद पुलिस ने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी से सिर्फ आरोपी के भाटागांव स्थित मकान का सर्च वारंट प्राप्त किया।

फिर तेलीबांधा पुरानी बस्ती थाना, क्राइम ब्रांच और रक्षा टीम के साथ 4 जून को मकान की तलाशी ली गई। मकान में 35 लाख कैश, 734 ग्राम सोने के जेवर, 125 ग्राम चांदी, बीएमडब्ल्यू, थार और ब्रेजा जैसी महंगी गाड़ियां मिली है। जिसे पुलिस ने जब्त किया है।

10 प्रतिशत ब्याज वसूलता था तोमर

पुलिस के पास रोहित तोमर के खिलाफ कारोबारी को जान से मारने की धमकी देने की पहले भी शिकायत आ चुकी है। एक छोटे कारोबारी ने 5 लाख रुपए लिया था। 5 लाख रुपए देने के बाद हर महीने 10 प्रतिशत ब्याज लिया। आरोपी पैसे देने को लेकर लगातार दबाव बनाता था। शिकायत करने पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देता था। परिवार की महिलाओं के भी नाम सामने आए जांच और पीड़ितों के बयान के मुताबिक, कई साल से ब्याज की राशि वे लोग कच्चे में लेते है। कुछ राशि अपने कर्मचारी योगेश और परिवार की महिलाएं शुभ्रा तोमर, नेहा तोमर के अकाउंट पर लेते हैं। फिलहाल एक आरोपी दिव्यांश तोमर (उम्र 25 साल) को गिरफ्तार किया गया है।

पत्नी को कुल्हाड़ी से काटा फिर फांसी पर झूला पति

बिलासपुर की वारदात, कारोबारी ने गर्दन-शरीर पर किए वार, बिस्तर पर फैला खून ही खून

बिलासपुर, 6 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में विवाद के बाद पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला, फिर पति ने खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी की लाश बिस्तर पर खून से लथपथ मिली। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र के केशला गांव की है।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान घनश्याम साहू (75) और पत्नी इंदिरा साहू (63) के रूप में हुई है। दोनों के 3 बेटे हैं। लेकिन एक बेटे की कोरोना के दौरान संक्रमण से मौत हो गई थी। बुजुर्ग दंपती अपने परिवार के साथ रहते थे।

क्या है पूरा मामला ?

बताया जा रहा है कि, गुरुवार-शुक्रवार की रात बुजुर्ग दंपती के बीच किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि, पति ने पत्नी के गर्दन और शरीर पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शरीर से ज्यादा खून निकलने की वजह से उसने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। पत्नी के शरीर पर कई जगह हमले के निशान मिले हैं। इसके बाद पति ने घर के बगल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रात में परिवार के सभी लोग सो रहे थे। इसलिए वारदात की जानकारी नहीं हुई। जब सुबह उठे, तो कमरे में घनश्याम साहू फंदे पर लटकते मिला।

उनके कमरे में जाकर देखा, तो मां इंदिरा का शव खून से लथपथ बिस्तर पर पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही बिल्हा पुलिस समेत डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल की जांच की गई।

पुलिस के अनुसार, घटना के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने परिजनों और पड़ोसियों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि, यह घरेलू विवाद का परिणाम है या फिर इसके पीछे कोई और वजह है। बिल्हा टीआई उमेश साहू ने बताया कि, आशंका है कि घनश्याम साहू ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर आत्महत्या कर ली है।

जमशेदपुर से चाकुलिया और चाईबासा के लिए मेमू ट्रेन शुरू

सांसद विद्युत वरण महतो ने दिखाई हरी झंडी यात्रियों को मिलेगी नियमित सेवा

जमशेदपुर,6 जून (एजेंसियां)। टाटानगर रेलवे स्टेशन से चाकुलिया और चाईबासा के लिए मेमू ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। सांसद विद्युत वरण महतो और विधायक पूर्णिमा दास ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया।

कोविड-19 महामारी के दौरान बंद की गई यह रेल सेवा अब दोबारा शुरू हो गई है। इस मौके पर चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम समेत कई रेल अधिकारी मौजूद थे। स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

टाटा-चाकुलिया मेमू ट्रेन पहले नियमित रूप से चलती थी। यह श्रमिकों और दैनिक यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण साधन थी। ट्रेन बंद होने से चाकुलिया, बहरागोड़ा, गुड़ाबांधा और धालभूमगढ़ के हजारों लोगों को परेशानी हुई। सांसद विद्युत वरण महतो ने दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक से मुलाकात कर सेवा बहाली की मांग रखी थी। रेलवे मंत्रालय और चक्रधरपुर मंडल के सहयोग से दोनों रूट पर ट्रेन सेवा शुरू की गई है। टाटा-चाकुलिया मेमू ट्रेन सुबह 11 बजे टाटानगर से चलेगी। यह बहरागोड़ा होते हुए चाकुलिया तक जाएगी। टाटा-चाईबासा मेमू ट्रेन रात 8:55 बजे टाटानगर से रवाना होगी।

झारखंड में पहली बार ड्रोन से पौधरोपण

दलमा में बांस-फलदार पौधे के सीड बॉल्स गिराए गए 5 लाख से अधिक प्लांटेशन का लक्ष्य

जमशेदपुर,6 जून (एजेंसियां)। झारखंड में पहली बार ड्रोन से पौधरोपण किया गया। इसकी शुरुआत चांडिल वन क्षेत्र के कुशपुतुल में हुई। डीएफओ सबा आलम अंसारी की निगरानी में यह कार्य पूरा हुआ। ड्रोन से उन दुर्गम पहाड़ी इलाकों में बीज गिराए गए, जहां पैदल या वाहन से पहुंचना मुश्किल होता है। बांस और फलदार पौधों के सीड बॉल्स ड्रोन से गिराए गए। सीड बॉल्स मिट्टी की गेंदें होती हैं, जिनमें बीज और खाद मिलाया जाता है। बारिश में मिट्टी में नमी आते ही बीज अंकुरित होकर पौधे बन जाते हैं। यह तकनीक प्राकृतिक रूप से पौधों की वृद्धि में मदद करती है।हाथियों को उपलब्ध हो सकेगा भोजन

वन विभाग ने ड्रोन से 5 लाख से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य तय किया है। इसका उद्देश्य हरित क्षेत्र बढ़ाना और जंगल में रहने वाले जानवरों, खासकर हाथियों को भोजन उपलब्ध कराना है।

डीएफओ सबा आलम अंसारी ने बताया कि चांडिल क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही अधिक होती है। उनके लिए भोजन की व्यवस्था के तहत पहाड़ी इलाकों में ड्रोन से पौधरोपण किया गया।

इधर, दलमा में वार्षिक पशुगणना जून के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। इसके लिए वन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। गणना दलमा को दो भागों में बांटकर की जाएगी। दलमा पूर्वी और दलमा पश्चिम में 100 से अधिक वनकर्मी तैनात रहेंगे। पशुगणना तीन तरीकों से होगी।

जलस्रोतों के पास, हाइड आउट यानी गुफानुमा स्थानों के पास और मचान के सहारे वनकर्मी पशुओं

की गिनती करेंगे। सभी स्थानों पर कैमरे और विशेष प्रकार के फार्म के साथ वनकर्मी मौजूद रहेंगे। दलमा में 80 से अधिक मचान बनाए जाएंगे। 20 हाइड आउट भी तैयार होंगे। इसके अलावा 6 वॉच टावर से भी पशुओं की गणना की जाएगी। दलमा में 70 से अधिक जलस्रोत हैं, जहां पशु-पक्षी पानी पीने आते हैं। ये जलस्रोत गणना में काफी मददगार साबित होते हैं।

छोटे जानवरों की बढ़ सकती है संख्या

वन विभाग का मानना है कि इस बार छोटे जानवरों की संख्या बढ़ सकती है। बार्किंग डियर, भालू, लाल गिलहरी, मोर, नेवला, खरगोश और बंदर जैसे जानवरों की संख्या में इजाफा हो सकता है। पिछले तीन साल से इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। 2024 की गणना में दलमा में 39 भालू पाए गए थे। इस बार इनकी संख्या 45 के पार जा सकती है। वहीं, हाथियों की संख्या में हर साल गिरावट आ रही है।

धनबाद पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल

आपात स्थिति से निपटने का किया अभ्यास, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी हुए शामिल

धनबाद, 6 जून (एजेंसियां)। धनबाद पुलिस ने बकरीद की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का आयोजन किया। एसएसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में हुई इस ड्रिल में सिटी एसपी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल हुए।

ड्रिल में त्योहार के दौरान उपद्रव जैसी स्थिति का अभ्यास किया गया। कुछ जवानों ने उपद्रवियों की भूमिका निभाई। पुलिस बल ने लाठीचार्ज कर उपद्रवियों को नियंत्रित करने का प्रदर्शन किया। घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजने की प्रक्रिया भी दिखाई गई।

एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से सख्ती से निपटा जाएगा। सभी थाना क्षेत्रों को अलर्ट कर दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। जवानों को हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, लाठी और अन्य सुरक्षा उपकरणों से लैस किया गया है।

धनबाद में 3 जून से लापता छात्र की मिली लाश

पेड़ से लटकता मिला शव; टेप से बंधे थे हाथ-पैर, गले पर मिले निशान

धनबाद, 6 जून (एजेंसियां)। धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के चंडूडीह गांव के 16 वर्षीय सनाउल अंसारी का शव देवली के बरगीडीह में एक पेड़ से लटकता मिला।

10वीं में पढ़ने वाला सनाउल 3 जून से लापता था। उसके हाथ-पैर एडेसिव टेप से बंधे थे। गले पर निशान था, जिससे लगता है कि गला दबा कर उसकी हत्या की गई है।

शव से आ रही थी दुर्गंध, कीड़े लग गए थे

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। दो दिनों की बारिश से शव सड़ने लगा था। उससे दुर्गंध आ रही थी और कीड़े लग गए थे। पिता कुद्दुस की शिकायत पर गोविंदपुर थाने में हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है।

की जा रही प्रेम प्रसंग के एंगल की भी जांच

पिता ने असगर अंसारी नामक शख्स पर परिवार को धमकी देने का आरोप लगाया है। बताया कि उनके परिजन गुरफान अंसारी व सलाउद्दीन अंसारी को भी जान से मारने की धमकी दी थी।

मामले में प्रेम प्रसंग के एंगल की भी जांच की जा रही है। हेडक्वार्टर डीएसपी वन शंकर कामती ने कहा कि पहली नजर में मामला हत्या कर लग रहा है। सच्चाई जल्द सामने आएगी।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

गोड्डा में मजदूर का घर और सामान जला, एक गाय की मौत 6 सदस्यीय परिवार बेघर

गोड्डा, 6 जून (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के ठाकुरगंगटी प्रखंड के तेतरिया माल गांव में बीती रात एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। यहां बिजली के शॉर्ट सर्किट से सिकंदर राय के घर में आग लग गई।आग में घर का सारा सामान जल गया। इसमें कपड़े, अनाज, बर्तन और नकदी शामिल है। बिजली करंट से एक गाय भी झुलस गई, जिसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने तुरंत बिजली कनेक्शन काटा और पास के तालाब से पानी लाकर आग पर काबू पाया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक एक लाख रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर सिकंदर राय एक गरीब मजदूर हैं, जो मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अब उनका 6 सदस्यीय परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। पीड़ित ने थाने में सूचना दर्ज कराई है। साथ ही अंचलाधिकारी को राहत मुआवजे के लिए आवेदन देने की बात कही है।

पीड़ित परिवार ने प्रशासनिक अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों से मुआवजे और आवास की मांग की है। वे चाहते हैं कि उन्हें जल्द सहायता मिले, ताकि वे फिर से अपना घर बना सकें।

छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात, विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर लगा है 'भिलाई का लोहा'

भिलाई , 6 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे पुल का उद्घाटन कर दिया है। लेकिन छत्तीसगढ़ वालों को यह जानकर हैरानी होगी कि विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल में भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल के अन्य इस्पात संयंत्रों का 16,000 टन स्टील लगा है। इसमें अकेले भिलाई इस्पात संयंत्र ने विशेष ग्रेड के कुल 12,432 टन स्टील की आपूर्ति की है। इसमें 5922 टन टीएमटी (सरिया), 6454 टन प्लेट्स एवं 56 टन स्ट्रक्चरल स्टील शामिल हैं। यह उपलब्धि सेल-भिलाई बिरादरी के गर्व का विषय है। बीएसपी द्वारा उत्पादित टीएमटी उत्पादों की पूरी श्रृंखला भूकंपरोधी व जंगरोधी गुणों के साथ उच्च गुणवत्ता की होती है। सेल-बीएसपी का लगा है आधे से ज्यादा इस्पात जम्मू कश्मीर में चिनाब नदी के ऊपर बना

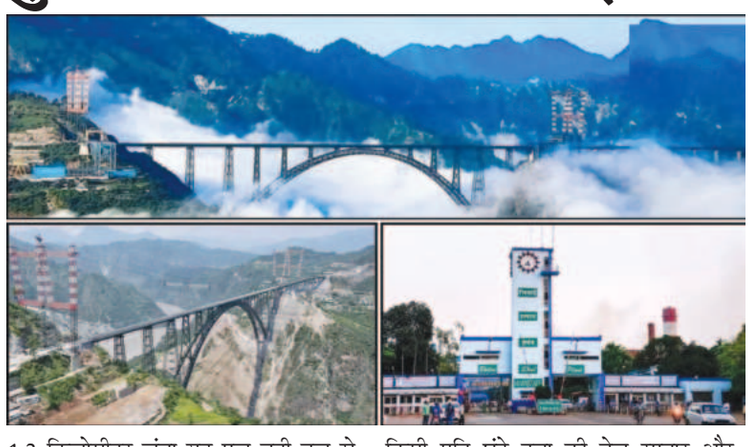

1.3 किलोमीटर लंबा यह पुल नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर है और पेरिस के प्रतिष्ठित एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है। अभियांत्रिकी की अभिनव कृति यह पुल 266 किमी प्रति घंटे हवा की तेज रफ्तार और उच्चतम तीव्रता के भूकंपीय तरंगों का सामना करने में सक्षम है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना (USBRL) के अंतर्गत यह पुल कटरा से बनिहाल तक 111 किलोमीटर लंबे घुमावदार खंड का हिस्सा है, यह इस क्षेत्र में आवागमन को सुलभ करेगा।

जानकारी के अनुसार इस पुल के निर्माण में लगभग 29 हजार मीट्रिक टन स्टील का उपयोग हुआ है। इसमें आधे से ज्यादा इस्पात सेल-बीएसपी का लगा है। इसके अलावा 10 लाख क्यूबिक मीटर अर्थवर्क, 66 हजार क्यूबिक मीटर से अधिक कांक्रीट तथा 84 किलोमीटर राक बोल्ट व केबल एंकर का प्रयोग किया गया है।

विशेष ग्रेड का स्टील

सेल के इस्पात संयंत्रों ने इस पुल में उपयोग के लिए 6690 टन टीएमटी (सरिया), 1793 टन स्ट्रक्चरल स्टील और 7511 टन स्टील प्लेट्स, हाट स्ट्रिप मिल प्रोडक्ट और चेकर्ड प्लेटों सहित कुल 16 हजार टन स्टील की आपूर्ति की है।

रायपुर कलेक्ट्रेट में लगी महिला आयोग की कचहरी

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की मामलों की सुनवाई, पुलिस पर केस दबाने का आरोप

रायपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर अपने पहले छत्तीसगढ़ दौरे पर रायपुर पहुंची। इस दौरान राजधानी रायपुर के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष गुरुवार को अस्थायी अदालत में तब्दील हो गया। प्रवास पर आईं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर ने यहां महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई की।

रायपुर पुलिस द्वारा सौंपे गए 22 मामलों के प्रतिवेदन पर सुनवाई की गई, जिनमें मानसिक प्रताड़ना, शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, अश्लील

वीडियो वायरल करने की धमकी जैसे गंभीर प्रकरण शामिल रहे।

जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की अध्यक्ष ने कई प्रकरणों में दोनों पक्षों को सुनने के बाद तत्काल आदेश जारी किए। कुछ मामलों में संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई तय करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान महिला अभ्यर्थियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से पुलिस की शिकायत भी की। उन्होंने आरोप लगाए कि पुलिस मामलों को दबाने की कोशिश करती है।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में ही रखो-आतंकियों के आका ने एफटीएएफ को दिया धोखा

इस्लामाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान किसी तरह तीन साल पहले फाइनेंशियल ऐक्शन टास्क फोर्स की ग्रे सूची से बाहर आने में सफल हो गया था। उस समय पाकिस्तान ने वादा किया था कि वह आतंकवाद पर लगाम लगाएगा, लेकिन आतंकवाद से पाकिस्तान दूरी बना ले, ऐसा भला हो सकता है। एक बार फिर उसके खाने के दांत दुनिया को नजर आने लगे हैं। बीती 28 मई को को बड़े पैमाने पर हुई रैली में जेहादियों की मौजूदगी ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान अब भी उसी राह पर है और आतंकवादियों पर लगाम लगाने का उसका वादा झूठा है। ये बताने के लिए काफी है कि पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर रखना कितना खतरनाक है।

पाकिस्तान में जेहादियों की रैली

इस रैली ने आतंकवाद के समर्थक के रूप में पाकिस्तान को लेकर दुनिया की चिंता को जगा दिया है। खासतौर पर जब 2026 में एफएटीएफ पाकिस्तान को लिस्ट से बाहर रखने को लेकर फिर से समीक्षा करेगा। 28 मई की रैली को प्रतिबंधित आतंकी संगठनों ने आयोजित किया था, जिसमें वैश्विक प्रतिबंध झेल रहे आतंकवादियों ने मंच पर हिस्सा लिया। इस रैली ने आतंकियों की पाकिस्तानी राजनेताओं और सेना से मिलीभगत को सामने ला दिया है।

इस रैली में आतंकियों के साथ पाकिस्तान के चुने हुए प्रतिनिधियों और राजनीतिक संस्थाओं के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। एफएटीएफ के बार-बार आह्वान के बावजूद, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र से घोषित आतंकवादियों के खिलाफ मुकदमा चलाने में विफल रहा है। जैश-ए-मोहम्मद के मसूद अजहर जैसे हाई-प्रोफाइल लोगों पर आतंकी फंडिंग के मामूली आरोप हैं, जबकि 2008 के मुंबई आतंकी हमलों से उसे बाहर रखा गया है।

पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र की कमेटी की जिम्मेदारी

इस बीच पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रमुख आतंकवाद विरोधी निकायों में नियुक्ति ने भारत को चिंता में डाल दिया है। पिछले दिनों पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान के खिलाफ प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और आतंकवाद रोधी पैनल के उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब भारत ने आतंकवाद के सबसे बड़े संरक्षक पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने लाने के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल विदेशों में भेजा है। इसके नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में बेचैनी की भावना है।

पिछले महीने भारत ने पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अपने युद्ध के लिए समर्थन जुटाने के प्रयास में यूएनएससी के सभी मौजूदा और आगामी सदस्यों के साथ ही अलग-अलग देशों की राजधानियों में अपना प्रतिनिधिमंडल भेजा था। यूएनएससी की प्रमुख समितियों में पाकिस्तान की नियुक्ति की जानकारी तब आई, जब भारतीय दल इन देशों का दौरा कर रहे थे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले महीने न्यूयॉर्क का दौरा किया था। एक बार फिर वह अमेरिकी कांग्रेस, थिंक टैंक और मीडिया से बातचीत के लिए वॉशिंगटन डीसी में हैं।

यूरोप की नाकामी का नतीजा है बेलगाम तुर्की

खामियाजा भुगत रहा भारत... एक्सपर्ट ने बताया एर्दोगन को कैसे कंट्रोल करे दिल्ली?

अंकारा, 6 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष में जिस तरह तुर्की इस्लामाबाद के साथ खड़ा हुआ है, उसने भारत के लिए एक अलार्म बजा दिया है। भारत अब तुर्की को 'साधने' को लेकर बहस चल रही है। सरकार के तौर पर तुर्की को आर्थिक झटका देने के लिए कुछ कदम उठाए गये हैं। खासकर भारत ने जितनी प्रमुखता से तुर्की के मिसाइल की नाकामी को दुनिया के सामने रखा है, उससे तुर्की की ड्रोन इंडस्ट्री के कई कॉन्ट्रैक्ट खतरे में पड़ गये हैं। भारत के खिलाफ तुर्की के मिसाइल बुरी तरह से नाकाम हुए हैं। भारत के प्रमुख डिफेंस एक्सपर्ट लेफ्टिनेंट जनरल अता हसनैन (रिटायर्ड) ने फर्स्ट पोस्ट में लिखे अपने एक लेख में तुर्की को लेकर लिखा है कि पश्चिमी देशों की नाकाम विदेश नीति का नतीजा आज का तुर्की है, जिसका खामियाजा कहीं न कहीं भारत भुगत रहा है। उन्होंने अपने तुर्की के दौरे को याद करते हुए लिखा है कि जब वो रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, लंदन के एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर तुर्की गये थे, उस वक्त रेचेप तैय्यप एर्दोगन तुर्की के प्रधानमंत्री थे। लेकिन उस वक्त तुर्की में तुर्की में कमाल अतातुर्क का प्रभाव दिख रहा था। अतातुर्क तुर्की को धर्मनिरपेक्ष, यूरोप के साथ मिलकर चलने वाला देश बनाना चाहते थे। उन्होंने लिखा है कि कमाल पाशा का सपना, तुर्की को यूरोप का हिस्सा बनाना था और ईयू को तुर्की की खास जगह और उसकी बड़ी सैन्य ताकत चाहिए थी। लेकिन वो एक मुस्लिम देश को पूरी तरह से अपने में शामिल करने से हिचकिचा रहा था। लिहाजा EU ने तुर्की के सामने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो राजनीतिक रूप से ठीक नहीं थीं और ऐसा लग रहा था कि ईयू तुर्की को नीचा दिखा रहा है। इससे तुर्की को बुरा लगा और वो धीरे-धीरे यूरोपीय दुनिया से अलग होने लगा।

तुर्की को लेकर यूरोप की खराब डिप्लोमेसी

उन्होंने लिखा है कि तुर्की का यह बदलाव अब भारत को भी प्रभावित कर रहा है। एर्दोगन के नेतृत्व में तुर्की अब एक धर्मनिरपेक्ष देश नहीं रहा। अब वो एक ताकतवर देश बनना चाहता है और इस्लामिक दुनिया में नेतृत्व करना चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर ने इसे भारत के लिए सच कर दिया। जब पाकिस्तान मुश्किल में था, तो तुर्की ने उसका साथ दिया। उसने पाकिस्तान की मदद राजनयिक और रणनीति के स्तर पर की। इसके पीछे यूरोप जिम्मेदार है। क्योंकि वर्षों तक दरवाजे पर इंतजार करने के बाद तुर्की ने महसूस किया कि ईयू उसे कभी स्वीकार नहीं करेग, क्योंकि वह एक मुस्लिम बहुल राष्ट्र है। यही वह क्षण था जिसने राष्ट्रपति एर्दोगन को तुर्की की विदेश नीति को मुस्लिम दुनिया की ओर मोड़ने का मौका दे दिया। एर्दोगन की वजह से देश कठोर इस्लामिक राष्ट्रवाद को पसंद करने लगे। अरब स्प्रिंग, सीरिया, फिलिस्तीन और कश्मीर अब सिर्फ विदेश नीति के मुद्दे नहीं रहे, बल्कि तुर्की में विचारधारा की लड़ाई के मैदान बन गए। इसी का नतीजा है कि तुर्की और पाकिस्तान की दोस्ती गहरी होती चली गई। दोनों देशों के रिश्ते तो पहले से थे, लेकिन अब यह दोस्ती और भी मजबूत हो गई है।

पाकिस्तान को एक ताकतवर दोस्त मिल गया है जो यूएन और ओआईसी जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसका साथ देता है। एर्दोगन को पाकिस्तान में एक सैन्य सहयोगी और एक धार्मिक मुद्दा मिल गया है। कश्मीर का मुद्दा तुर्की के लोगों और मुस्लिम दुनिया को पसंद आता है। जनरल परवेज मुशर्रफ ने पाकिस्तान और तुर्की के रिश्तों को बदलने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें बचपन से ही तुर्की से लगाव था क्योंकि उनके पिता अंकारा में तैनात थे। उन्होंने लिखा है कि हालांकि, तुर्की में सूफी परंपराओं और सरकार का नियंत्रण है, जबकि पाकिस्तान में मौलवियों और धार्मिक समूहों का प्रभाव है। लेकिन उनका असली रिश्ता धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक है। दोनों सरकारें इस्लामिक पहचान का इस्तेमाल दुनिया में अपनी जगह बनाने और भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को चुनौती देने के लिए करती हैं। दुनिया में भारत का विकास तेजी से हो रहा है और भारत ने मुस्लिम देशों के साथ काफी घनिष्ठ संबंध बनाए हैं। फिर भारत, तुर्की के साथ अच्छे रिश्ते नहीं बना पाया। इसकी बड़ी वजहों में एक वजह दोनों देशों के विचार अलग-अलग होना है।

रूस का यूक्रेन पर जवाबी हमला : कई मिसाइल-ड्रोन दागीं

4 की मौत, 20 घायल; पुतिन ने ट्रम्प से कहा था-बदला जरूर लूंगा

मास्को, 6 जून (एजेंसियां)। रूस ने बीती रात यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों के ऊपर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत के एक दिन बाद हुआ। रूस के हमले के बीच सभी यूक्रेनी क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी जारी कर दी गई है। यूक्रेन की एयरफोर्स ने कहा कि रूस के टीयू-95एमएस बाम्बर एयरक्राफ्ट ने क्रूज मिसाइलें दागीं है। यूक्रेन के कीव, टर्नोपिल, खमेलनित्सकी, ल्विव और लुत्स्क से विस्फोटों की खबरें सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 जून को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ यूक्रेन और ईरान के मुद्दे पर करीब 75 मिनट बात की थी। ट्रम्प ने बताया था कि पुतिन ने कहा कि वो यूक्रेन की तरफ से हाल ही में रूस के अंदर किए गए ड्रोन अटैक का बदला लेंगे। यूक्रेन ने 1 जून को रूस के एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था। इन हमलों में रूस के 5 एयरबेस पर मौजूद 41 एयरक्राफ्ट्स को निशाना गया। यूक्रेन ने इस ऑपरेशन को 'स्पाइडर वेब' नाम दिया था।

रुसी हमलों में कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा

यूक्रेनी मीडिया के अनुसार कीव में ड्रोन हमलों से कई जगह आग लग गई। जिसके कारण कम से कम 4 लोग मारे गए और 20 घायल हुए, जिनमें 16 को अस्पताल में भर्ती किया गया। हमले में कई रिहायशी इमारतों, पेट्रोल पंप, शैक्षणिक संस्थान और मेट्रो लाइन को भी नुकसान पहुंचा है। हमले के कारण यूक्रेन के डार्नित्सिया और लिवोबेरेज़्ना स्टेशनों के बीच मेट्रो लाइन पर ट्रैक और केबल क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे रास्ता बंद हो गया। प्रशासन ने कहा कि मरम्मत का काम 24 घंटे में पूरा होने की उम्मीद है।

यूक्रेन ने रूस 5 एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था

यूक्रेन ने 1 जून को रूस के 5 सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया था। ये (फर्स्ट-पर्सन-व्यू) ड्रोन्स थे। इन 117 ड्रोन्स ने रूसी एयरबेस में खड़े ए-50, टीयू-95 और टीयू-22 जैसे स्ट्रैटजिक बॉम्बर्स को निशाना बनाया। यूक्रेन ने इस पूरे ऑपरेशन को 'स्पाइडर वेब' नाम दिया था। इस हमले में रूस के कई विमानों को नुकसान पहुंचा था। यूक्रेन की एसबीयू सिक्योरिटी सर्विस के एक सूत्र के मुताबिक, इन हमलों में रूस के 5 एयरबेस पर मौजूद 41 एयरक्राफ्ट्स को निशाना गया। इसमें टीयू-95 और टीयू-22 स्ट्रैटेजिक बॉम्बर एयरक्राफ्ट, एक-50 रडार डिटेक्शन एंड कमांड एयरक्राफ्ट शामिल थे।

रूस-यूक्रेन में दूसरे दौर की शांतिवार्ता एक घंटे में खत्म हुई थी

रूस और यूक्रेन की बीच 2 जून को तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता 1 घंटे में खत्म हो गई थी। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं।वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेंडिस्की ने कहा- इस समझौते के तहत गंभीर रूप से घायल और 18 से 25 साल के युवा सैनिकों की भी अदला-बदली की जाएगी। इससे पहले दोनों देशों का डेलिगेशन 16 मई को इस्तांबुल में मिला था, तब भी दोनों के बीच 2 घंटे बातचीत हुई थी।

रोक के बावजूद ग्रेटा थनबर्ग गाजा के लिए निकली

राहत सामग्री लेकर जहाज से ईद पर पहुंचेंगी; इजराइली सेना गिरफ्तार कर सकती है

तेल अवीव, 6 जून (एजेंसियां)। स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग जहाज से गाजा की यात्रा पर निकली हैं। वे अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं जो 'मैडलीन' नाम के एक जहाज पर सवार हैं। थनबर्ग अपनी टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थी। अगर कोई रुकावट नहीं हुई तो 2000 किमी की दूरी तय कर मैडलीन जहाज 7 जून यानी कि ईद के दिन गाजा पहुंच जाएगा। इस यात्रा का मकसद सिर्फ मदद पहुंचाना ही नहीं, बल्कि इजराइल द्वारा गाजा पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध जताना भी है। इस बीच इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग की इस यात्रा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। इजराइली सेना ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर जरूरी कदम उठाएंगे। हालांकि ग्रेटा और उनके साथी इस अभियान को पूरी तरह शांतिपूर्ण और मानवीय बता रहे हैं।

गाजा जा रहा मैडलीन मिशन क्या है?

इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी है, जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93% भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना है। मैडलीन जहाज फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन का हिस्सा है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो गाजा पर लगी इजराइली नाकेबंदी को चुनौती देने के लिए मानवीय अभियानों को चलाता है। यह जहाज दक्षिण इटली के कातानिया पोर्ट से रवाना हुआ है और इसमें जीवन रक्षक सामग्री लदी हुई है। एफएफसी ने इसे एक शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध बताया है। उनके मुताबिक, जहाज पर सवार सभी कार्यकर्ता और चालक दल के सदस्य अहिंसा के सिद्धांत में प्रशिक्षित हैं और यह मिशन पूरी तरह से शांतिपूर्ण है।

इजराइल जहाज को क्यों रोक रहा है

शुरुआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। लेकिन इजराइल की सरकारी ब्रॉडकास्टर केएएन के मुताबिक, अब सरकार ने अपना फैसला बदल लिया है। अब इजराइल का तर्क है कि अगर एक बार मैडलीन जैसे जहाज को मंजूरी दी गई, तो आगे चलकर इस तरह की कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इजराइल के समुद्री प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ सकता है। इसलिए सरकार ने यह साफ कर दिया है कि मैडलीन को गाजा तट से पहले ही रोक दिया जाएगा। इससे पहले भी एफसीसी के कॉन्साइंस नाम के जहाज ने मई 2025 में एक और कोशिश की थी। हालांकि, इजराइल ने उसे परमिशन नहीं दी थी। येरुशलम पोस्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने कहा कि वे किसी भी हाल में मैडलीन को तट पर उतरने की इजाजत नहीं देंगे। यदि जहाज में बैठे लोग इजराइली सेना के आदेश को मानने से इनकार करेंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जापान का चंद्रयान मिशन नाकाम

सॉफ्ट लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ मून लैंडर 'रेजिलिएंस', दूसरी बार फेल

टोक्यो, 6 जून (एजेंसियां)। जापान का महत्वाकांक्षी मून मिशन को बड़ा झटका लगा है। देश की एक निजी मून लैंडर शुक्रवार 6 जून को चंद्रमा पर लैंडिंग का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जापानी कंपनी आईस्पेस ने लैंडर से संपर्क टूटने के कई घंटे बाद मिशन के फेल होने की पुष्टि की है। कंपनी का यह दूसरा चंद्र अभियान था। जापानी कंपनी के रेजिलिएंस अंतरिक्ष यान को जापान के स्थानीय समयानुसार 6 जून को सुबह 4.17 बजे चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करनी थी, लेकिन निर्धारित लैंडिंग से एक मिनट 45 सेकंड पहले लैंडर से संपर्क टूट गया। फ्लाइट कंट्रोलर ने संपर्क स्थापित करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मिशन को समाप्त करने की घोषणा की गई। चंद्रमा पर पहली निजी लैंडिंग की कोशिश कर रही आईस्पेस के लिए यह बड़ा झटका है। इसके पहले आईस्पेस ने अप्रैल 2023 में पहली बार मून लैंडिंग की कोशिश की थी। उस दौरान भी अंतरिक्ष यान नाकाम रहा था और मिशन को अंततः नाकाम घोषित करना पड़ा था। आईस्पेस के सीईओ और संस्थापक ताकेशी हाकामाडा ने मिशन की नाकामी पर दुख जताया और मिशन में योगदान देने वाले सभी लोगों से माफी मांगी।एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ताकेशी हाकामाडा ने कहा, 'हम मिशन 2 को सफल बनाना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्य से हम लैंडिंग करने में विफल रहे।' हाकामाडा ने कहा, 'जिन लोगों ने हमारा समर्थन किया है, हम उनसे माफ़ी मांगना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि आईस्पेस भविष्य की उड़ानों के लिए अपनी विफलताओं से सीखने के लिए प्रतिबद्ध है।स्पेसडॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, रेजिलिएंस के अंतिम क्षणों से टेलीमेट्री पर आधारित प्रारंभिक डेटा से पता चलता है कि लैंडर के लेजर रेंजफाइंडर ने जांच की चंद्र सतह से दूरी मापते समय किसी प्रकार की देरी का अनुभव किया। आईस्पेस के अधिकारियों ने एक अपडेट में बताया कि लैंडर मून लैंडिंग के लिए जरूरी स्पीड तक पहुंचने के लिए पर्याप्त धीमा नहीं हो सका। इन परिस्थितियों के आधार पर वर्तमान में यह माना जाता है कि लैंडर ने चंद्रमा की सतह पर संभवतः हार्ड लैंडिंग की।

बिलावल भुट्टो ने सिंधु जल संधि रोकने पर दी परमाणु युद्ध की धमकी

भारत को बातचीत की मेज पर लाने के लिए अमेरिका से गिड़गिड़ाए

वॉशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने सिंधु जल समझौता को सस्पेंड करने को लेकर भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दी है।पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने 5 जून 2025 को वाशिंगटन के मिडल ईस्ट इंस्टीट्यूट में भारत के खिलाफ जहरीला बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु जल संधि का उल्लंघन करके पाकिस्तान के जल संसाधनों को बाधित कर रहा है, जिससे जल पर पहला परमाणु युद्ध छिड़ने की नींव रखी जा रही है। इसके अलावा बिलावल ने भारत की तरफ से पाकिस्तान की जल आपूर्ति को रोकने को युद्ध का कार्य करार दिया और कहा कि यह पाकिस्तान के लिए अस्तित्व का संकट है। इसके अलावा उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि भारत का उल्लंघन करने से रोका जाए, क्योंकि यदि भारत को ऐसा करने की अनुमति दी जाती है, तो यह अन्य देशों के लिए भी एक खतरनाक मिसाल बन सकती है।

आपको बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता से सिंधु जल संधि पर समझौता हुआ था, जिसमें भारत को पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) का और पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का पानी मिला। यह संधि पहलगाम आतंकी हमले तक चली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस समझौते को सस्पेंड कर दिया है। जिसको लेकर अमेरिका में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा कि भारत इस संतुलन को बिगाड़ रहा है।

बिलावल भुट्टो की परमाणु युद्ध की धमकी

पाकिस्तान के नेता बात बात पर भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देते रहते हैं। जबकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने साफ कर दिया है कि भारत अब किसी भी तरह की न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत वे साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और अगर पाकिस्तानी आतंकी भारत में किसी भी तरह का आतंकी हमला करते हैं तो भारत पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमला करेगा। अमेरिका में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा कि हमने घोषणा की है कि हमारी जल आपूर्ति को काटना युद्ध की कार्रवाई होगी। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री ने आगे धमकी देते हुए कहा कि हम इसे राष्ट्रवाद के तौर पर नहीं कह रहे हैं। हम इसे किसी मजे से नहीं कह रहे हैं। यह हमारे लिए अस्तित्व का संकट है। धरती पर कोई भी देश, चाहे उसका आकार, उसकी ताकत या उसकी क्षमता कुछ भी हो, अपने अस्तित्व और अपने पानी के लिए लड़ेगा।

दक्षिण चीन सागर में भारत के दोस्त को फंसाने की साजिश

चीन ने दिया जे-10 एयरक्राफ्ट का ऑफर, ब्रह्मोस खरीदने पर चल रही बात

बीजिंग/जकार्ता, 6 जून (एजेंसियां)। चीन ने भारत के दोस्त इंडोनेशिया को जे-10 लड़ाकू विमान का ऑफर दिया है। चीन का ये ऑफर उस वक्त हुआ है जब इंडोनेशिया पहले से ही भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने को लेकर दिलचस्पी दिखा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया कम से कम 10 जे-10 लड़ाकू वमान खरीदने के सौदे पर विचार कर रहा है, लेकिन एक्सपर्ट्स हैरानी जता रहे हैं कि क्या ये फैसला बुद्धिमानी से भरा है? क्योंकि जे-10 लड़ाकू विमान को चीन ने कॉपी करके और उधार के डिजाइन पर बनाया हुआ है। इसके अलावा इसका प्रदर्शन काफी कमजोर है, इसके सिस्टम पुराने हो चुके हैं, लेकिन जिन राजनीतिक इरादों के साथ चीन इसे इंडोनेशिया को बेच रहा है, वो भी किसी से छिपी नहीं है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इंडोनेशिया, चीन के योजनाबद्ध जाल में फंस सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन बार बार इंडोनेशिया के साथ पिछले महीने राफेल और जे-10सी लड़ाकू विमानों के बीच हुई टक्कर का हवाला दे रहा है। जबकि भारत ने अभी तक साफ नहीं किया है कि पाकिस्तान के साथ झड़प के दौरान भारत का कौन सा लड़ाकू विमान गिरा और किन वजहों से गिरा है। जबकि चीन अपने जे-10सी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। लेकिन 28 मई को इंडोनेशियाई अखबार द नेशनल इंटरेस्ट में छपी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडोनेशियाई वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मार्शल मोहम्मद टोनी हरजोनो ने माना कि चीन से जे-10सी लड़ाकू विमान खरीदने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रमुख रक्षा उपकरण हासिल करने में मुश्किल फैसले लेने होते हैं।जे-10सी लड़ाकू विमान 4.5 पीढ़ी का मल्टी रोल एयरक्राफ्ट है, जो एक्टिव इलेक्ट्रॉनिक स्कैनिंग एरे (एईएसए) रडार और आधुनिक एवियोनिक्स से लैस हैं। इसके अलावा पश्चिमी देशों के लड़ाकू विमानों के मुकाबले इसकी कीमत काफी कम है और ये एक ऐसा प्वाइंट है, जो कई देशों की दिलचस्पी इस लड़ाकू विमान के साथ जोड़ते हैं। इसका मेंटिनेंस भी काफी आसान और सस्ता है। लेकिन एक्सपर्ट्स इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि पश्चिमी देशों के लड़ाकू विमानों की तुलना में जे-10सी की क्षमताएं काफी कम हैं और इसकी विश्वसनीयता अभी भी सवालों के घेरे में है। लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं है कि अगर इंडोनेशिया इस फाइटर जेट को खरीदता है तो रक्षा सौदों के मामले में वो चीन पर निर्भर हो जाएगा, जबकि दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ उसका लंबे समय से विवाद चल रहा है। ऐसे में भविष्य में इंडोनेशिया की विदेश नीति पर चीन का प्रभाव हो सकता है। हालांकि इंडोनेशिया के पास कई और विकल्प भी हैं। जिनमें फ्रांस के साथ राफेल लड़ाकू विमान को लेकर चल रही बातचीत शामिल है। इंडोनेशिया, फ्रांस से 42 राफेल खरीद रहा है, जो 8.1 अरब डॉलर का सौदा है, जिनमें से कुछ विमानों की डिलीवरी अगले साल शुरू हो सकती है। इसके अलावा इंडोनेशिया अमेरिका से एफ-15ईएक्स फाइटर जेट का भी सौदा कर सकता है। अमेरिका के साथ इंडोनेशिया की इस फाइटर जेट पर बात हो चुकी है।

ईरान ने क्या शुरू कर दी युद्ध की तैयारी?

चीन को दिया हजारों टन बैलिस्टिक मिसाइल सामग्री का ऑर्डर, रिपोर्ट में खुलासा

तेहरान, 6 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ चल रही परमाणु वार्ता के बीच ईरान ने चीन से हजारों टन बैलिस्टिक मिसाइल सामग्री का ऑर्डर दिया है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बृहस्पतिवार 5 जून को प्रकाशित रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन से यह शिपमेंट आने वाले महीनों में ईरान पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें अमोनियम परक्लोरेट शामिल है। यह बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सॉलिड प्रोपेलेंट (ठोस ईंधन) का एक प्रमुख घटक है। सूत्रों ने संकेत दिया है कि ये सामग्री संभावित रूप से सैकड़ों मिसाइलों को ईंधन दे सकती है।ईरान को दिए जाने वाले कुछ अमोनियम परक्लोरेट को तेहरान समर्थित मिलिशिया समूहों को भेजे जाने की उम्मीद है, जिसमें यमन के हूती विद्रोही भी शामिल हैं। सूत्रों में से एक ने इस बारे में खुलासा किया है। हूती विद्रोही पिछले कुछ समय से इजरायल के ऊपर लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें दाग रहे हैं। ईरान का यह कदम अपने मिसाइल शस्त्रागार को मजबूत करने के साथ ही क्षेत्रीय प्रभाव को मजबूत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।ईरान इसे तब अंजाम दे रहा है, जब वह अपने परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत जारी रखे हुए है। परमाणु गतिविधियों पर रोक लगाने के अमेरिका के आग्रह के बावजूद ईरान यूरेनियम के संवर्धन में लगा है और इसे हथियार स्तर तक ले जा रहा है। ईरान ने साफ कहा है कि वह अपने मिसाइल कार्यक्रम की सीमाओं पर बातचीत नहीं करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिसाइल सामग्री का ऑर्डर हाल के महीनों में एक ईरानी संस्था पिशगामन तेजरत रफी नोविन कंपनी ने दिया था। यह सामग्री हांगकांग स्थित लॉयन कमोडिटीज होल्डिंग्स लिमिटेड से प्राप्त की गई थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के टिप्पणी के अनुरोध पर कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में इस सौदे के बारे में जानकारी से इनकार किया और कहा कि बीजिंग ने हमेशा चीन के निर्यात नियंत्रण कानूनों और विनियमों और अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुसार दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं पर सख्त नियंत्रण रखा है।

माल्या ने पहले मुंबई के लिए लगाई थी बोली, आरसीबी को शराब के प्रचार के लिए खरीदा; कोहली को चुनने की वजह भी बताई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम इस वक्त चर्चा में है। टीम ने 18 सत्रों के खिताबी सूखे को खत्म किया। आरसीबी की टीम पहली बार चैंपियन बनी, लेकिन बंगलूरू पहुंचकर उनका जश्न मातम में बदल गया। बंगलूरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जश्न के दौरान फैंस की भीड़ में भगदड़ मच गई और उसमें 11 लोग जान गंवा बैठे। इसके अलावा 50 से ज्यादा लोग घायल भी हुए। 2008 से आरसीबी की टीम लीग का हिस्सा है, लेकिन 18वें सत्र में जाकर पहली बार चैंपियन बन पाई। इस दौरान कई स्टार खिलाड़ी आए और गए, लेकिन 18 सत्रों से एक खिलाड़ी जो टीम में बना रहा, वह हैं विराट कोहली। टीम की जीत के बाद फैंस ने भगोड़े विजय माल्या को भी याद किया, जो इस फ्रेंचाइजी का पहला मालिक भी है।

माल्या भारत में एक वांछित भगोड़ा बना हुआ है। हालांकि, उसने राज शमानी के साथ एक पॉडकास्ट में हिस्सा लिया और खुलासा किया कि उसने मुंबई इंडियंस सहित कुल तीन फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई थी। हालांकि, माल्या मुंबई को खरीद नहीं पाया, क्योंकि मुकेश अंबानी ने सबसे ज्यादा कीमत लगाई थी। एमआई को सबसे कम मार्जिन से खोने के बाद, माल्या ने अंततः आरसीबी को 112 मिलियन अमेरिकी डॉलर (तब) की राशि चुकाकर खरीदा था। उस वक्त यानी 2008 में 112 मिलियन यूएस डॉलर की वैल्यू 600-700 करोड़ रुपये थी। माल्या ने कहा कि आरसीबी को खरीदने के पीछे उसका एकमात्र उद्देश्य अपने व्हिस्की ब्रांड 'रॉयल चैलेंज' को बढ़ावा देना था। इसके पीछे कोई क्रिकेट प्रेम नहीं था।

'ललित मोदी की बातों से बेहद खुश था'

माल्या ने कहा, 'ललित मोदी ने इस लीग को लेकर बीसीसीआई समिति के सामने जो पिच की थी, मैं उससे काफी प्रभावित हुआ था। उन्होंने एक दिन मुझे बुलाया और कहा कि ठीक है टीमों की नीलामी होने जा रही है। क्या आप इसमें से कोई टीम खरीदने में दिलचस्पी रखते हैं? इसलिए मैंने तीन फ्रेंचाइजी में दिलचस्पी दिखाई और बोली लगाई और मैं बहुत कम अंतर से मुंबई फ्रेंचाइजी नहीं खरीद सका।'

'आईपीएल को गेमचेंजर के रूप में देखा'

माल्या ने कहा, 'जब मैंने 2008 में आरसीबी फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई थी तो मैंने आईपीएल को भारतीय क्रिकेट के गेमचेंजर के रूप में देखा था। मेरी सोच एक ऐसी टीम बनाने की थी जो बैंगलोर (तब का नाम) की भावना को जीवंत, गतिशील, ग्लैमरस लुक दे। मैंने 112 मिलियन डॉलर का भुगतान किया। यह दूसरी सबसे बड़ी बोली थी, क्योंकि मुझे क्षमता पर विश्वास था। मैं आरसीबी को एक ऐसा ब्रांड बनाना चाहता था जो न केवल मैदान पर बल्कि उसके बाहर भी उत्कृष्ट दिखे। यही कारण है कि मैंने इसे हमारे सबसे ज्यादा बिकने वाले शराब ब्रांडों में से एक रॉयल चैलेंज से जोड़ दिया, ताकि इसे वह बोल्ड पहचान मिल सके।'

माल्या ने बताया कोहली को क्यों खरीदा?

बातचीत के दौरान माल्या ने नीलामी में विराट कोहली को खरीदने के बारे में भी बताया। हालांकि कोहली को उनकी राज्य की टीम, दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) द्वारा खरीदे जाने की उम्मीद थी, लेकिन दिल्ली फ्रेंचाइजी ने प्रदीप सांगवान के लिए जाने का फैसला किया, जिससे आरसीबी को विराट को साइन करने का मौका मिला। माल्या ने कहा, 'मैंने ऐसे खिलाड़ियों को चुना जो आरसीबी को पावरहाउस बना सकते हैं। मेरे लिए अंडर-19 विश्व कप टीम के युवा खिलाड़ी विराट कोहली को खरीदना गर्व का पल था। मेरी अंदर से अहसास हो रहा था कि यह खिलाड़ी खास है। इसलिए मैंने उसके लिए बोली लगाई। चयन प्रक्रिया से कुछ समय पहले वह अंडर -19 विश्व कप खेल रहे थे और मैं उनसे बहुत प्रभावित था। इसलिए, मैंने उन्हें चुना और यह अद्भुत है कि 18 साल बाद वह अभी भी उसी टीम के साथ हैं। वह उस समय एक युवा बच्चा थे जब मैं उन्हें लेकर आया था, लेकिन आप जानते हैं वह ऊर्जा से भरपूर हैं, एक महान प्रतिभा और वह अब तक के सबसे महान भारतीय क्रिकेटरों में से एक हैं।'

माल्या ने बताया द्रविड़-कुंबले को क्यों खरीदा?

माल्या ने कहा, 'राहुल द्रविड़ को हमारे आइकन खिलाड़ी के रूप में चुना और इसमें कोई दूसरा विचार नहीं आया क्योंकि वह बैंगलोर के गौरव थे। हम जैक कैलिस, अनिल कुंबले और जहीर खान जैसे वैश्विक सितारों को भी लाए। मैं स्थानीय नायकों और अंतरराष्ट्रीय स्वभाव का मिश्रण चाहता था। मेरा सपना आईपीएल ट्रॉफी बैंगलोर लाना था और मैंने उस लक्ष्य के साथ टीम का निर्माण किया।'

मैच के बाद की पार्टियों पर माल्या का बयान

विजय माल्या की मौजूदगी के दौरान आरसीबी की आफ्टर मैच पार्टियों ने भी काफी सुर्खियां बटोरी थीं। माल्या ने कहा कि उसकी टीम में ग्लैमर जोड़ना भी एक जानबूझकर किया गया प्रयास था। उसने कहा, 'मैं चाहता था कि आरसीबी एक क्रिकेट टीम से अधिक हो। यह एक लाइफस्टाइल ब्रांड बनाने के बारे में था। पार्टियों के बाद चीयरलीडर्स, प्रशंसकों का साथ आना, यह सब आरसीबी को सबसे रोमांचक फ्रेंचाइजी बनाने के लिए जानबूझकर किया गया था। किंगफिशर और रॉयल चैलेंज प्रायोजक थे, इसलिए हमने इसका लाभ उठाते हुए प्रत्येक मैच को एक इवेंट बनाया। लोगों ने इसे आकर्षक कहा, लेकिन यह रणनीतिक था। बैंगलोर ने इसे प्यार दिया और आरसीबी शहर की धड़कन बन गया।' यह पूछे जाने पर कि आज के समय में वह आरसीबी के लिए किन खिलाड़ियों को चुनते? इस पर माल्या ने जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और केएल राहुल को चुना।

'जब पापा को टेस्ट से संन्यास के बारे में बताया तो...' रोहित ने सुनाई भावुक कर देने वाली कहानी

भारतीय क्रिकेट के महान सलामी बल्लेबाजों में से एक रोहित शर्मा के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के फैसले ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के खत्म होने के बाद सबसे लंबे प्रारूप में खराब फॉर्म में चल रहे रोहित ने टेस्ट क्रिकेट खेलते रहने की इच्छा जाहिर की थी। रोहित ने फॉर्म में वापसी के लिए रणजी ट्रॉफी भी खेले थे, लेकिन उन्होंने पिछले महीने अचानक टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला किया, जिससे पूरे भारतीय क्रिकेट जगत को झटका लगा। रोहित के इस फैसले से न सिर्फ उनके फैंस निराश हुए, बल्कि उनके पिता भी निराश हुए। अब इसकी कहानी उन्होंने खुद बताई है।

मुंबई में चेतेश्वर पुजारा की पत्नी पूजा पुजारा की किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ' के विमोचन के दौरान बातचीत करते हुए रोहित ने खुलासा किया कि उनके पिता टेस्ट क्रिकेट को बेहद पसंद करते हैं। इसलिए टेस्ट से संन्यास का फैसला उनके पिता स्वीकार नहीं कर पाए थे। रोहित ने बताया, 'मेरे पिता एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करते थे। जैसा कि मैंने कहा, मेरी मां और मेरे पिता कई त्याग किए ताकि हम अपना जीवन अच्छे से जी सकें। लेकिन मेरे पिता हमेशा पहले दिन से टेस्ट क्रिकेट के प्रशंसक रहे हैं। उन्हें नए जमाने का क्रिकेट पसंद नहीं है। मुझे आज भी याद है कि जिस दिन मैंने वनडे में 264 रन बनाए थे। मेरे पिता की ओर से बस यही प्रतिक्रिया आई कि- ठीक है, अच्छा ही खेला। बहुत खूब। उनकी चेहरे पर कोई उत्तेजना नहीं थी। उन्होंने कहा वहां जाना महत्वपूर्ण है और यही सब बातें कहीं।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं जब भी टेस्ट में 30, 40, या 50 या 60 रन बना लेता था तो वह मुझे इस बारे में हमेशा विस्तार से बात करते थे। टेस्ट के प्रति उनका इस तरह का प्यार था। और उन्होंने मुझे स्पष्ट रूप से देखा है कि मैं कैसे कैसे क्रिकेट में आगे बढ़ा हूं।' रोहित ने बताया कि टेस्ट से संन्यास के बाद उनके पिता शुरू में काफी नाराज हुए। हालांकि, कुछ समय बाद उन्होंने रोहित के फैसला का समर्थन किया और शांत हुए और खुश हो गए।

रोहित ने बताया, 'आप स्कूल क्रिकेट में खेलते हैं। इसके बाद आप अंडर 19, रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी और इंडिया ए के लिए खेलते हैं। मैंने वह सब किया है। इसलिए उन्होंने मेरी यात्रा देखी है। यह सब खेलके मैंने भारतीय टीम में जगह बनाई। जाहिर है मेरे पिता ने मुझे लाल गेंद से खेलते हुए देखा है। इसलिए वह लाल गेंद के क्रिकेट की बहुत सराहना करते हैं। जाहिर है, जब मैंने संन्यास की घोषणा की तो वह थोड़ा निराश थे, लेकिन फिर बाद में खुश भी हुए। वह मेरे पिता हैं और मैं आज जहां भी हूं, उन्होंने स्पष्ट रूप से एक बड़ी भूमिका निभाई है। उनकी मदद के बिना, यह कभी संभव नहीं होता।'

रोहित ने अपने टेस्ट करियर का अंत 12 शतकों और 18 अर्धशतकों के साथ किया। उन्होंने 2023 में भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भी पहुंचाया। हालांकि यह खिताब राष्ट्रीय टीम से दूर है। हिटमैन ने 67 टेस्ट मुकाबलों में 40.57 के औसत से 4301 रन बनाए। रोहित ने सात मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान अपने सोशल मीडिया हैंडल से किया। उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर अपनी टेस्ट कैप की तस्वीर साझा की और कैप्शन में लिखा- मैं आप सभी साथियों को बताना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। इस प्रारूप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं वनडे में भारत के लिए खेलना जारी रखूंगा।

स्टार्क ने आईपीएल 2025 से अपने बाहर होने का समर्थन किया

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा कि वह आईपीएल 2025 से बाहर होने के अपने फैसले से सहज हैं, जब भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार बढ़ते तनाव के बाद इसे एक सप्ताह के लिए रोक दिया गया था।

स्टार्क ने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे, इससे पहले कि प्रतियोगिता रोक दी जाती। उसके बाद, वह और ऑस्ट्रेलिया के साथी खिलाड़ी जेक फ्रेजर-मैकगर्क, जो डीसी और पंजाब किंग्स के अन्य खिलाड़ियों के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों के साथ धर्मशाला से बस और ट्रेन यात्रा के माध्यम से नई दिल्ली आए। इसके बाद, स्टार्क आईपीएल 2025 के शेष भाग के लिए वापस नहीं आए, और डीसी प्लेऑफ में प्रवेश करने में विफल रही।

उन्होंने कहा, मैं अपने फैसले से संतुष्ट हूं और पूरी स्थिति के बारे में जो मैंने महसूस किया और जिस तरह से इसे संभाला गया, उससे भी संतुष्ट हूं। इसलिए मैंने उसके बाद अपना फैसला किया और यहां आने से पहले लगभग एक हफ्ते तक मेरा ध्यान लाल गेंद वाले क्रिकेट पर रहा। समय ही बताएगा कि इसका क्या नतीजा होगा या जो खिलाड़ी वापस नहीं लौटे, उनके साथ क्या होगा। लेकिन उस खेल से पहले मेरे मन में कुछ सवाल और चिंताएं थीं और जाहिर है कि हमने देखा कि क्या हुआ, जिसने मेरे फैसले में अहम भूमिका निभाई। चैंपियंस ट्रॉफी (पाकिस्तान में) के दौरान मेरे फैसले में इसका थोड़ा सा हिस्सा था। और फिर जब टूर्नामेंट में देरी हुई तो आप टेस्ट मैच के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं। स्टार्क ने शुक्रवार को सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, अलग-अलग खिलाड़ियों और अलग-अलग टीमों के लिए चीजों को अलग-अलग तरीके से संभाला गया, धर्मशाला में मौजूद खिलाड़ी और पंजाब के खिलाड़ी इसका हिस्सा थे, और जबकि दोनों टीमों के अनुभव एक जैसे थे, वे सभी खिलाड़ी पंजाब के लिए वापस आ गए, और जेक (फ्रेजर-मैकगर्क) और मैंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया। इसलिए यह एक बहुत ही व्यक्तिगत निर्णय था, और मैं जो भी परिणाम आएगा, उसके साथ जीने के लिए खुश हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि आईपीएल 2025 में वापस न लौटने का फैसला असाधारण परिस्थितियों के कारण हुआ। 'मैं अभी भी दिल्ली समूह के लिए बहुत प्रतिबद्ध हूं, और मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो टूर्नामेंट में गया हो और नीलामी या किसी और चीज में चुने जाने के बाद बाहर निकल गया हो। ये अलग-अलग परिस्थितियां हैं। यह उस हद तक निर्णय लेने के लिए पर्याप्त जानकारी न होने का सवाल था। मैंने घर पर चर्चा की और फिर निर्णय लिया, और जो भी परिणाम आएगा, मैं उससे सहज हूं और हम आगे बढ़ेंगे।

कौन हैं निखिल सोसले, आरसीबी से क्या है नाता? पुलिस ने बंगलूरु भगदड़ मामले में उन्हें गिरफ्तार किया

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का आईपीएल 2025 खिताब जीतने का जश्न बुधवार को उस समय गम में बदल गया जब बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। फाइनल में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को हराने के कुछ ही घंटों बाद विक्ट्री बस परेड को देखने आई भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई थी। इस घटना के बाद आरसीबी के चार अधिकारियों को बंगलूरू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसले भी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, सोसले बंगलूरू से मुंबई निकल रहे थे, जब उन्हें शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े छह बजे केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गैर इरादतन हत्या सहित प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गुरुवार को आरसीबी के प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया था। सोसले के साथ-साथ इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

निखिल सोसले कौन हैं?

निखिल सोसले के लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उनका जन्म 18 अगस्त, 1986 को हुआ था। वह लगभग दो वर्षों से आरसीबी के मार्केटिंग हेड हैं। सोसले मूल रूप से डियाजियो इंडिया के कर्मचारी हैं, जो आरसीबी के मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) का संचालन करती है। पूर्व मालिक विजय माल्या के विदेश भाग जाने के बाद यूएसएल आरसीबी का पूर्णकालिक मालिक बन गया।

सोसले को आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों से जुड़े कई स्थानों पर भी देखा गया है। वह उस जश्न का भी हिस्सा थे जब RCB की महिला टीम ने 2024 में महिला प्रीमियर लीग (WPL) का खिताब जीता था। वह आईपीएल नीलामी के दौरान भी फ्रेंचाइजी के साथ भी दिखे थे। सोसले ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में जेम्स कुक विश्वविद्यालय से डबल मेजर हैं।

कई वर्षों से आरसीबी की मार्केटिंग और व्यावसायिक रणनीति से जुड़े होने के बाद यह संभव है कि आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब जीतने का जश्न मनाने के लिए बस परेड की व्यवस्था और संचालन में सोसले की कुछ भूमिका रही हो। ऐसा माना जाता है कि वह खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजी अधिकारियों के बीच संवाद में भी भूमिका निभाते हैं।

वह आरसीबी ब्रांड और कमर्शियल प्रोग्राम के व्यवसाय और मार्केटिंग चार्टर के डिजाइन, रणनीति और डिलीवरी का नेतृत्व करते हैं। सोसले समेत गिरफ्तार किए गए आरसीबी अधिकारियों को अपराध जांच विभाग को सौंपे जाने की संभावना है। उनसे कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में पूछताछ चल रही है। इसी स्टेशन में भगदड़ को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। इस एफआईआर में RCB, इवेंट आयोजित करने वाली कंपनी और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) पर भी मामला दर्ज किया गया है।

आरसीबी की क्यों हो रही आलोचना?

आरसीबी की आलोचना इस बात को लेकर भी हो रही है कि जहां एक तरफ फैंस भगदड़ में मर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ आरसीबी की टीम स्टेडियम में जीत का जश्न मना रही थी। कार्यक्रम को रोका तक नहीं गया। आखिरकार, जश्न कार्यक्रम को छोटा कर दिया गया। आरसीबी ने बुधवार को घटना के कई घंटे बाद भगदड़ में हुई मौतों को स्वीकार करते हुए एक बयान जारी किया था।

आरसीबी ने 10-10 लाख रुपये देने का किया ऐलान

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में मारे गए 11 प्रशंसकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है।

फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में कहा है कि मृतकों के परिजनों को मुआवजे के अलावा इस दुखद घटना में घायल हुए प्रशंसकों की सहायता के लिए 'आरसीबी केयर्स' नामक एक कोष भी बनाया जा रहा है। बुधवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

कर्नाटक सरकार की हो रही आलोचना

बंगलूरू भगदड़ की घटना के बाद कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार को भी कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। आलोचकों का कहना है कि सरकार की लापरवाही के कारण यह भगदड़ हुई।

भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भगदड़ के समय टीम के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे थे, जबकि उन्हें भगदड़ के बारे में बताया जा चुका था।

भारत के पूर्व कोच चैपल की नजर में कोहली ने इस वजह से लिया टेस्ट से संन्यास

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला उनके कौशल में गिरावट की वजह से नहीं बल्कि पिछले कुछ वर्षों में खेल के कारण उन पर पड़े मानसिक तनाव की वजह से है। चैपल ने कहा कि कोहली ने उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक मानसिक स्पष्टता की कमी के कारण संन्यास लिया है।

चैपल ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'उनका फैसला कौशल में कमी की वजह से नहीं बल्कि इस बढ़ते अहसास की वजह से था कि अब वह उस मानसिक स्पष्टता को हासिल नहीं कर सकते जिसने उन्हें इतना मजबूत बनाया था।' इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने स्वीकार किया कि उच्चतम स्तर पर जब तक दिमाग तेज और निर्णायक नहीं हो तब शरीर लड़खड़ाता है।'

कोहली ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने 123 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 30 शतक की मदद से 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए। पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि संदेह किसी खिलाड़ी के खेल में घुसने का तरीका ढूंढ लेता है जो धीरे-धीरे निर्णय लेने, फुटवर्क और शीर्ष स्तर के प्रदर्शन के लिए आवश्यक सहजता को प्रभावित करता है।

चैपल ने लिखा, 'जब संदेह आपके अंदर बसने लगता है तो यह निर्णय लेने में बाधा डालता है, फुटवर्क को खराब करता है और शीर्ष प्रदर्शन के लिए आवश्यक सहजता को नष्ट कर देता है। कोहली का संन्यास इस बात की याद दिलाता है कि फॉर्म दिमाग का खेल अधिक है।' बता दें कि कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये इसकी घोषणा की थी।

विराट पिछले कुछ समय से टेस्ट में खराब फॉर्म में चल रहे थे। इसकी वजह से उन्हें आलोचना भी झेलनी पड़ रही थी। कोहली के रहते भारतीय टीम को पिछले साल अपने घर पर कीवियों के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप और फिर ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। अब कोहली सिर्फ वनडे में भारत के लिए खेलते नजर आएंगे।

एलन मस्क को भारी पड़ा ट्रंप से उलझना

एक ही दिन में डूब गए अरबों रुपये

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के दिग्गज बिजनेस मैन एलन मस्क के बीच विवाद बढ़ गया है।दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक दूसरे के आमने-सामने आ गए।इसका खामियाजा मस्क को भुगतना पड़ा।मस्क की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिली है।साथ ही उनकी कंपनी टेस्ला के शेयर भी एक ही दिन में धड़ाम हो गए।शेयरों में 15 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई।ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला के मालिक एलन मस्क की नेट वर्थ एक दिन में 33.9 बिलियन डॉलर यानी 29,07,42,33,30,000 रुपये कम हो गई।एलन मस्क की नेटवर्थ कम होकर 335 बिलियन डॉलर हो गई है।मस्क की कंपनी के शेयरों में भी भारी गिरावट देखने को मिली।टेस्ला के शेयर 14.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 284.70 यूएस डॉलर पर आ गए।कंपनी के शेयरों में एक दिन में 47.35 यूएस डॉलर की गिरावट देखी गई।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने के बाद से एलन मस्क को सरकार में शामिल किया।दोनों के बीच बात नहीं बनी।मस्क ने सरकार से अलग होने का फैसला किया।उन्होंने ट्रंप सरकार की ओर से लाए जाने वाले बिग ब्यूटीफुल बिल का विरोध किया, जिसके बाद से ही दोनों के बीच तनातनी हुई।डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स पर मस्क के खिलाफ पोस्ट की, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें अभी भी व्हाइट हाउस की याद सता रही है।साथ ही उन्होंने कहा कि मस्क को ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम हो गया है।इसके बाद मस्क ने भी ट्रंप पर पलटवार किया।कहा कि मेरे बगैर डोनाल्ड ट्रंप 2024 का राष्ट्रपति चुनाव हार जाते।डेमोक्रेट्स सदन पर कब्जा कर लेते और सीनेट में रिपब्लिकन सिर्फ 51-49 से जीत पाते।उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को एहसान फरामोश कह डाला।

मस्क की कंपनी स्टारलिंक को टेलीकॉम मिनिस्ट्री की मंजूरी:भारत में हाई स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट देगी, 840 में महीनेभर अनलिमिटेड डेटा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस भारत में ऑपरेट करने के लिए टेलीकॉम डिपार्टमेंट का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी,इन-स्पेस के अप्रूवल का इंतजार है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है। इससे पहले वनवेब और रिलायंस जियो को मंजूरी मिली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टारलिंक भारत में 840 रुपए में महीनेभर अनलिमिटेड डेटा देगा। आधिकारिक तौर पर मस्क की कंपनी ने इसकी जानकारी नहीं दी है। स्टारलिंक, स्पेसएक्स का प्रोजेक्ट है, जो सैटेलाइट्स के जरिए हाई-स्पीड इंटरनेट देता है। इसके सैटेलाइट्स पृथ्वी के करीब घूमते हैं, जिससे इंटरनेट तेज और स्मूथ चलता है। ये खासकर उन इलाकों के लिए फायदेमंद है, जैसे गांव या पहाड़, जहां आम इंटरनेट नहीं पहुंचता।स्पेसएक्स भारत में अपनी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज मंथली 10 डॉलर यानी लगभग 840 रुपए से कम कीमत वाले शुरुआती प्रमोशनल अनलिमिटेड डेटा प्लान से शुरू करेगा।

स्टारलिंक 2022 से कोशिश कर रही थी, लेकिन सिक्योरिटी चिंताओं की वजह से देरी हुई। भारत सरकार ने डेटा सिक्योरिटी और कॉल इंटरसेप्शन जैसी शर्तें रखी थीं।

चांदी ऑल टाइम हाई पर पहुंची : 610 बढ़कर 105285 किलो बिक रही, सोने का भाव 1018 घटकर 97145 पर आया

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। चांदी के दाम आज यानी 6 जून को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 1 किलो चांदी का भाव 610 बढ़कर 1,05,285 प्रति किलो पर पहुंच गया है। इससे पहले चांदी का भाव 1,04,675 प्रति किलो था। हालांकि सोने के दाम में आज गिरावट रही। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,018 घटकर 97,145 पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 98,163 प्रति 10 ग्राम थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,750 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300

कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300

भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,650 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,350.

चीन ने कीमती-धातुओं की सप्लाई रोकी, स्विफ्ट का प्रोडक्शन रुका

बीएमडब्ल्यू-मर्सिडीज जैसे ब्रांड्स भी प्रभावित, अगले हफ्ते भारतीय दल जाएगा चीन

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। चीन की ओर से कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाने का सीधा असर दुनिया की ऑटो इंडस्ट्री पर दिखने लगा है। मारुति सुजुकी की पैरेंट कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन को जापान में अपने पॉपुलर मॉडल स्विफ्ट का प्रोडक्शन रोकना पड़ा है। वहीं, यूरोप की भी कुछ ऑटो कंपनियों ने प्रोडक्शन रोक दिया है। इसमें फोर्ड, निसान, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कंपनियां शामिल हैं। चीन की पाबंदी का असर भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर पर भी पड़ेगा। इसलिए अगले हफ्ते एक भारतीय दल चीन जाएगा।अगर चीन की पाबंदियां बनी रहीं, तो ग्लोबल लेवल पर इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनियों पर इसका असर देखने को मिलेगा। कच्चे माल की कीमतें बढ़ेंगी, जिससे गाड़ियों के दाम भी ऊपर जा सकते हैं। भारत सहित सभी बाजारों में भी इसका असर धीरे-धीरे दिखेगा। भारत में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन से इम्पोर्ट जल्द शुरू न हुआ तो इलेक्ट्रिक और आईसीई वाहनों के कारखानों का प्रोडक्शन रुक सकता है।

भारत अगले हफ्ते चीन में ऑटो इंडस्ट्री का एक हाई लेवल डेलिगेशन भेजेगा, जिसमें सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स और ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह दल चीन के अधिकारियों से रेयर अर्थ मटेरियल के शिपमेंट के लिए तेजी से मंजूरी देने के लिए बातचीत करेगा, जो ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के लिए जरूरी हैं। वहीं, भारतीय विदेश मंत्रालय बीजिंग में भारतीय दूतावास के जरिए सप्लाई की समस्याओं को हल करने में जुटे हैं। रेयर मटेरियल्स का इस्तेमाल खास तौर पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों में किया जाता है। इनका उपयोग परमानेंट मैग्नेट इलेक्ट्रिक मोटर्स के लिए कॉम्पेक्ट और हाई परफॉर्मेंस मेग्नेट बनाने के लिए किया जाता है। नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम और टेरबियम जैसे तत्वों से बने ये चुंबक, मोटरों को छोटे, हल्के और अन्य ऑप्शन की तुलना में ज्यादा एफिशिएंट बनाते हैं, जो ईवी की रेंज और परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है। इनका इस्तेमाल आईसीई वाली गाड़ियों में लगने वाले केटेलिक कन्वर्टर्स जैसे ऑटो कंपोनेंट्स में भी किया जाता है। इसके अलावा ईवी और आईसीई दोनों तरह के व्हीकल में लगने वाले कई सिस्टम में सेंसर से लेकर डिस्प्ले तक में इन धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है। बता दें कि ग्लोबल लेवल पर रेयर मटेरियल्स की माइनिंग में चीन की हिस्सेदारी करीब 70% और प्रोडक्शन में करीब 90% तक है।

अनिल अंबानी की खुलेगी किस्मत

मिल सकता है 10,000 करोड़ का ये ऑर्डर

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की किस्मत पलटने वाली है क्योंकि ये भारत में प्राइवेट सेक्टर में पहली कंपनी बन गई है, जिसने 4 प्रकार की नई जनरेशन के 155 मिमी आर्टिलरी गोला बारूद को डिजाइन और डेवलप किया है।कंपनी ने बताया कि इन चारों गोला-बारूद परियोजनाओं का काम पूरा हो चुका है।इसके तहत 10 भारतीय कंपनियों को सप्लाई चेन में शामिल किया गया है और प्रोडक्शन तुरंत शुरू किया जा सकता है। ये पूरा प्रोजेक्ट पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर बेस्ड है, जिससे यह मेक इन इंडिया पहल के तहत भारतीय रक्षा निर्माण क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है.

कंपनी को उम्मीद है कि अगले दस साल में रक्षा मंत्रालय से 10,000 करोड़ रुपए तक के ऑर्डर मिल सकते हैं।भारतीय सेना द्वारा गोला-बारूद पर किया जाने वाला वार्षिक खर्च 2023 में जहां 7,000 करोड़ रुपए था, वहीं 2032 तक यह 12,000 करोड़ रुपए सालाना तक पहुंचने का अनुमान है।इसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर इस सेक्टर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है।साथ ही, कंपनी का टारगेट है कि आने वाले समय में निर्यात बाजार में भी प्रवेश किया जाए।कंपनी ने अनुमान लगाया है कि निर्यात से अगले दशक में 10,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया जा सकता है।अभी के समय में कंपनी के पास कई रक्षा एसपी वी एस (विशेष प्रयोजन वाहन) हैं, जो डीआरडीओ के सहयोग से विभिन्न रक्षा मंडलों पर कार्य कर रहे हैं। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभी तक उसे भारतीय सेना की ओर से किसी भी गोला-बारूद परियोजना के लिए ऑर्डर प्राप्त नहीं हुआ है।लेकिन इसके बावजूद, कंपनी को एक बड़ी राहत मिली है।एनसीएलएटी (राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण) ने आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड द्वारा दाखिल दिवालियापन याचिका पर कार्यवाही को रोक दिया है।

यह याचिका 88 करोड़ रुपए के डिफॉल्ट को लेकर दायर की गई थी।इस बीच रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का शेयर दोपहर 12 बजे के आस-पास 0.66% की तेजी के साथ 373.90 रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

अब गोल्ड पर मिलेगा ज्यादा लोन:1 लाख कीमत के सोने पर 85,000 तक कर्ज देंगे बैंक; आरबीआई ने बदले नियम

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने गोल्ड लोन के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। रिजर्व बैंक ने 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू रेश्यो 75% से बढ़ाकर 85% कर दिया है। इस फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। इस फैसले के बाद मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस और आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों में 2% से 7% तक की तेजी देखी गई।

नए नियमों से मिलेगा ज्यादा गोल्ड लोन

अब 1 लाख रुपए की गोल्ड वैल्यू पर 85,000 रुपये तक लोन मिल सकेगा, पहले यह सीमा 75,000 रुपए थी। 2.5 लाख रुपए तक के छोटे गोल्ड लोन पर क्रेडिट अप्रेजल की जरूरत नहीं होगी, यानी कागजी कार्रवाई कम होगी और लोन जल्दी मिलेगा। इससे छोटे कर्जदार खासकर ग्रामीण और छोटे शहर वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए के लिए लोन लेना और आसान हो जाएगा।

7% तक चढ़े गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयर

आरबीआई के नए फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनी मुथूट फाइनेंस के शेयर में 7% की तेजी रही। शेयर 2,454 रुपए के के स्तर पर बंद हुआ है। इसके अलावा मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर 5.64% बढ़कर 247 रुपए तक पहुंच गया। आईआईएफएल फाइनेंस का शेयर भी 5.20% चढ़कर 451 रुपए पर आ गया है।

वित्त मंत्रालय ने आरबीआई को सुझाव दिया था

इस पहले वित्त मंत्रालय ने आरबीआई को सुझाव दिया था कि 2 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन को सख्त नियमों से छूट दी जाए, ताकि छोटे कर्जदारों को जल्दी लोन मिल सके। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, नए नियमों से गोल्ड लोन सेक्टर में पारदर्शिता और लचीलापन आएगा। फाइनल गाइडलाइंस सोमवार तक जारी हो जाएंगी।

गोल्ड लोन एलटीवी क्या है?

एलटीवी यानी लोन-टू-वैल्यू रेशियो। एलटीवी का मतलब आपके गोल्ड की कुल वैल्यू के अनुपात में आपको कितना लोन मिलेगा। नए नियमों के बाद 1 लाख के गोल्ड पर 85,000 रुपए तक लोन मिल सकेगा।

लोन से पहले ध्यान रखें कुछ बातें

गोल्ड लोन लेने से पहले कई पहलुओं पर गौर करना जरूरी है। इनमें ब्याज दर, लोन-टू-वैल्यू रेशियो, प्रोसेसिंग फीस और कर्ज चुकाने की शर्त शामिल हैं। इन सबसे बढ़कर आपके द्वारा गिरवी रखे गए सोने की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको प्रतिष्ठित लेंडर (यानी गोल्ड लोन देने वाली फर्म) को चुनना चाहिए, जिनके पास सुरक्षित स्टोरेज या लॉकर फैसिलिटी या फिर इंश्योर्ड वॉल्ट हो।गोल्ड लोन एक सिक्योर्ड लोन है।

सोना गिरवी होने से लोन देने वाले का वित्तीय जोखिम कम होता है। गोल्ड लोन की प्रोसेसिंग में तुलनात्मक रूप से कम समय लगता है। इसमें ज्यादा कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं होती। गोल्ड की कीमतें बढ़ने पर आपका निवेश मूल्य बढ़ सकता है, जिससे गोल्ड लोन लेना एक फायदे का सौदा हो सकता है।

कितने समय के लिए ले सकते हैं लोन?

आम तौर पर आपको लोन चुकाने के लिए 3 से 2 साल तक का समय मिलता है। लेकिन यह बैंक और एनबीएफसी पर निर्भर करता है।

जैसे एचडीएफसी बैंक 3 महीने से दो साल तक के लिए कर्ज देता है। एसबीआई तीन साल तक के लिए देता है। मुथूट और मनापुरम ज्यादा समय तक के लिए कर्ज देते हैं।

आरबीआई के फैसलों के बाद बाजार में मजबूती

सेंसेक्स 747 अंक उछला, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का एलान होने के बाद घरेलू बाजार पर इसका सकारात्मक असर दिखा। रेपो रेट और सीआरआर में कटौती जैसे फैसलों ने बाजार में निवेशकों को आकर्षित किया। आरबीआई गवर्नर के एलानों के बाद उनकी ओर से मजबूत खरीदारी की गई जिसका पॉजिटिव असर प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों पर पड़ा। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 252.15 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 अंक पर आ गया। बैंक निफ्टी में भी मजबूती बढ़त दिखी और यह 817.55 (1.47%) अंक चढ़कर 56,578.40 के स्तर पर बंद हुआ। रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे कमजोर होकर 85.65 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ।

वित्त वर्ष 2026 के लिए जीडीपी अनुमान 6.5% पर बरकरार, एमपीसी के बाद क्या बोले आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार जून महीने की एमपीसी के फैसलों का एलान किया। इस दौरान केंद्रीय बैंक के मुखिया ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और नए अवसरों की तस्वीर पेश करती है।

जून तिमाही में वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की उम्मीद

आरबीआई गवर्नर ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 के विकास अनुमानों की तुलना वित्त वर्ष 2024-25 में दर्ज 6.5 प्रतिशत आर्थिक विकास से की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून तिमाही के लिए 6.5 प्रतिशत और सितंबर तिमाही के लिए 6.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान जताया है। वित्त वर्ष 26 की दिसंबर और मार्च तिमाहियों के लिए, जीडीपी वृद्धि क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

गवर्नर बोले- ब्याज दरों में कटौती से आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने शुक्रवार को बेंचमार्क नीति दर में 50 आधार अंकों की कटौती कर इसे 5.5 प्रतिशत कर दिया और कहा कि ब्याज दरों में अग्रिम कटौती से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, चूंकि वैश्विक माहौल अनिश्चित बना हुआ है, इसलिए मूल्य स्थिरता के बीच घरेलू स्तर पर विकास पर ध्यान देना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इसे देखते हुए, आज के फैसले को विकास को नए रास्ते पर ले जाने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए।

वैश्विक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने की चुनौती: मल्होत्रा

हर दो महीने के अंतराल के बाद होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने इसके फैसलों का एलान किया। उन्होंने बताया कि पूंजी प्रवाह और विनिमय दरों में बढ़ती अस्थिरता के बीच, उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों के पास वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ अपनी अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर रखने कठिन जिम्मेदारी है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में दिक्कतों के बावजूद हमारी इकॉनमी मजबूत व स्थिर

उन्होंने कहा, इस वैश्विक परिवेश में, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश करती है... बुनियादी बातों का यह मैट्रिक्स भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक प्रभावों से बचाने और इसे तेज गति से बढ़ने के लिए आवश्यक ताकत प्रदान करता है। मल्होत्रा ने विस्तार से बताते हुए कहा कि ताकत मजबूत बैलेंस शीट से आती है।

रेपो रेट में कमी के बाद भी कुछ बैंकों ने नहीं घटाई थी ईएमआई; आखिर क्या है पूरे खेल का गणित

रिजर्व बैंक ने आज रेपो दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर दी। इसके बाद रेपो रेट 5.5 प्रतिशत हो गया है। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व रेपो रेट 6.50 प्रतिशत था। उसके हिसाब से देखें तो रेपो दरों में सीधे एक प्रतिशत तक की भारी कटौती हुई है। रेपो दरों के कम होने से आम आदमी को यह उम्मीद होती है कि उसके होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई में कटौती हो जाएगी। यह आवश्यक नहीं है कि रेपो दरों में कमी के कारण आपकी ईएमआई भी कम हो जाए। दरअसल, कोरोना काल के बाद महंगाई को कंट्रोल करने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो दरों में बढ़ोतरी करना शुरू किया था। यह रिकॉर्ड 6.50 प्रतिशत तक हो गई थी। रेपो रेट (बैंकों को रिजर्व बैंक से मिलने वाले कर्ज पर ब्याज की दर) में बढ़ोतरी होने के बाद सभी बैंकों ने उपभोक्ताओं की ईएमआई में बढ़ोतरी कर दी। इस बढ़ोतरी के कारण लोगों की ईएमआई में उनके कर्ज के अनुसार दो-तीन हजार रूपये से लेकर 10-12 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी हो गई थी। इससे आम उपभोक्ताओं की कमर टूटने लगी थी। महंगाई के नियंत्रण में आने के बाद रिजर्व बैंक ने रेपो दरों में कटौती करना शुरू कर दिया। सबसे पहले इसी साल की फरवरी में 25 आधार अंकों की कमी की गई थी और इसके तुरंत बाद पिछले अप्रैल महीने में भी मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक के बाद रेपो दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर दी गई। इसका यह असर हुआ कि प्रमुख बैंकों ने रेपो दरों में कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया। सबसे पहले देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ब्याज दरों में कमी की घोषणा की थी।

रेस्टोरेंट में ऑर्डर पर बवाल, भड़के बिजली विभाग के जीएम, बाहर निकलते ही कटवा दी लाइट

विदिशा, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विदिशा में बिजली कंपनी के जीएम ने ऑर्डर को लेकर हुए विवाद के बाद रेस्टोरेंट की बिजली कटवा दी। ऐसे आरोप लगाते हुए रेस्टोरेंट संचालक ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, जीएम सरकारी गाड़ी में बीयर पीते हुए बायपास पर स्थित एक रेस्टोरेंट पर पहुंचे थे। रेस्टोरेंट के बंद करने का समय हो रहा था इसलिए उन्हें रेस्टोरेंट स्टाफ ने एक बार में ही ऑर्डर देने के लिए कहा था। इस बात से गुस्साए जीएम ने स्टाफ को धमकाते हुए रेस्टोरेंट की बिजली कटवा दी। विदिशा में बिजली कंपनी के जीएम अंकुर सेठ सरकारी गाड़ी में बैठकर बीयर पीते हुए भोपाल-सागर बायपास पर स्थित एक रेस्टोरेंट पहुंचे। यहां आकर उन्होंने खाने का ऑर्डर दिया तो स्टाफ बोला कि किचन बंद करने का समय हो रहा है। इसलिए आपको जो भी ऑर्डर करना है एक बार में ही दे दिजिए। इसी बात को लेकर जीएम ने धमकाते हुए कहा कि जब हम चाहेंगे तब तक बैठेंगे। इसके बाद उनकी स्टाफ से बहसबाजी होने लगी। इसके बाद उन्होंने कुछ ही मिनटों में रेस्टोरेंट की बिजली कटवा दी। जीएम ने इन आरोपों को खारिज करते हुए तकनीकी कारणों के बाद बिजली काटने की बात कही गई है। घटना की जानकारी देते हुए रेस्टोरेंट संचालक विनीत दांगी ने बताया कि देर रात करीब 12 बजे जीएम अंकुर सेठ सरकारी गाड़ी से उनके रेस्टोरेंट पहुंचे। इस दौरान वह काफी नशे में थे और वह हाथ बीयर की केन लेकर गाड़ी से नीचे उतरे। स्टाफ ने रेस्टोरेंट बंद होने की बात कहते हुए एक बार में ही ऑर्डर देने की बात कही थी, जिससे वह काफी भड़क गए। इसके बाद उन्होंने स्टाफ को धमकाते हुए कहा कि जब तक चाहेंगे तब तक बैठेंगे।

संजय राउत ने राहुल गांधी की हां में मिलाई हां कहा- 'तो व्लादिमिर पुतिन को भी पाक एजेंट बता देंगे'

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। उद्ध ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला है। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का क्रेडिट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ले लिया, तो संजय राउत ने दावा किया कि भारत सरकार अमेरिका के आगे झुक गई। अब इसी मुद्दे पर संजय राउत ने एक और बड़ा बयान दिया है। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने सवाल खड़ा किया कि क्या भारत इस बात से सहमत है? संजय राउत से जब राहुल गांधी के 'नरेंद्र सरेंडर' वाले बयान के बारे में सवाल किया तो संजय राउत ने कहा, आपने जिस ढंग से ट्रंप के दबाव में आकर संघर्षविराम किया, क्या आपने देश की संसद से पूछा? आप झुक गए, इसे सरेंडर ही कहते हैं। बता दें, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले यह दावा किया था कि डोनाल्ड ट्रंप ने नरेंद्र मोदी को फोन कर के कहा, 'नरेंदर सरेंडर' और पीएम ने सरेंडर कर दिया। इसी के साथ संजय राउत ने कहा, यह बात केवल हम नहीं कह रहे, बल्कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी यही कहा है। अब क्या आप पुतिन को भी पाकिस्तान का एजेंट बता देंगे? संजय राउत ने यह भी दावा किया, पाकिस्तान को एक बिलियन डॉलर देने वाले आईएमएफ के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर गए थे। 'विश्वगुरु' के कहने के बावजूद उन्होंने पकिस्तान को पैसा दे दिया। हमारा डेलिगेशन कुवैत चला गया। सवाल तो देश की जनता पूछेगी, डर क्यों लगता है आपको?

'पीएम मोदी खुद जी7 समिट में नहीं जाना चाहते थे'

पीएम मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर सिंदूर का पौधा लगाया गया। इसपर तंज कसते हुए संजय राउत ने कहा कि सिंदूर का पेड़ लगाने से अच्छा है हमारे सवालों का जवाब दीजिए। जी7 में पीएम मोदी को क्यों नहीं बुलाया गया? संजय राउत ने दावा किया कि पीएम मोदी खुद भी नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि उनको डर है कि अगर वह चले गए और सामने से डोनाल्ड ट्रंप ने बोल दिया कि उन्होंने जंग रुकवाई, तब तो वो कुछ बोल भी नहीं पाएंगे।

सोनम के पापा ने घर के बाहर लगाई बेटी की उल्टी तस्वीर

इंदौर, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के बहुचर्चित राजा रघुवंशी-सोनम की हनीमून मिस्ट्री मामले में अब नया मोड़ सामने आया है। मेघालय के शिलांग में राजा रघुवंशी की संदिग्ध हालत में शव मिलने के बाद पुलिस लापता सोनम की तलाश कर रही है। वहीं इस बीच सोनम के पिता ने अपनी बेटी की वापसी के लिए एक चौंकाने वाला कदम उठाया है। दरअसल, सोनम के पिता ने बेटी को सही सलामत घर वापस लाने के लिए एक टोटके का सहारा लिया है। उन्होंने अपने घर के बाहर सोनम की उल्टी तस्वीर लटकाई है। उन्होंने तस्वीर के साथ एक नारियल भी बांधा है। सोनम के पिता देविसिंह ने बताया कि उन्होंने बेटी की सलामती के लिए ज्योतिष का सहारा लिया है। उनके कहने पर सोनम ने घर के गेट पर बेटी की उल्टी तस्वीर लगाई है। इसके साथ ही उन्होंने गेट पर नारियल भी बांधा है। उन्होंने कहा कि उन्हें ईश्वर पर भरोसा है कि उनकी बेटी जल्द ही सही सलामत घर वापस आएगी। इसके अलावा सोनम के परिवार ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से भी गुहार लगाई है। सोनम के पिता देविसिंह ने कहा कि उनकी बेटी काफी होनहार थी। बता दें कि राजा रघुवंशी-सोनम 20 मई को हनीमून के लिए इंदौर से शिलांग गए थे। 23 मई को दोनों ने परिजनों से आखिरी बार बात की थी। 24 मई के बाद से परिवार का दोनों के साथ कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

ईडी कार्यालय में लगी आग से मंत्री भुजबल का पासपोर्ट क्षतिग्रस्त

अदालत ने विदेश यात्रा की अवधि 12 जून तक बढ़ाई

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। मुंबई के प्रसिद्ध 'कैसर-ए-हिंद' इमारत में अप्रैल के अंतिम सप्ताह में लगी भीषण आग का असर अब राजनीतिक हलकों तक पहुंच चुका है। महाराष्ट्र सरकार में वरिष्ठ मंत्री छगन भुजबल और उनके पुत्र पंकज भुजबल की विदेश यात्रा पर इसका सीधा असर पड़ा, क्योंकि इस आग में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई कार्यालय में रखे उनके पासपोर्ट क्षतिग्रस्त हो गए।इस वजह से तय समय पर यात्रा नहीं हो सकी और अब विशेष अदालत ने दोनों को मिली यात्रा की अनुमति की अवधि 12 जून तक बढ़ा दी है।

पूरा मामला क्या है?

29 अप्रैल 2024: विशेष अदालत ने छगन भुजबल और उनके बेटे को विदेश यात्रा की अनुमति दी थी। अदालत ने ईडी द्वारा जब्त पासपोर्ट वापस करने का आदेश भी उसी दिन दिया था। 27 अप्रैल 2024: इससे ठीक दो दिन पहले, दक्षिण मुंबई स्थित 'कैसर-ए-हिंद' इमारत, जिसमें ईडी का दफ्तर है, वहां भीषण आग लग गई थी। आग पर काबू पाने में 12 घंटे से अधिक समय लगा। इसी दौरान ईडी कार्यालय में सैकड़ों महत्वपूर्ण दस्तावेजों को नुकसान हुआ। 13 मई को जब भुजबल को उनका पासपोर्ट मिला, तो वह भीगा हुआ और आंशिक रूप से फटा हुआ था जिससे उसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय यात्रा में असंभव हो गया।

नया पासपोर्ट और वीज़ा मिलने में देरी

भुजबल ने उसी समय नए पासपोर्ट के लिए आवेदन कर दिया, लेकिन प्रक्रिया में समय लग गया। 22 मई को वीज़ा जारी हुआ, जो 28 मई से वैध था। इसके चलते वे अपनी पहले से तय यात्रा (24 मई से 8 जून) के बीच विदेश नहीं जा सके। भुजबल ने अदालत को बताया कि उन्होंने 28 मई से विदेश यात्रा शुरू की है। चूंकि उनका पूरा कार्यक्रम आग की घटना के चलते प्रभावित हुआ, इसलिए उन्होंने यात्रा की अवधि बढ़ाकर 12 जून तक करने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

कानूनी अनुमति क्यों जरूरी थी?

गौरतलब है कि छगन भुजबल और उनके बेटे पंकज मनी लॉन्ड्रिंग के एक पुराने मामले में जांच के दायरे में रहे हैं। हालांकि उन्हें अंतरिम जमानत मिली हुई है, लेकिन विदेश यात्रा के लिए अदालत की पूर्व अनुमति अनिवार्य होती है। ईडी ने इस मुद्दे पर कोई आपत्ति नहीं जताई, जिससे अदालत ने भी मानवीय आधार पर प्रतिकूल परिस्थिति को समझते हुए राहत दी।

लूटकांड के आरोपी ही निकले एमव्हीएम कॉलेज झपटमारी के आरोपी

भोपाल, 6 जून (एजेंसियां)। शाहजहानाबाद इलाके में चाकू से हमला कर मोबाइल कारोबारी का रुपयों से भरा बैग छीनने वाले बदमाशों ने इसी दिन सुबह एमव्हीएम कॉलेज के गेट पर नाबालिग खिलाड़ी के हाथ से मोबाइल फोन छीना था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से मिले हुलिए का जब शाहजहानाबाद पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों से मिलान किया तो वही मोबाइल झपटने के आरोपी भी निकले। जहांगीराबाद पुलिस जल्द ही उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

इलाके में रहने वाला अब्दुल हादी हॉकी खिलाड़ी है। रोजाना की तरह गत एक जून को वह एमव्हीएम कॉलेज के मैदान पर हॉकी खेलने के लिए पहुंचा था।

गोवा में 3 लोगों से जब्त की गई 5.75केजी व्हेल की उल्टी, करोड़ों रुपये है इसकी कीमत

पणजी, 6 जून (एजेंसियां)। दक्षिण गोवा से तीन व्यक्तियों के पास से व्हेल का एम्बरग्रीस (व्हेल की उल्टी) बरामद किया गया है। इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। अधिकारी ने बताया, संगुएम गांव में एक कार को रोका गया, जिसमें से 5.75 किलोग्राम मोम जैसा पदार्थ जब्त किया गया। इस पदार्थ का उपयोग इत्र उद्योग में होता है। दरअसल, यह मोम जैसे पदार्थ व्हेल का एम्बरग्रीस होता है, जो उसकी आंतों में उत्पन्न होता है। इस पदार्थ को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची आईआई के तहत संरक्षित किया गया है। इस एम्बरग्रीस का भारत में व्यापार या फिर इसे रखना प्रतिबंधित है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया व्हेल की उल्टी की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 10 करोड़ रुपये हो सकती है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा करते हुए बताया की दो की पहचान गोवा निवासी साईनाथ शेट और रत्नकांत करापुरकर के रूप में हुई है, जबकि तीसरे की पहचान महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग निवासी योगेश रेडकर के रूप में हुई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि एम्बरग्रीस व्हेल के आंतों में बनता है। यह पदार्थ तब बनता है जब व्हेल अपचनीय पदार्थों का सेवन कर ले और उन पदार्थों को बाहर निकालने के लिए व्हेल ये बनाती है। बाहर निकलने के बाद एम्बरग्रीस समुद्र में तैरता है। लोग इसे खोजकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की कोशिश करते हैं, क्योंकि इसकी काफी ज्यादा कीमत होती है। हालांकि, इसे खोज पाना इतना आसान नहीं है, इसलिए इसकी कीमत ज्यादा है। मोम की तरह दिखने वाले व्हेल के एम्बरग्रीस की गुणवत्ता की वजह से डिमांड काफी ज्यादा है और इसकी कीमत प्रति किलोग्राम 40 हजार डॉलर तक हो सकती है। इसे फ्लोटिंग गोल्ड के नाम से भी जाना जाता है।

तेजस्वी यादव ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार को फिर सुनाया

पीएमसीएच. से लेकर एम्स तक की पोल खोली

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर उन पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं। उनसे बिहार नहीं संभल रहा है। वह थक चुके हैं। तेजस्वी यादव पटना में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। तेजस्वी यादव ने बिहार की बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार पर आरोप लगाए। कहा, बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए हैं। आए दिन अपराधी खुलेआम अपराध को अंजाम दे रहे हैं। मुझे नहीं पता है कि सरकार कौन सा नशा कर सोई हुई है। बलात्कार की घटना होती है तो उपमुख्यमंत्री शपथ-कसम खिलाने का काम कर रहे हैं। आज बिहार की यह स्थिति यह बन गई है। इसे 'महाजंगलराज' न कहा जाए तो क्या कहें। नेता प्रतिपक्ष ने बिहार की चरमराई अस्पताल व्यवस्था पर नीतीश सरकार को घेरते हुए कहा, अस्पताल में भ्रष्ट अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। एक अधिकारी जिसे हमारी सरकार के गिरने के बाद ही एक्सटेंशन दिया गया। सवाल यह है कि उस अधिकारी से कोई और काबिल अधिकारी नहीं जो पीएमसीएच चला सके। एम्स में स्थिति यह है कि लोग सड़कों पर लेटने को मजबूर हैं क्योंकि एम्स में लोगों को बेड नहीं मिल रहा है। केंद्र और राज्य सरकार में माफिया हावी है। इन्हें जनता की परेशानी से कुछ भी लेना देना नहीं है। राज्य सरकार पीड़ा देने का काम कर रही है।

बारिश या चिलचिलाती गर्मी: दिल्ली में अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से गर्मी से राहत मिलने के बाद राजधानी दिल्ली में एक बार फिर गर्मी अपने तेवर दिखाने वाली है। भारत मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 5 से 7 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। मौसम विभाग द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, गर्मी बढ़ने के बावजूद इस अवधि के दौरान लू चलने की कोई संभावना नहीं है। आईएमडी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (3-6 डिग्री सेल्सियस) और अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

40 डिग्री पार पहुंच जाएगा तापमान

आईएमडी के सात-दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार से मौसम साफ हो जाएगा। अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने की संभावना है, जो अगले सप्ताह की शुरुआत तक 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

अन्य राज्यों में कैसा रहेगा मौसम?

वहीं, दूसरी तरफ कई राज्यों में हुई बारिश ने लोगों का जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। बारिश से एक तरफ राजस्थान, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में बारिश से लोगों ने चैन की सांस ली। वहीं, दूसरी ओर पूर्वोत्तर राज्य के लोग बारिश से बनी बाढ़ जैसी स्थिति से परेशान नजर आ रहे हैं। आईएमडी के अनुसार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर हल्की और मध्यम बारिश के साथ-साथ गरज के साथ बिजली चमकने और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

महाराष्ट्र के विदर्भ में तेज बारिश का अलर्ट

अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कई इलाकों में हल्की और मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। 6 से 7 जून के दौरान मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर हल्की और मध्यम बारिश, गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंचने वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज यानी 6 जून से 9 जून तक महाराष्ट्र के विदर्भ इलाके तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

व्हॉट्सएप पर भगवान राम की डीपी

मीठी बातें कर प्रेम जाल में फंसाया, जासूसी करवाने के लिए इस हद तक गिरा पाकिस्तान

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र एटीएस की जासूसी मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पाकिस्तानी खुफिया नेटवर्क ने भारत में ऑपरेट करने के लिए न सिर्फ हनीट्रैप का सहारा लिया, बल्कि व्हाट्सएप और टेलीग्राम अकाउंट्स की प्रोफाइल फोटो में भगवान राम-सीता और प्रसिद्ध मंदिरों की तस्वीरें लगाकर भारत के डिजिटल माहौल में घुलने-मिलने की कोशिश भी की थी। सूत्रों ने बताया कि इन प्रोफाइल्स की लोकेशन टैगिंग भी मंदिरों और धार्मिक स्थलों से जोड़ी गई थी, ताकि ये नंबर 'देशी' लगें और किसी को शक न हो। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह सांस्कृतिक प्रतीकों के जरिए भरोसा जीतने और शक से बचने की एक सोची-समझी रणनीति थी। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी रवि वर्मा को गुरुवार को ठाणे की कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वर्मा पर भारतीय वॉरशिप से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप है। एटीएस ने कोर्ट में कहा था कि उन्हें नए इलेक्ट्रॉनिक सबूत मिले हैं, जिसकी जांच के लिए और रिमांड चाहिए, लेकिन कोर्ट ने इसे ठुकरा दिया। रवि वर्मा की ओर से एडवोकेट रुपाली शिंदे ने कोर्ट में दलील दी कि एटीएस की जांच में विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि एजेंसी एक महिला को 'प्रीति जायसवाल' बता रही है, जबकि रवि वर्मा से संपर्क में आने वाली महिला खुद को 'जसप्रीत' कहती थी और दिल्ली या पंजाब की निवासी बताती थी। एटीएस अधिकारियों ने इस पर कहा कि 'प्रीति जायसवाल' और 'सर' जैसे नाम दरअसल पाकिस्तान खुफिया ऑपरेटिव (पीआईओ) नेटवर्क द्वारा इस्तेमाल किए गए फर्जी नाम हैं।

राहुल गांधी के लंगड़े घोड़े वाले बयान पर बवाल

दिव्यांगजन नाराज, कहा- कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क से संसद तक जाएंगे

भोपाल, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लंगड़े घोड़े वाले बयान पर मध्य प्रदेश में बवाल शुरू हो गया है। संसद में विपक्ष के नेता के शब्दों पर दिव्यांगजनों ने आपत्ति जताई है और इसे अपमानजनक करार दिया है। पद्मश्री से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय पैरा स्विमर ने राहुल गांधी के बयान को दिव्यांगजनों की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी कहा है कि राहुल गांधी का बयान दिव्यांगजनों का अपमान करने वाला है। मध्य प्रदेश दिव्यांग खेल समिति ने राहुल गांधी के बयान के खिलाफ राज्य के खेल मंत्री को ज्ञापन दिया है। पैरा ओलंपिक संघ के खिलाड़ी भोपाल में खेलमंत्री विश्वास सारंग के घर पहुंचे और राहुल गांधी हाय-हाय के नारे के साथ मंत्री को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वह सड़क से लेकर संसद तक जाएंगे।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

भोपाल में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं की तीन कैटेगरी बताई थीं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में तीन तरह के घोड़े होते हैं, रेस के, बारात के और लंगड़े घोड़े। इसके बाद उन्होंने कहा था कि रेस के घोड़ों को दौड़ाया जाएगा। बारात के घोड़ों को बारात में भेजा जाएगा और लंगड़े घोड़ों को थोड़ा चारा-पानी देकर रिटायर कर दिया जाएगा। राहुल गांधी का आशय पार्टी के कर्मठ और कामचोर नेताओं से था। हालांकि, अब उनके शब्दों के चयन को लेकर बवाल हो रहा है।

राहुल का पूरा बयान

राहुल ने कहा था रेस के घोड़े और बारात के घोड़े को अलग तो करना ही पड़ेगा और पहले मैं कहता था, दो टाइप के हैं, एक रेस का घोड़ा है। कांग्रेस पार्टी कभी-कभी रेस के घोड़े को बारात में भेज देती है। यह कमलनाथ ने कहा है और कभी-कभी बारात के घोड़े को रेस की लाइन में खड़ा कर देती है। उसको पीछे से चाबुक पड़ता है, वह वहीं बैठ जाता है। मगर एक तीसरी कैटेगरी है, एक हुआ रेस का दूसरा हुआ बारात का और तीसरा होता है, कौन सा होता है? लंगड़ा घोड़ा। यह छांटना है हमें। लंगड़ा कौन सा, रेस का कौन सा है, बारात का कौन सा है। बारात वाले को बारात में भेजना है, रेस वाले को रेस में डालना है और लंगड़े वाले को रिटायर करना है कि भैया यह लो थोड़ी सी घास, चारा घास खाओ, घांस खाओ, पानी पियो, रिलैक्स करो, बाकी लोगों को तंग मत करो। बाकी घोड़े को डिस्टर्ब मत करो नहीं तो फिर कार्रवाई करनी पड़ेगी। जो लंगड़ा घोड़ा होता है, जो डिस्टर्ब करता है उसके साथ क्या होता है, जानते हो वह मैं नहीं कहूंगा।

अंडरपास से गुजर रहे हिरण, गजराज

देहरादून, 6 जून (एजेंसियां)। देहरादून- दिल्ली एक्सप्रेस वे पर आवागमन को त्वरित, सुविधाजनक बनाने के साथ वन्यजीवों की फिक्र के तहत 14 किमी अंडरपास निर्मित किया गया है। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया के अंडरपास में वन्यजीवों की हलचल देखने के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में हाथी, हिरण समेत अन्य वन्यजीव गुजरते हुए दिख रहे हैं। वनाधिकारियों के अनुसार संभावना है कि नीचे का रास्ता पूरी तरह बंद होगा, उसके बाद वन्यजीवों की हलचल में और बढ़ोतरी होगी। दून- दिल्ली एक्सप्रेस वे की योजना का खाका खींचा जा रहा था, तो वन्यजीवों के आवागमन के मद्देनजर भारतीय वन्यजीव संस्थान ने अध्ययन किया था, इसके बाद संबंधित क्षेत्र में 14 किमी अंडरपास की योजना बनी, यह कार्य पूरा हो चुका है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को आखिरकार मिला सरकारी बंगला, 47 लाख में हो रहा रंग-रोगन

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को आखिरकार सरकारी बंगला मिल गया है। हालांकि अभी उनके शिफ्ट होने में समय लगेगा क्योंकि वहां पर रंग-रोगन का काम चल रहा है। मामले से जुड़े अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को कार्यभार संभालने के 100 दिन बाद उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस स्थित सरकारी बंगला अलॉट किया गया है और वह वहां जा सकती हैं। लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी आवंटन पत्र के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आधिकारिक आवास अब उत्तरी दिल्ली में सिविल लाइंस के पास राज निवास मार्ग पर प्लॉट नंबर 8 होगा। इस प्लॉट पर 4 बंगले बने हुए हैं। मुख्यमंत्री को नंबर एक और नंबर 2 बंगला दिया जाएगा। बहुत संभावना है कि मुख्यमंत्री बंगला नंबर एक में रहें और दूसरे को कैंप ऑफिस के रूप में इस्तेमाल करें।

एलजी के सचिवालय के पास था बंगला नंबर 1

प्लॉट नंबर 8 पर जो 2 अन्य बंगले (नंबर 3 और नंबर 4) हैं वो क्रमशः डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट और समाज कल्याण मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह के पास हैं। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया, "बंगला नंबर 1 का इस्तेमाल उपराज्यपाल के सचिवालय के लिए किया जा रहा था, जिसे अब खाली कराया जा रहा है। बंगला नंबर 2 पहले विधायक अभय वर्मा को आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने इसे सरेंडर करने का फैसला किया, जिसके बाद यह बंगला सीएम को आवंटित कर दिया गया है।" मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि ये बंगले आवासीय आवास के आवंटन के संबंध में गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री को जेड स्तर की सुरक्षा मिली हुई है। अधिकारियों का कहना है कि सीएम रेखा ने बंगले के लिए डीडीयू मार्ग और सिविल लाइंस पर कम से कम 7-8 बंगले देखे थे। वह फिलहाल अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में अपने पारिवारिक घर में रह रही हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने आवंटन पर पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

इस बीच एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के आवास को लेकर आवंटन पत्र जारी कर दिया गया है और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने आवास की मरम्मत और नया लुक देने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, "हम यहां पर कुछ मरम्मत और नवीनीकरण का काम करवा रहे हैं। यह काम पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री वहां चली जाएंगी। इस संबंध में आवंटन पत्र भी जारी कर दिया गया है।" अधिकारी का कहना है कि आवास के रिनोवेट कराए जाने की अनुमानित लागत 47 लाख रुपये है। माना जा रहा है कि यह काम 60 दिनों में पूरा हो जाएगा।

मंत्रियों को पहले ही मिल चुके हैं आवास

इससे पहले, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल 6 फ्लैग स्टाफ रोड पर रह रहे थे, जो सिविल लाइंस में ही स्थित है। फरवरी में दिल्ली में हुए चुनाव में बीजेपी ने आम आदमी पार्टी को हराया था और सत्ता में वापसी की थी। दिल्ली में बीजेपी की नई सरकार में अधिकांश कैबिनेट मंत्रियों को पहले ही राजधानी में आधिकारिक आवास आवंटित किए जा चुके हैं। इस बीच, मंत्रियों और दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को बंगले आवंटित करने वाले लोक निर्माण विभाग ने कैंप ऑफिस बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के इतिहास में पहली बार होगा ये काम!

आज तक कभी ऐसा नहीं फंसा कोई जज

प्रयागराज, 6 जून (एजेंसियां)। कैश कांड में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद के मानसून सत्र में महाभियोग लाए जाने की तैयारी है। यह दावा सूत्रों ने किया है। जस्टिस यशवंत वर्मा कैशकांड में उस वक्त फंसे जब वह दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे और उनके घर आग लग गई। आग बुझाने पहुंची दमकलकर्मियों के समूह को एक कमरे से काफी तादाद में रुपये मिले। यह घटना 14 मार्च को हुई थी। इसके बाद काफी आरोप-प्रत्यारोप के बाद उन्हें उनके पैरेंट कोर्ट- इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला कर दिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट आने से पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय को यह निर्देश दिया कि यशवंत वर्मा को कोई न्यायिक कार्य न दिया जाए। फिर जब उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट हुआ तब भी यब जारी रहा और जस्टिस यशवंत वर्मा अभी तक न्यायिक कार्य से दूर रखे गए हैं। इतना ही नहीं उनके इलाहाबाद हाईकोर्ट आने से पहले यहां के बार एसोसिएशन ने जमकर विरोध किया और सुप्रीम कोर्ट तक पर गंभीर आरोप लगाए थे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने यहां तक कह दिया था कि सुप्रीम कोर्ट पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की तरह व्यवहार कर रहा है।

क्यों लगेगा हाईकोर्ट पर 'दाग'?

बाद में जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की जांच के लिए मार्च-अप्रैल 2025 के दौरान एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई गई जिसमें उनके खिलाफ लगे आरोप सही पाए गए। भारत के पूर्व प्रमुख न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई में तीन न्यायाधीशों की समिति गठित बनी जिसने 45 मिनट तक घर का निरीक्षण करके दिल्ली पुलिस व फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी जुटाई। फिर उपरोक्त फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने मई 2025 में अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पास भेज दी। कमेटी की रिपोर्ट के 2 हफ्तों बाद यह सूचना आई कि केंद्र सरकार यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू कर सकती है। अब अगर जस्टिस वर्मा, महाभियोग के जरिये अपने पद से हटाए गए तो इलाहाबाद हाईकोर्ट के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब यहां के किसी न्यायाधीश को इस तरह से पदच्युत किया जाएगा। सन्, 1948 में स्थापित इलाहाबाद हाईकोर्ट में नियुक्त कोई भी न्यायाधीश, आज तक ऐसी प्रक्रिया से नहीं गुजरा है। अगर वर्मा महाभियोग के रास्ते पद से हटे तो हाईकोर्ट के इतिहास में यह 'दाग' पहली बार लगेगा।हालांकि जस्टिस यशवंत वर्मा की ओर से कहा गया कि उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। खुद के घर में बरामद कैश को उन्होंने साजिश करार दिया।

अभी तक किन न्यायाधीशों के खिलाफ मांग महाभियोग की हुई?

अभी तक देश में पांच न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू हुई या मांग की गई। सबसे पहले वर्ष 1993 में वी। रामास्वामी जे के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया, दो तिहाई बहुमत न मिलने की वजह से प्रस्ताव गिर गया। फिर वर्ष 2011 में सौमित्र सेन जे के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया कि जो कि पास हो गया था।

इसी तरह वर्ष 2015 में राज्यसभा के 58 सदस्यों ने जस्टिस जेबी पादरीवाला के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया था। इसी वर्ष में राज्यसभा के 50 सदस्यों ने जस्टिस एसके गंगेले के खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव पर दस्तखत किए थे।फिर वर्ष 2017 में राज्यसभा सांसदों ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के हाईकोर्ट के जस्टिस सीवी नागार्जुन रेड्डी जे के खिलाफ प्रस्ताव दिया था। साल 2018 में भी विपक्षी दलों ने एक मसौदे पर दस्तखत किए थे जिसमें तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई की मांग की गई थी।

फिदायीन आतंकियों को घुसपैठ कराने वाला फरहान नहीं होगा रिहा राज्यपाल ने खारिज की रिहाई याचिका

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश से संचालित आतंकी संगठन के फिदायीन आतंकियों को भारत में घुसपैठ कराने वाला राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज निवासी फरहान जेल से रिहा नहीं हो पाएगा। वाराणसी जेल में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे फरहान की समयपूर्व रिहाई की याचिका राज्यपाल ने खारिज कर दी है। उसे वर्ष 2006 में चार साथियों के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस बाबत जारी आदेश के मुताबिक फरहान ने अपने साथियों के साथ मिलकर बांग्लादेश से संचालित फिदायीन आतंकी संगठन हरकत-उल-जेहाद-अल-इस्लामी के आतंकियों को भारत में घुसपैठ कराई थी। इस मामले में उसे लखनऊ की फास्ट ट्रैक कोर्ट 23 जनवरी 2008 को उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

कारागार विभाग को आदेश जारी कर दिया गया

हाईकोर्ट में उसकी अपील अभी लंबित है। जेल में करीब 19 वर्ष की सजा भुगतने के बाद उसने समयपूर्व रिहाई की याचिका दी थी। लेकिन, लखनऊ जिला व पुलिस प्रशासन और प्रोबेशन बोर्ड ने उसकी रिहाई की संस्तुति नहीं की। इसके बाद राज्यपाल ने उसकी याचिका को खारिज कर दिया है। शासन ने इस बाबत कारागार विभाग को आदेश जारी कर दिया गया है।

इंपायर क्लीनिक का लाइसेंस निरस्त

दो साल से नहीं कराया था नवीनीकरण, इसलिए करना पड़ेगा इंतजार

कानपुर, 6 जून (एजेंसियां)। कानपुर में हेयर ट्रांसप्लांट के बाद हुई दो इंजीनियरों की मौत से चर्चा में आए केशवपुरम के इंपायर क्लीनिक का लाइसेंस निरस्त हो गया है। अब इसका नवीनीकरण भी नहीं किया जाएगा। सीएमओ डॉ। हरिदत्त नेमी ने बताया कि लाइसेंस के लिए नए सिरे से आवेदन करना पड़ेगा। जब तक कोर्ट केस चल रहा है, तब तक आवेदन भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। बुधवार को पुलिस की जांच में इंपायर क्लीनिक में हेयर ट्रांसप्लांट किए जाने के साक्ष्य मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग लाइसेंस निरस्त होने की बात कहकर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है, लेकिन यह सवाल पैदा हो गया है कि दो साल से लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ, तो क्लीनिक चल कैसे रहा था? सीएमओ ने बताया कि क्लीनिक का दो साल से नवीनीकरण नहीं हुआ। इसके चलते लाइसेंस खुद ही निरस्त हो गया है। क्लीनिक का लाइसेंस बीडीएस डिग्री पर दिया गया, इसमें हेयर ट्रांसप्लांट जैसी प्रक्रिया करने का इजाजत नहीं है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। कोर्ट का निर्णय आने के बाद कोई कार्रवाई की जाएगी। बिना लाइसेंस क्लीनिक संचालन की बात पर उन्होंने कहा कि इसे देखा जाना चाहिए था। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि क्लीनिक संचालक डॉ। सौरभ त्रिपाठी ने नवीनीकरण के लिए दूसरी बार आवेदन ही नहीं किया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने अवैध रूप से चल रही इंपायर क्लीनिक पर दो साल कोई कार्रवाई नहीं की। लाइसेंस का नवीनीकरण न होने पर इसकी जांच कर बंद नहीं कराया। इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

अपने पुराने अंदाज में लौट आए तेज प्रताप यादव, 15 शब्दों में कही दमदार बात

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपने पुराने अंदाज में लौट आए हैं। इसका सबूत उन्होंने एक वीडियो शेयर कर दिया है। इतना ही नहीं शुक्रवार तड़के उन्होंने एक्स पर जो अपना वीडियो पोस्ट किया है उसके साथ 15 शब्दों में दमदार बात भी कह दी है। तेज प्रताप यादव ने जो वीडियो शेयर किया है वो उनके कार्यालय का है। उन्होंने कार्यालय में घुसते हुए अपना वीडियो शूट कराया और फिर उसे पोस्ट किया है। वीडियो में दिख रहा है कि कार्यालय में लालू यादव और राबड़ी देवी की तस्वीर लगी है। तेज प्रताप यादव अपने अंदाज में कार्यालय में घुसते हैं और फिर कुर्सी पर जाकर बैठते हैं। वीडियो को पोस्ट करते हुए तेज प्रताप यादव ने एक्स पर इंग्लिश में एक लाइन लिखी है जिसका हम यहां आपको 15 शब्दों में हिंदी अनुवाद बता रहे हैं, हमारे सभी सपने साकार हो सकते हैं, यदि हममें उन्हें पूरा करने का साहस हो। बता दें कि 12 साल पुराने रिश्ते (प्यार) के खुलासे के बाद तेज प्रताप यादव को उनके पिता और आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। परिवार से भी बाहर कर दिया है। अनुष्का यादव और तेज प्रताप के मामले में पिता लालू ने नहीं नहीं बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों ने भी किनारा कर लिया है। कुछ दिनों तक शांत रहने के बाद अब तेज प्रताप ने अपना यह वीडियो शेयर किया है। हालांकि पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव कई पोस्ट कर चुके हैं। तेज प्रताप ने एक पोस्ट में लिखा था, मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है।

सड़क पर बकरीद की नमाज अदा की तो होगी एफआईआर

मेरठ, 6 जून (एजेंसियां)। बकरीद की नमाज सड़क पर नहीं होने दी जाएगी। कप्तान ने स्पष्ट कर दिया कि मस्जिद और ईदगाह के अंदर ही नमाज अदा हो सकेगी। ईदगाह के अलावा फैज-ए-आम इंटर कालेज के अंदर ही नमाज अदा कराई जाएगी। पुलिस और प्रशासन ने धर्म गुरुओं से बात कर पालन करने के लिए आदेश दिए है। चेतावनी दी गई कि बिना अनुमति के सड़क पर कोई भी धार्मिक कार्यक्रम नहीं हो सकेगा। आदेश किया गया कि ईद की तर्ज पर ही सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। एसएसपी विपिन ताडा ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों की मीटिंग ली है। सभी को आदेश दिया गया कि सड़क पर नमाज अदा करने पर पूर्णतय रोक लगाएं। शासन स्पष्ट का स्पष्ट निर्देश है कि बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थल या सड़कों पर धार्मिक आयोजन नहीं कराया जाएगा। बकरीद पर ईदगाह में सड़क पर नमाज अदा नहीं करने दी जाएगी। इसके लिए ईदगाह पर अतिरिक्त सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सात थाना प्रभारी, तीन सीओ तथा एसपी सिटी खुद मौजूद रहेंगे। इसके अलावा अर्धसैनिक बल, आरएएफ की एक कंपनी को भी लगा दिया गया है। नमाज अदा करने की वीडियो भी बनाई जाएगी, ताकि सड़क पर नमाज अदाकर माहौल बिगाडने वालों पर कार्रवाई हो सकें। वीडियो को आधार बनाकर पुलिस संबंधित थानों में मुकदमा भी दर्ज करेगी। पुलिस ने बकरीद पर सुरक्षा का प्लान जारी कर दिया है। पुलिस बाइक स्टंट करने वालों पर खासतौर पर नजर रहेगी। ड्रोन से निगरानी की जाएगी। स्टंट करने वालों को रोकने के लिए शहर में 39 बैरियर लगाए जाएंगे। शहरभर में निगरानी के लिए तीन स्थानों पर ड्रोन उड़ाया जाएगा। सुरक्षा के मद्देनजर जनपद को 14 जोन और 31 सेक्टरों में बांटा है।

जासूसी के लिए महिलाएं क्यों? पाक की गोदी में बैठने वाले तुफैल-हारून ने खोले ये राज

वाराणसी, 6 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के वाराणसी से तुफैल और दिल्ली से गिरफ्तार हारून की रिमांड खत्म हो चुकी है। दोनों आरोपियों की रिमांड के दौरान यूपी एटीएस को उनके काम करने के अंदाज को लेकर बेहद चौंकाने वाली जानकारी हासिल हुई है। साथ ही इस बात का भी खुलासा हुआ है कि जासूसी के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं की मांग क्यों की जा रही थी। यूपी एटीएस के सूत्रों ने दावा किया है कि पुलिस की पूछताछ में तुफैल और हारून ने कई चौंकाने वाली जानकारियों को शेयर किया है। पाकिस्तान के हाई कमीशन में काम करने वालों के इशारों पर इन दोनों ने जासूसी करने की बात को कबूला है। साथ ही दोनों ने नए मॉड्यूल को कैसे जमीन पर उतारा जाए इसका पूरा खांका यूपी पुलिस की एटीएस विंग को बताया है। दोनों से एटीएस की पूछताछ में ये बात सामने आई है कि पाकिस्तान हाईकमीशन में काम करने वाले मुज्जमिल से दोनों सीधे संपर्क में थे। मुज्जमिल ने इन दोनों को जासूसी के लिए अपने स्लीपर सेल में कुछ

महिलाओं की भर्ती करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद इन लोगों ने कई महिलाओं और लड़कियों से संपर्क किया था। वाराणसी से गिरफ्तार तुफैल ने दावा किया है कि महिलाओं को भर्ती तो करना था, लेकिन उन्हें ये बात नहीं बतानी थी की उनका इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जा रहा है। उन्हें जानकारी देने, फोटो-वीडियो उपलब्ध कराने, किसी खास मकसद से विशेष व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही गई थी। इस पर एटीएस ने जब तूफैल से काउंटर सवाल किया तो तूफैल ने बताया की शुरुआत में कुछ महिलाओं से जासूसी को लेकर बातचीत की गई थी, लेकिन इस शब्द के सामने आने के बाद महिलाएं पीछे हट गई , जिसके बाद इन्होंने उनकी भर्ती या उनका इस्तेमाल सिर्फ सूचना उपलब्ध कराने के लिए करने का फैसला किया था। यूपी पुलिस उनके बयानों की तस्दीक करने की कोशिश कर रही है और किन-किन जिलों की किन-किन महिलाओं से ये संपर्क में रहे हैं या अब तक इस्तेमाल हुआ है या नहीं इसको जानने की कोशिश कर रही है।

जासूसी के लिए महिलाओं की मांग क्यों?

तूफैल और हारून से रिमांड की पीरियड के दौरान ये भी जानने की कोशिश की गई है कि आखिरकार जासूसी के लिए महिलाओं को इस्तेमाल करने के पीछे मंशा क्या है? इस सवाल के जवाब पर दोनों ने बताया की महिलाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को जल्दी शक नहीं होता या वो शक के दायरे में जल्द नहीं आती है, इसलिए इस बार इस काम के लिए इनकी भर्ती करने या इनकी मदद लेने का फैसला किया गया था। पूछताछ में उन तीनों लोगों तक भी पहुंचने की कोशिश की जा रही है, जिनके बैंक खातों में हारून ने जासूसी में इस्तेमाल होने वाली रकम ट्रांसफर करवाई थी। फिलहाल, इन दोनों की रिमांड खत्म हो गई है और इन्हें जेल वापस भेज दिया गया है।

अराजकतत्वों ने हनुमान मंदिर के पास फेंका मांस का टुकड़ा, लोगों में आक्रोश; पुलिस ने मामला संभाला

अमेठी, 6 जून (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी में प्राचीन हनुमान मंदिर के पास अराजकतत्वों ने मुर्गे का मांस फेंक दिया। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। सुबह दर्शन को मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने मांस का टुकड़ा देखा तो हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी पहुंच गए। घटना संग्रामपुर क्षेत्र के शीतलागंज पुन्नपुर गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पास की है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी मनोज मिश्रा एवं थाना प्रभारी बृजेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाकर शांत किया। मांस का टुकड़ा वहां से हटवाकर मिट्टी के नीचे दबवा दिया। मौके पर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री अभिमन्यु उपाध्याय ने कहा कि यह सुनियोजित तरीके से किया गया है। ताकि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ा जा सके। पुलिस ने दोषियों के विरुद्ध 24 घंटे के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

यूपी में बकरीद की कुर्बानी को लेकर सीएम योगी का सख्त निर्देश, नमाज पर पुलिस को दिया ये आदेश

गोरखपुर, 6 जून (एजेंसियां)। पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विश्व योग दिवस (21 जून) के 11वें संस्करण को वृहद रूप में मनाने की व्यापक तैयारी अभी से शुरू कर दी जाए। जिले में मुख्य कार्यक्रम के लिए बड़े और बेहतरीन स्थल को जल्द से जल्द चिन्हित कर लिया जाए। सीएम योगी गुरुवार शाम गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों, कानून व्यवस्था, आगामी पर्व-त्योहार और प्रस्तावित आयोजनों की समीक्षा की और अफसरों को जरूरी निर्देश दिए। 21 जून को मनाए जाने वाले विश्व योग दिवस को लेकर उन्होंने कहा कि योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहभागिता होगी, का सीधा प्रसारण सभी प्रमुख स्थलों पर किया जाना सुनिश्चित किया जाए। योग दिवस से अधिकाधिक नागरिकों को जोड़ने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने बकरीद पर्व को लेकर प्रशासन और पुलिस की तैयारियों की जानकारी ली। सीएम योगी ने कहा कि 7 जून को बकरीद

का त्योहार शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में किसी भी स्तर पर शिथिलता नहीं होनी चाहिए। बकरीद पर कुर्बानी पूर्व निर्धारित स्थलों पर ही होनी चाहिए और प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पर रहे रोक को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

नमाज परंपरागत स्थलों पर ही हो

सीएम योगी ने कहा कित्योहार पर साफ सफाई की दुरुस्त व्यवस्था के साथ ही कुर्बानी के बाद अपशिष्ट निस्तारण की सुनियोजित व्यवस्था रहे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नमाज परंपरागत स्थलों पर ही हो। सड़क मार्ग अवरुद्ध कर नमाज की अनुमति न हो। उन्होंने कहा कि हर पर्व-त्योहार पर आस्था का सम्मान हो लेकिन नई परंपरा की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

समय रहते सभी नालों की मुकम्मल सफाई का काम पूरा हो

सीएम योगी ने कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी अच्छा काम हुआ है, इसे लगातार उत्कृष्टता की ओर ले जाने की आवश्यकता है। समय रहते सभी नालों की मुकम्मल सफाई का काम पूरा करने का निर्देश देने के साथ सीएम योगी ने कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए गोड़धोइया नाला परियोजना पर गंभीरता से ध्यान देकर इसे जल्द पूर्ण कराने का प्रयास हो।

अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति बरकरार रहे

कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति बरकरार रहनी चाहिए। माफिया और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का क्रम थमना नहीं चाहिए। हर छोटी घटना को भी गंभीरता से लेकर उस पर कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

फेक डॉक्यूमेंट्स के जरिए 700 अपराधियों को दिलवाए बेल

एलएलबी के छात्र ने गिरोह बनाकर कैसे किया फर्जीवाड़ा?

गाजियाबाद, 6 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए उस गिरोह को बेनकाब कर दिया है, जो जेल में बंद अपराधियों को फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए जमानत दिलवा रहा था। पुलिस की क्राइम ब्रांच और कविनगर थाने की संयुक्त कार्रवाई में इस गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह ने अब तक करीब 700 अपराधियों को फेक डॉक्यूमेंट्स के जरिए जमानत दिलवाया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य पहले फर्जी खतौनी निकालते थे, फिर उसी नाम-पते पर फोटो लगाकर फर्जी आधार कार्ड बनाते थे। बाद में सीएससी सेवा केंद्र की नकली मोहर लगाकर उन्हें असली दस्तावेज़ की तरह प्रस्तुत किया जाता था। इसके बाद फर्जी ज़मानती बनकर अदालत में पेश होते थे और जमानत करवा लेते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों में अनोज यादव, इसरार, बबलू, लोकेन्द्र, राहुल शर्मा, सुनील कुमार और विकास राजपूत उर्फ सम्राट शामिल हैं। इनमें से कई आरोपी पहले भी जेल जा चुके हैं और कुछ के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज हैं। पूछताछ में इन अभियुक्तों ने कबूला है कि वो 500 से 700 रुपये में फर्जी ज़मानती मुहैया कराते थे। विकास उर्फ सम्राट फर्जी आधार कार्ड और खतौनियां तैयार करता था, जबकि अन्य सदस्य कचहरी में रहकर इस पूरे नेटवर्क को संचालित करते थे। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में फर्जी दस्तावेज़, 21 आधार कार्ड, 18 फर्जी खतौनियां, लैपटॉप, स्टाम्प, बेल बॉन्ड और अन्य सामग्री बरामद की है। गिरोह का सरगना विकास उर्फ सम्राट एलएलबी का छात्र है और फर्जी दस्तावेज़ बनाना उसी ने सीखा और अपने साथियों को सिखाया। पुलिस अब फरार साथियों की तलाश में जुटी है और कहा जा रहा है

तस्करों के कब्जे से 18 गोवंश और 50 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद, चार गिरफ्तार

प्रयागराज, 6 जून (एजेंसियां)। पूरा फ़तेह मियां का पूरा मुहल्ले में शुक्रवार की सुबह हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं की सूचना पर एसओजी और नैनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मोहम्मद सिराज के घर से लगभग डेढ़ दर्जन गोवंश और करीब 50 किलो मांस बरामद किया गया। मांस काटने वाला गट्टा औजार और भारी मात्रा में अवशेष भी बरामद किए गए। बकरीद के पर्व से एक दिन पूर्व हुई इस कार्रवाई को लेकर वहां कोई बवाल न हो इसके लिए भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। गोरक्षा के प्रांत मंत्री धर्मेंद्र स्वामी, बजरंग दल के रितिक यादव और कृष्ण श्रीवास्तव बृहस्पतिवार की रात से ही मुहल्ले का चक्कर लगा रहे थे। करीब 2:00 बजे रात गोवंश का अवशेष फेंकने के लिए कुछ लोग कांशीराम कालोनी के समीप पहुंचे थे। उनका पीछा करते हुए वे मौके पर पहुंच गए। वहां से एसओजी की टीम और स्थानीय पुलिस भी पहुंच कर पूरे मुहल्ले की घेराबंदी कर ली ।इसके बाद मोहम्मद सिराज के मकान का दरवाजा खटखटाया गया। बाहर पुलिस को देख मोहम्मद सिराज और कामिल वहां से भाग निकले, लेकिन तब तक पुलिस वहां मौजूद चार लोगों को हिरासत में ले लिया। मौके से पकड़े गए करीब डेढ़ दर्जन गोवंश को नगर निगम की टीम को सौंप दिया गया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए थे, लेकिन पुलिस द्वारा सभी को वहां से हटा दिया गया। इंस्पेक्टर नैनी बृज किशोर गौतम का कहना है कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। बरामद मांस को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह किस जानवर का है।

वार्ड पार्षद का भाई चला रहा था अवैध हथियार बनाने का कारोबार, पॉश इलाके में गन फैक्ट्री का हुआ खुलासा

मुंगेर, 6 जून (एजेंसियां)। जमालपुर में रात पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। छापेमारी जमालपुर थाना क्षेत्र के वार्ड 9 रामपुर मोहल्ला में की गई। यहां घनी आबादी के बीच चल रही फैक्ट्री से तीन लोगों को हथियार एवं अर्द्ध निर्मित हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में कुख्यात ब्रजेश सिंह उर्फ कारे सिंह उर्फ करका शामिल है। वह रामपुर निवासी भरत सिंह का बेटा है। करका का जमालपुर थाना में लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। हाल ही में हुए नगर निकाय चुनाव में जब उसे या उसकी पत्नी को टिकट नहीं मिला, तो उसने अपनी बहन माला को वार्ड 9 से चुनाव लड़वाया। माला वर्तमान में वार्ड पार्षद है। उनके पिता भरत सिंह उच्च विद्यालय से सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि करका पॉश इलाके में अवैध हथियारों का निर्माण और बिक्री कर रहा है।

मासूम बच्ची को आधी रात उठा ले गया था दरिंदा

हैवानियत की सभी हदें की पार पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की तड़के पुलिस ने ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। वह भागने की फिराक में था। इससे पहले की जिले की सीमा छोड़ता, उसका सामना पुलिस से हुआ। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि पांच जून की सुबह 10 बजे शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि ढाई वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। मामले में केस दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान दीपक वर्मा के रूप में हुई। पुलिस कमिश्नर को एक लाख रुपये का इनाम घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया था। इनाम घोषित होने से पहले मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी क्षेत्र में है। वह भागने की फिराक में है। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग झोंकनी शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि आरोपी ऐशबाग क्षेत्र का रहने वाला है। वह रेलवे में पानी में बेचने का काम करता है। इसके साथ ही जागरण आदि कार्यक्रमों में झांकी लगाने का भी काम करता है। उसके पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद हुई है।

आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना आलमबाग इलाके की थी। यहां तीन साल की दिव्यांग बच्ची अपने माता-पिता के साथ रहती थी। आरोपी ने रात में उसे अगवा कर लिया। इसके बाद दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आलमबाग मेट्रो स्टेशन के पास बच्ची से दरिंदगी हुई है।

रेप ब्लैकमेलकांड–कैफे संचालक सहित 2 नाबालिग की जमानत खारिज

कैफे पर ही नाबालिग लड़कियों से हुआ था रेप, कर्नाटक से पकड़ा गया था

> 3 आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीनों को खारिज कर दिया है। जिनमें से एक कैफे संचालक और बाकी दो नाबालिग हैं।
>
> **प्रशांत यादव**
> सरकारी वकील

अजमेर, 6 जून (एजेंसियां)। बिजयनगर रेप ब्लैकमेल कांड मामले में आज अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में 3 आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मामले में आरोपी कैफे संचालक श्रवण जाट सहित दो नाबालिगों ने जमानत याचिका लगाई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीनों की अर्जी को खारिज कर दिया। इससे पहले 4 जून को पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी की जमानत याचिका को भी खारिज किया गया था। पुलिस ने मामले में बिजयनगर थाना पुलिस ने कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिसमें से 11 बालिग और 5 नाबालिग है।

कैफे संचालक की जमानत खारिज

सरकारी वकील प्रशांत यादव ने बताया- पीड़िताओं से चील आउट कैफे में रेप की वारदात हुई थी। कैफे संचालक श्रवण कुमार आरोपियों से संपर्क में था। ये जानते हुए कि आरोपी नाबालिग पीड़िताओं को गलत काम के लिए कैफे लेकर आए है उन्हें रोका नहीं और पैसे लेकर कैफे में शरण दी। वारदात के दौरान आरोपी श्रवण कुमार भी कैफे में मौजूद था। मामला सामने आने के बाद कैफे संचालक भाग गया, जिसे कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब आरोपी कैफे संचालक ने जमानत याचिका कोर्ट में पेश की थी। इस पर आज कोर्ट में सुनवाई हुई। सरकारी वकील ने कहा- कोर्ट के सामने हमने अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इस मामले में 2 नाबालिगों की जमानत याचिका भी पेश थी। इस पर सुनवाई करते हुए भी खारिज कर दिया गया। दोनों नाबालिगों के अन्य आरोपियों के साथ पीड़िताओं को परेशान करते थे। फोन पर अश्लील बातें करते थे और अन्य लड़कियों से दोस्ती बनाने के लिए दबाव डालते थे। बुर्का और रोज पढ़ने के लिए मजबूर करते थे। 4 जून को पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी की जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने पूर्व पार्षद की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने टिप्पणी में कहा था- नाबालिग लड़की पर रोजा रखने और कलमा पढ़ने का दबाव बनाना उनकी पसंद के कपड़े पहने और आरोपियों के साथ जाने को मजबूर करना गंभीर प्रकृति का अपराध है।

एक भी आरोपी स्कूल में नहीं पढ़ता था कोई मजदूर, कोई वेल्डर

आरोपी आपस दोस्त थे। इनमें से कुछ एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे। सभी हमाली, वेल्डिंग, पेंट करने और फर्नीचर का काम करते थे। एक भी आरोपी स्कूल में नहीं पढ़ता था। इसके बावजूद इन्होंने कई स्कूल गर्ल्स को फंसा लिया था।

इन्होंने जिन लड़कियों को शिकार बनाया, वे भी एक ही मोहल्ले के आस-पास की रहने वाली थी। आरोपियों ने एक के बाद एक कई लड़कियों को शिकार बनाया था। गिरोह में शामिल हर आरोपी इन लड़कियों के नंबर एक-दूसरे से शेयर करता था। जो भी लड़की आरोपियों का शिकार बनती, उसके अश्लील फोटो वीडियो बना लिए जाते थे। इसी के दम पर ब्लैकमेल किया जाता था। लड़कियों पर रोजा रखने और कलमा पढ़ने के लिए भी दबाव डाला जाता था। सभी आरोपियों का नाबालिग बच्चियों को फंसाने और शिकार करने का तरीका साल 1992 में हुए अजमेर ब्लैकमेल कांड के आरोपियों के तरीके जैसा ही था। यहां भी आरोपियों ने एक ही प्राइवेट स्कूल की बच्चियों को टारगेट कर रखा था। दरअसल, इन सभी बच्चियों के स्कूल आने-जाने का रास्ता कुछ आरोपियों के मोहल्ले के पास से होकर गुजरता था।

किरोड़ीलाल के छापों पर पायलट ने किया तीखा वार

बोले-अपनों को ही बेनकाब कर रहे हैं मंत्री

टोंक, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता और टोंक विधायक सचिन पायलट ने एक बार फिर प्रदेश की सियासत में गरमाहट ला दी है। टोंक में विधायक कोटे से बने सभा भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे पायलट ने राज्य सरकार और केंद्रीय सत्ता पर तीखे सवाल दागे। खासकर खाद-बीज घोटाले को लेकर पायलट ने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के छापेमारी अभियान पर करारा तंज कसते हुए कहा कि ये छापे चोर बजारियों पर पड़ रहे हैं या फिर अपने ही साथ काम करने वालों को एक्सपोज किया जा रहा है, यह अभी तक साफ नहीं है।

पायलट ने कहा कि राज्य में मंत्री खुद छापे मार रहे हैं और उनकी कार्रवाई से सत्ता के और भी बड़े केंद्र विचलित हो रहे हैं। यह सब देखकर लगता है कि मामला सिर्फ मिलावट और कालाबाजारी का नहीं, बल्कि सत्ता के भीतर के खेल का है। उन्होंने कहा कि खाद-बीज घोटाले जैसी बड़ी साजिशें बिना किसी राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं हैं। इतने बड़े स्तर पर मिलावट, जमाखोरी, कालाबाजारी किसी के आशीर्वाद के बिना कैसे हो सकती है? यदि सरकार वाकई में सख्त है तो केवल दिखावटी कार्रवाई नहीं, असली मास्टर माइंड को पकड़कर जेल भेजे। पायलट ने मांग की कि ऐसे मामलों में केवल छोटों पर कार्रवाई करने की बजाय असली गुनहगारों को भी बेनकाब किया जाए।

गुर्जर महापंचायत पर भी बोले पायलट

पीलूपुरा में होने वाली गुर्जर महापंचायत पर पायलट ने कहा कि अगर संविधान में दिए गए अधिकारों और गजट नोटिफिकेशन का पालन नहीं होता तो जनता को सवाल पूछने का पूरा हक है। उन्होंने केंद्र सरकार को भी इस मामले में चेताया और कहा कि यदि सामाजिक न्याय की बातें सिर्फ कागजों तक सीमित रहीं तो समाज आंदोलन करेगा।

युवक ने पंखे से फंदा लगाकर किया सुसाइड

माउंट आबू, 6 जून (एजेंसियां)। माउंट आबू के मांचगांव क्षेत्र में एक युवक ने पंखे से लटककर सुसाइड कर लिया। युवक की पहचान तौशिक बैरवा (32) पुत्र स्वर्गीय दिनेश चंद्र बैरवा के रूप में हुई है।

घटना गुरुवार देर रात करीब 1 बजे की है। युवक की बहन जयश्री (36) के अनुसार तौशिक उनसे बात करने के बाद अपने कमरे में गया और दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। माउंट आबू थानाधिकारी प्रदीप डांगा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतारा। अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. नवीन शर्मा ने पोस्टमॉर्टम के बाद पुष्टि की कि मौत का कारण फंदे से लटकने से दम घुटना था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

हत्यारे देवर-भाभी को भेजा जेल

जैसलमेर, 6 जून (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के एक खेत में अपने ही पति की हत्या करने के मामले में पकड़ी गई पत्नी और मृतक के चचेरे भाई को कोर्ट ने जेल भेज दिया। दोनों ने मिलकर कुल्हाड़ी से वार कर हरदान राम की हत्या कर दी थी। दरअसल यशोदा पत्नी हरदानराम और हरदान के चचेरे भाई कालूराम में अवैध संबंध थे और दोनों बाड़मेर छोड़कर जैसलमेर के एक गांव में सालभर से साथ रह रहे थे।

हरदान राम ने जब इसका विरोध किया, तब दोनों ने मिलकर हरदान राम की हत्या कर दी। सदर थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट न दोनों को जेल भेज दिया।

जोधपुर एम्स में पढ़ रहे छात्र की जगह डमी कैंडिडेट ने दी थी परीक्षा, मामले में एक और गिरफ्तार

जोधपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर स्थित श्री जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज से जुड़े नीट-2020 परीक्षा घोटाले में जयपुर पुलिस ने एक और बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने गुरुवार रात भरतपुर से डमी कैंडिडेट अजीत गोरा को गिरफ्तार किया है, जिसने दूसरे अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र पर अपनी फोटो लगाकर परीक्षा दी थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि चौमूं जिले के कचौलिया गांव निवासी सचिन गोरा ने नीट-2020 के लिए आवेदन करते समय अपने रिश्तेदार अजीत गोरा की फोटो लगाई थी। परीक्षा में अजीत ने 700 में से 667 अंक हासिल किए, जिसके आधार पर सचिन को जोधपुर एम्स में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश मिल गया था। इस गड़बड़ी का खुलासा तब हुआ जब कचौलिया निवासी भीमराव ने जयपुर एसओजी को शिकायत दी। यह शिकायत 15 मई को चौमूं थाने में दर्ज हुई थी, जिसकी जांच जयपुर पश्चिम के सहायक पुलिस आयुक्त अशोक चौहान कर रहे हैं। पहले सचिन को हिरासत में लिया गया और फिर पुलिस टीम भरतपुर पहुंची, जहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से अजीत को गिरफ्तार किया गया फिलहाल जयपुर पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

'मेवाड़ की धरती शूरवीरों की धरती'

राज्यपाल बोले-पंडित दीनदयाल ने कभी कोई परीक्षा ऐसी नहीं दी, जिसमें वह प्रथम न आए हों

उदयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा कि मेवाड़ की धरती शूरवीरों की धरती है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की धरती ने देश और धर्म के लिए बलिदान दिया है। वे रात को उदयपुर में भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय में आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानव दर्शन-हीरक जयंती समारोह' में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागड़े ने पंडित उपाध्याय के जीवन के कई प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख किया, जिसमें उनकी असाधारण मेधा, गरीबों के प्रति उनका प्रेम और राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा शामिल है। राज्यपाल ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने कभी कोई परीक्षा ऐसी नहीं दी जिसमें वह प्रथम न आए हों, और किस प्रकार उन्होंने बच्चों के लिए साहित्य की आवश्यकता महसूस कर चंद्रगुप्त मौर्य का इतिहास लिखा। उन्होंने बताया कि दीनदयाल किस तरह साधारण वेशभूषा में रेल में यात्रा करते थे और दरिद्र नारायण की सेवा में विश्वास रखते थे। राज्यपाल ने उदयपुर के बेदला निवासी एडवोकेट खूबीलाल सिंघवी, बोहरा गणेश जी निवासी बंशीलाल गदिया और बड़गांव निवासी पन्नालाल शर्मा को सम्मानित किया। ये सभी वे लोग थे जिन्होंने 1964 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के भाषण के साक्षी रहे थे। राज्यपाल ने उनके साथ पुराने अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री गौतम दक ने 'एकात्म मानव दर्शन' को आज भी प्रासंगिक बताया और 'अंत्योदय' के विचार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में इन विचारों को आत्मसात कर योजनाओं को धरातल पर उतारा है, जिसके परिणामस्वरूप 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।

सरकारी अफसर ही बना पेपर लीक का सौदागर

एसओजी ने कार्रवाई कर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में एसओजी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब मामले की जांच लगातार गहरी होती जा रही है और कई प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता उजागर हो रही है।

एसओजी एडीजी वीके सिंह ने प्रेस को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कुंदन कुमार पण्ड्या (54), संदीप कुमार लाटा (42) और इनामी वांछित आरोपी पुरुषोत्तम दाधीच (35) शामिल हैं। इन तीनों की गिरफ्तारी अलग-अलग जिलों से हुई है। इनमें पुरुषोत्तम दाधीच चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उदयपुर में सहायक लेखाधिकारी प्रथम के पद पर था और इस वक्त निलंबित चल रहा था। वह पेपर लीक कांड में मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक माना जा रहा है। उसे किशनगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। उस पर इनाम भी घोषित था और वह काफी समय से फरार चल रहा था। जबकि संदीप कुमार लाटा वर्तमान में कोष एवं लेखा विभाग, वित्त भवन जयपुर में सहायक लेखाधिकारी प्रथम के पद पर कार्यरत था। उसे एसओजी ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। तीसरा आरोपी कुंदन कुमार पण्ड्या डूंगरपुर जिले के सांगवाडा वरदा का निवासी है और थर्ड ग्रेड कर्मचारी के रूप में तैनात था। उसे उदयपुर से दबिश देकर पकड़ा गया है।

जांच में अब यह साफ हो गया है कि पेपर लीक कांड में केवल दलाल या बाहरी लोग ही नहीं, बल्कि सरकारी सिस्टम के अंदर मौजूद कर्मचारी और अधिकारी भी पूरी तरह से शामिल थे। इससे पहले गिरफ्तार की गई सब इंस्पेक्टर रेनू, सुरेंद्र बगड़िया और सुरजीत की भूमिका पेपर लीक करने और परीक्षार्थियों को परीक्षा से पहले पेपर पढ़ाने में सामने आई थी। इन्हीं के जरिए अब हालिया गिरफ्तारियों की कड़ियां जुड़ी हैं। पुरुषोत्तम दाधीच और संदीप लाटा की भूमिका परीक्षा से पहले पेपर को लीक कर चयनित परीक्षार्थियों तक पहुंचाने में रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इन अधिकारियों ने सरकारी पद का दुरुपयोग करते हुए न केवल पेपर उपलब्ध कराया, बल्कि इसमें आर्थिक लेनदेन और सांठगांठ का भी अहम रोल निभाया। एसओजी को अब तक की जांच में यह स्पष्ट संकेत मिले हैं कि यह कोई इक्का-दुक्का लोगों का गिरोह नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क था, जो सरकारी भर्तियों में धांधली कर रहा था। इस नेटवर्क में पेपर छापने से लेकर उसकी सप्लाई, परीक्षा से पहले छात्रों को पढ़ाने और उसके एवज में मोटी रकम वसूलने तक पूरा तंत्र मौजूद था। सूत्रों की मानें तो अब एसओजी इस केस में आगे और गिरफ्तारियां कर सकती है।

जीव हत्या से कोई देवी-देवता खुश नहीं होते

किसी की जान लेने से आशीर्वाद नहीं मिलता : बालमुकुंद आचार्य

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। आज जयपुर में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिल रहा है। वैष्णव मंदिरों में ठाकुरजी के जलविहार की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है तो वहीं सामाजिक और धार्मिक संगठन शहर के विभिन्न मार्गों पर प्याऊ और सेवा स्टॉल लगाकर लोगों को शीतल पेय पिलाने और पुण्य अर्जित करने की मुहिम में जुटे हैं।

इस बीच हवा महल विधानसभा क्षेत्र से विधायक बालमुकुंद आचार्य का एक बयान सुर्खियों में आया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां सनातनी श्रद्धालु जीव-जंतुओं की सेवा कर पुण्य कमाएंगे, वहीं कुछ लोग इस अवसर पर जीव हत्या करेंगे, जो धर्म के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में हर जीव में परमात्मा का अंश माना गया है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, जल, वायु, आकाश, अग्नि और पृथ्वी, सभी में ईश्वर विद्यमान हैं। ऐसे में जीव हत्या करना किसी भी दृष्टि से धार्मिक नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि देवता कभी किसी की जान लेकर आशीर्वाद नहीं देते। बल्कि अहिंसा को ही परम धर्म बताया गया है। आज भी सनातन परंपरा में प्रतीकात्मक अर्पण जैसे नारियल, पेठा, कद्दू आदि चढ़ाने की परंपरा है, जो इसी भाव को दर्शाता है। विधायक ने लोगों से अपील की कि जीवों पर दया करें, पशु-पक्षियों को अन्न-जल दें और जियो और जीने दो के सिद्धांत को अपनाएं। यही सच्ची श्रद्धा और पुण्य का मार्ग है। निर्जला एकादशी पर जयपुर के प्रमुख मार्गों पर शरबत, आम रस, मिल्क रोज, नींबू पानी आदि का वितरण किया जाएगा।

आईएसआई के लिए जासूसी के आरोपी शकूर खान का करीबी भी राडार पर

आज जैसलमेर में सीआईडी की सघन पड़ताल हूई

जैसलमेर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने सरकारी कर्मचारी शकूर खान को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी के संदेह में पकड़ा है। जयपुर में प्रारंभिक पूछताछ के बाद गुरुवार देर रात शकूर को कड़े सुरक्षा घेरे में जैसलमेर लाया गया। उसके साथ दो सुरक्षा वाहनों का काफिला था।

टीम ने सीधे मंगलियों की ढ़ाणी स्थित उसके निवास पर दबिश दी, जहां स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद रहा।

शकूर खान के घर, कार्यालय और सरकारी आवास पर छापे

शकूर के खिलाफ जांच का दायरा उसके निवास स्थान तक ही सीमित नहीं रहा। पुलिस और खुफिया एजेंसियों की टीम ने जैसलमेर रोजगार कार्यालय और उसके सरकारी आवास पर भी दबिश दी। इस पूरे ऑपरेशन में सीआईसी थाने के एसएचओ विनोद मीणा और अन्य दर्जनों अधिकारी शामिल रहे। विनोद मीणा ही इस मामले के जांच अधिकारी और आईबी टीम के प्रभारी हैं।

एसपी कार्यालय में उच्च स्तरीय रणनीति बैठक

जैसलमेर पहुंचने के बाद जांच टीम ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बैठक की, जिसमें केस की संवेदनशीलता और आगे की कार्रवाई की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके बाद टीम सीआईडी कार्यालय स्थित जेआईसी डिवीजन पहुंची, जहां शुक्रवार को शकूर से विस्तृत पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के अनुसार शकूर के संभावित सहयोगियों की पहचान कर उनसे भी पूछताछ की जाएगी।

लंबे समय से निगरानी में था शकूर

शकूर खान को 28 मई को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ और सबूतों के आधार पर कोर्ट ने उसे 10 जून तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। अब तक पांच से ज्यादा केंद्रीय और राज्य स्तरीय एजेंसियां उससे पूछताछ कर चुकी हैं। जांच में उसके मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और विदेशी संपर्कों की गहन पड़ताल की जा रही है।

तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर में घुसी, 3 की मौत

नीमराना, 6 जून (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में नेशनल हाईवे-48 पर हुए कार एक्सीडेंट में 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 लोग हरियाणा के और एक उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। तीनों आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार कार सवार खाटूश्याम से दर्शन कर घर लौट रहे थे।

शुक्रवार सुबह 3 बजे उनकी कार हाईवे किनारे खड़े ट्रेलर में घुस गई। नीमराना थाने के हेड कॉन्स्टेबल सुरेश कुमार ने बताया कि एक्सीडेंट में सतीश गौड़ (42) निवासी खांडसा गुरुग्राम, अंकुश सिंह (38) निवासी सहारनपुर और गुरमीत सिंह (52) निवासी अंबाला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायल वीरेंद्र शर्मा (62) निवासी खांडसा गुरुग्राम का गुरुग्राम के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

निर्जला एकादशी पर खाटूधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

> मंदिर प्रशासन ने वीआईपी दर्शन पर लगाई रोक

सीकर, 6 जून (एजेंसियां)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर जिले में स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में देशभर से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। बाबा श्याम के दरबार में आस्था का ऐसा दृश्य देखने को मिला कि मंदिर परिसर में पैर रखने की भी जगह नहीं बची। भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने वीआईपी दर्शन पर रोक लगाई है और सभी भक्तों को सामान्य दर्शन के लिए लाइन लगवाकर दर्शन करवाए जा रहे हैं।

निर्जला एकादशी के साथ ही बाबा श्याम का दो दिवसीय मासिक मेला भी शुरू हो गया है। मंदिर समिति ने अनुमान जताया है कि इस अवसर पर 5 लाख से अधिक श्रद्धालु खाटू धाम पहुंच सकते हैं। मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि दर्शन व्यवस्था के लिए समिति ने विशेष इंतजाम किए हैं। रींगस से खाटूधाम तक रास्ते को वन-वे कर दिया गया है। इस मार्ग पर केवल पदयात्री और श्याम भक्त ही प्रवेश कर सकते हैं।

भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर समिति ने नींबू पानी, छाछ, लस्सी, दूध, चाय जैसी व्रत उपयुक्त चीजों की व्यवस्था की है। इसके अलावा बिजली, पानी, छाया और प्राथमिक चिकित्सा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से 1500 से अधिक पुलिस और होमगार्ड जवान तैनात किए गए हैं, वहीं 200 से ज्यादा स्वयंसेवक भी व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं। गौरतलब है कि हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी का विशेष महत्व है। मान्यता है कि वर्ष भर की सभी 24 एकादशियों के बराबर फल एकमात्र निर्जला व्रत से प्राप्त हो जाता है। इस दिन बिना जल ग्रहण किए व्रत किया जाता है, जिससे इसका नाम निर्जला एकादशी पड़ा। भक्त इस दिन आम, तरबूज, खरबूजा आदि मौसमी फलों का दान कर पुण्य अर्जित करते हैं। महिलाएं भगवान को फल अर्पित कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करती हैं।

अब शहरों में इंदिराम्मा घर, आजीविका में कोई दिक्कत नहीं : पोंगुलेटी

गरीबों के लिए जी+3 मोड में बनाए जाएंगे घर * मंत्री ने इंदिराम्मा घरों के निर्माण की समीक्षा की

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक मामलों के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि गरीबों के लिए घर के सपने को पूरा करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इंदिराम्मा घरों के निर्माण को चरम पर पहुंचा दिया है। मंत्री ने शुक्रवार को इंदिराम्मा ने घरों के निर्माण की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब लोग वहीं रहना पसंद करते हैं, खासकर अगर वे हैदराबाद से दूर बने हैं, तो वे घर खरीदने में दिलचस्पी नहीं लेते, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनकी आजीविका प्रभावित होगी। पिछले दिनों हैदराबाद से दूर 42 हजार घर बनाए गए, लेकिन केवल 19 हजार लोग ही वहां गए। हाल ही में एक फील्ड सर्वे किया गया और पाया गया कि उन घरों में केवल 13 हजार लोग ही रह रहे हैं। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, शहरी क्षेत्रों में,

मुख्य रूप से हैदराबाद शहर की झुग्गियों में, जहां गरीब रहते हैं, जी+3 पद्धति का उपयोग करके इंदिराम्मा इंडला का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत पहले चरण में हैदराबाद में 16 झुग्गियों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि वारंगल, निजामाबाद, महबूबनगर, नलगोंडा और करीमनगर जैसे अन्य शहरों में भी इसी प्रणाली को लागू करने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षों से आश्रय और आश्रय से वंचित आदिवासियों के लिए माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार भद्राचलम, उत्नूर, एतुरूनगरम और मुन्नानूर के चार आईटीडीए क्षेत्रों में चेंचू, कोलम, थोटी और कोंडारेड में 13,266 इंदिराम्मा घर स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के 16 एसटी निर्वाचन क्षेत्रों में 8,750 घर पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसके साथ ही अब तक आदिवासियों को 22,016 इंदिराम्मा घर स्वीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को इन घरों के लाभार्थियों की तुरंत पहचान करने और निर्माण प्रक्रिया शुरू करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को इंदिराम्मा घरों को मंजूरी देने और निर्माण में अधिक सक्रिय होने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप घरों के निर्माण की निरंतर निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी राज्य सरकार ने गरीबों के मकान के लिए पांच लाख रुपये खर्च नहीं किए हैं और इस सरकार का लक्ष्य चुनावों में किए गए वादे के अनुसार राज्य के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इंदिराम्मा मकान बनाकर उपलब्ध कराना है और अधिकारियों को इसी के अनुरूप काम करना चाहिए।

एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के लिए पंजीकरण 8 जून को बंद हो जाएंगे

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2025 के 14वें संस्करण के लिए पंजीकरण 8 जून को बंद हो जाएंगे और अब तक सभी श्रेणियों में पंजीकरण 22,000 को पार कर चुके हैं।

हैदराबाद रनर्स सोसाइटी द्वारा आयोजित इस मैराथन को मुख्य प्रायोजक के रूप में एनएमडीसी, सहयोगी प्रायोजक के रूप में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, खेल सामग्री भागीदार के रूप में एएसआईसीएस तथा मेडिकल भागीदार के रूप में अपोलो हॉस्पिटल्स द्वारा समर्थन प्राप्त है। यह आयोजन भारत में मैराथन सीज़न की जीवंत शुरुआत का प्रतीक है और स्वस्थ जीवन, धीरज और सामुदायिक भागीदारी की भावना का जश्न मनाता है। दौड़ की तिथियां 23 और 24 अगस्त हैं तथा चैरिटी के माध्यम से पंजीकरण 22 जून को बंद हो जाएंगे।

अज्ञात महिला की हत्या का मामला सुलझा, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बाचूपल्ली हत्याकांड को सुलझाने कादावा किया है। इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि बीते 4 जून को सुबह के समय, बचुपल्ली में स्थित विजया दुर्गा ओनर्स एसोसिएशन कॉलोनी के एक सुनसान इलाके में एक बड़ा ट्रैवल बैग लावारिस हालत में मिला। जांच करने पर, बैग के अंदर एक अज्ञात महिला का शव मिला, जिसकी उम्र 25-30 वर्ष के बीच होने का अनुमान है। स्थानीय चौकीदार द्वारा दी गई प्रारंभिक शिकायत के आधार पर, यह संदेह था कि अज्ञात व्यक्तियों ने महिला की हत्या की है, जिसके कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिणामस्वरूप, बाचुपल्ली पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज किया गया। घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद, बालानगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, बालानगर एडीसीपी सत्यनारायण, कुकटपल्ली एसीपी रवि किरण रेड्डी, स्थानीय बचुपल्ली पुलिस, डॉग स्क्वायड, फिंगरप्रिंट टीम, सुराग टीम, एसओटी बालानगर टीम और सीसीएस बालानगर टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। बालानगर डीसीपी के. सुरेश कुमार के अनुसार, आरोपियों का तेजी से पता लगाने के लिए पांच विशेष टीमें बनाई गई थीं। डीसीपी के. सुरेश कुमार ने बताया कि जांच के हिस्से के रूप में, 5 जून की रात को विश्वसनीय सूचना के आधार पर, बालानगर एसओटी टीम और बाचुपल्ली पुलिस ने आरोपी विजय टोप्पा उर्फ विल्सन को बाचुपल्ली के बौरामपेट से गिरफ्तार किया। उसे बाचुपल्ली पुलिस स्टेशन लाया गया और पूछताछ करने पर उसने अपराध कबूल कर लिया। मृत महिला की पहचान तारा बोहरा (33 वर्ष) के रूप में हुई। मूल रूप से बागलुंग, गांव, नेपाल की रहने वाली तारा मौजूदा समय में इंदिराम्मा कॉलोनी, बोरमपेट, मेडचल-मल्काजगिरी में रह रही थी। नेपाल का मूल निवासी आरोपी विजय टोप्पा उर्फ विल्सन बाचुपल्ली में फास्ट फूड सेंटर, चलाता था। वह इंदिराम्मा कॉलोनी, बोरमपेट, मेडचल-मल्काजगिरी में रह रहा था। मृतका और आरोपी दोनों नेपाल के मूल निवासी हैं। दोनों फेसबुक के माध्यम से परिचित हुए और एक-दूसरे से संबंध बनाए। मृतका पहले से ही शादीशुदा थी और उसके दो बच्चे हैं। 15 अप्रैल 2025 को, वह हैदराबाद आई और दंपति इंदिराम्मा कॉलोनी, बौरामपेट में एक किराए के कमरे में साथ रहने लगे। उस समय, आरोपी बाचुपल्ली में एआर फास्ट फूड स्टॉल पर शेफ के रूप में काम कर रहा था। बीते 23 मई की सुबह लगभग पांच बजे, दोनों के बीच बहस हुई। गुस्से में आकर, विजय टोप्पा उर्फ विल्सन ने नायलॉन के धागे से उसका गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। फिर उसने उसके शरीर को एक बड़े ट्रैवल बैग में भर लिया, उसे अपने कंधों पर उठाकर विजया दुर्गा ओनर्स एसोसिएशन कॉलोनी, बाचुपल्ली के एक सुनसान इलाके में फेंक दिया और भाग गया। एक स्टोर से सीसीटीवी फुटेज और अन्य खुफिया जानकारी का उपयोग करके, पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नज़र रखी। इस साक्ष्य के आधार पर, विजय को बाचुपल्ली के बौरामपेट में पाया गया और उसे गिरफ्तार किया गया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय ने की भर्ती की घोषणा

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने अपने कैंपस स्कूल में शिक्षक के रिक्त पदों पर भर्ती की घोषणा की है। केवल अनुबंध के आधार पर स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी) के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पद के लिए आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को यूओएच वेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसार विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र तथा प्रशंसापत्रों की स्वयं-सत्यापित प्रतियों के एक सेट को जमा करके वॉक-इन इंटरव्यू में भाग लेना आवश्यक है। साक्षात्कार 16 और 17 जून को आयोजित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट देख सकते हैं।

डॉ. जय मदान ने एफएलओ हैदराबाद के सदस्यों को सफलता प्राप्त करने के लिए किया प्रेरित

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ), हैदराबाद चैप्टर ने सेलिब्रिटी ज्योतिषी और प्रेरक वक्ता डॉ. जय मदान के साथ 'सफलता को प्रकट करें और बढ़ाएं' सत्र का आयोजन किया। 300 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए, डॉ. जय मदान ने जीवन के तीन 'पी' - शांति, शक्ति और समृद्धि पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि ये प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग हैं, जो इस बात पर निर्भर करता है कि वे वास्तव में क्या चाहते हैं।

उन्होंने बताया कि कैसे जीवन की बुनियादी जरूरतें (भोजन, कपड़ा, आश्रय, शिक्षा और स्वास्थ्य) पूरी होने के बाद लोग आनंद और मनोरंजन की तलाश करते हैं। आखिरकार, उपलब्धि की इच्छा हावी हो जाती है, जो सत्ता की चाहत की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि कई लोग सत्ता का आनंद लेते हैं, हर कोई इसका हकदार नहीं होता- यह आपकी विश्वसनीयता पर निर्भर करता है। उन्होंने प्राचीन भारतीय दर्शन में वर्णित आठ आध्यात्मिक शक्तियों या अलौकिक क्षमताओं, जैसे अणिमा (सूक्ष्म बनने की क्षमता) पर भी प्रकाश डाला तथा आत्म-नियंत्रण पर एक रहस्यमय परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। एफएलओ हैदराबाद की अध्यक्ष प्रतिभा कुंडा ने सफलता को आकार देने में मानसिकता की शक्ति पर जोर दिया और कहा कि आपका दिमाग बगीचा है, आपके विचार बीज हैं। आप फूल उगा सकते हैं, या आप खरपतवार उगा सकते हैं।

आईईटी इंडिया छात्रवृत्ति पुरस्कार : आवेदन 22 जून को होंगे बंद

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) ने घोषणा की है कि स्नातक इंजीनियरों के लिए देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक, आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड के 9वें संस्करण के लिए आवेदन अब 22 जून को बंद हो जाएंगे, जिससे यह अवसर तीन अतिरिक्त सप्ताह के लिए बढ़ गया है।

2013 में स्थापित आईईटी इंडिया छात्रवृत्ति पुरस्कार की स्थापना ऐसे इंजीनियरिंग छात्रों की पहचान करने और उन्हें सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी, जो न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट हैं, बल्कि नवाचार और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को सुलझाने के प्रति गहरी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित करते हैं।

2025 के संस्करण में कुल 10 लाख रुपये का पुरस्कार पूल है, जिसमें राष्ट्रीय विजेता को 3,00,000 रुपये मिलेंगे, इसके अलावा प्रमुख उद्योग आयोजनों, मेंटरशिप अवसरों और राष्ट्रीय मान्यता में महत्वपूर्ण प्रदर्शन भी मिलेगा।

कार्यक्रम के लिए आवेदन करना पूरी तरह से निःशुल्क है और छात्रवृत्ति उन छात्रों के लिए खुली है जो वर्तमान में भारत भर में एआईसीटीई, यूजीसी अनुमोदित संस्थानों में पूर्णकालिक स्नातक इंजीनियरिंग कार्यक्रम (अध्ययन का कोई भी वर्ष, कोई भी विशेषज्ञता) कर रहे हैं। कोई आयु सीमा नहीं है, लेकिन आवेदकों के पास 10-पॉइंट स्केल पर न्यूनतम कुल 60 प्रतिशत या 6.0 का सीजीपीए होना चाहिए।

टोयोटा ने हिलक्स के शौकीनों के लिए किया ऑफ-रोड एडवेंचर का आयोजन

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने हैदराबाद के बाहरी इलाके शमीरपेट में अपने दमदार लाइफस्टाइल वाहन टोयोटा हिलक्स के लिए एक विशेष ऑफ-रोड ड्राइविंग अनुभव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई ड्राइविंग उत्साही लोगों ने भाग लिया, जिन्होंने विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए चुनौतीपूर्ण इलाकों में हिलक्स की 4/4 क्षमताओं का अनुभव किया। रोमांच चाहने वालों के लिए डिज़ाइन की गई, हिलक्स में 2.8-लीटर चार-सिलेंडर टर्बो-डीज़ल इंजन है और यह 6-स्पीड मैनुअल या 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है। ऑटोमैटिक वैरिएंट सेगमेंट में सबसे ज़्यादा 204 एचपी और 500 एनएम का टॉर्क देता है, जबकि मैनुअल वर्शन 204 एचपी और 420 एनएम प्रदान करता है। सभी वैरिएंट में सहज ऑफ-रोडिंग के लिए मज़बूत 4/4 ड्राइवट्रेन है।

टोयोटा की टिकाऊपन और विश्वसनीयता की विरासत पर निर्मित, हिलक्स आधुनिक परिष्कार के साथ दमदार प्रदर्शन का संयोजन करता है। उल्लेखनीय डिज़ाइन तत्वों में एक मस्कुलर बोनट लाइन, क्रोम एक्सेंट के साथ पियानो ब्लैक ट्रेपोज़ॉइडल ग्रिल और 18-इंच सुपर क्रोम फ़िनिश एलॉय व्हील शामिल हैं। स्लीक एलईडी हेडलैम्प और रियर कॉम्बी-लैम्प इसकी स्टाइलिश अपील को बढ़ाते हैं। सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, जिसमें 7 एसआरएस एयरबैग, वाहन स्थिरता नियंत्रण, ट्रैक्शन कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक डिफरेंशियल लॉक, हिल असिस्ट और डाउनहिल असिस्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। मॉडल में ड्राइव मोड (पावर और इको), टायर एंगल मॉनिटर, फ्रंट पार्किंग सेंसर और बेहतर हैंडलिंग के लिए वेरिएबल फ्लो कंट्रोल स्टीयरिंग भी शामिल है।

विधायक मगंती गोपीनाथ की हालत में सुधार, वेंटिलेटर पर हैं : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने शुक्रवार को कहा कि बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ की स्वास्थ्य स्थिति में पिछले दिन की तुलना में सुधार हो रहा है। डॉक्टरों ने बताया है कि विधायक पर उपचार का असर हो रहा है, लेकिन वह अभी भी आईसीयू में वेंटिलेटर पर हैं।

उन्होंने कहा कि एआईजी अस्पताल का दौरा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि गोपीनाथ को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें गहन देखभाल दी जा रही है। डॉक्टरों ने मुझे बताया कि उनकी हालत कल से बेहतर है। मैंने उनके परिवार से भी बात की। सरकार उनके इलाज के लिए सभी ज़रूरी सहायता प्रदान करेगी। गोपीनाथ को अपना करीबी पारिवारिक मित्र बताते हुए मंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

उत्तम ने आंध्र प्रदेश की अवैध बनकाचरला परियोजना के खिलाफ लड़ाई तेज करने का संकल्प लिया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना सरकार आंध्र प्रदेश की प्रस्तावित गोदावरी-बनकाचरला लिंक योजना के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर रही है, जो तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा करने और कानून को बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है। शुक्रवार को सचिवालय में मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत में, उत्तम कुमार रेड्डी ने खुलासा किया कि उन्होंने केंद्र को कई पत्र लिखे हैं, जिसमें आंध्र प्रदेश द्वारा गंभीर उल्लंघनों को उजागर किया गया है और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। 22 जनवरी 2025 को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को लिखे अपने विस्तृत पत्र में, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आंध्र प्रदेश गोदावरी नदी से बाढ़ के पानी को रायलसीमा की ओर मोड़ने के लिए बनकाचरला परियोजना को आगे बढ़ा रहा है, विशेष रूप से गुंटूर जिले के बोलपल्ली में प्रस्तावित 150 टीएमसी जलाशय की ओर। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का अनावरण आंध्र प्रदेश द्वारा 29 दिसंबर 2024 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के दौरान किया गया था, लेकिन विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत किए बिना या कोई अनिवार्य अनुमोदन प्राप्त किए बिना। उन्होंने जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी), कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) और शीर्ष परिषद से तकनीकी मंजूरी प्राप्त करने में विफल रहा है, जैसा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम (एपीआरए) 2014 के तहत अनिवार्य है। अंतर-राज्यीय नदियों पर कोई भी परियोजना इन अनुमोदनों के बिना आगे नहीं बढ़ सकती है। आंध्र प्रदेश सभी वैधानिक तंत्रों को बेशर्मी से दरकिनार कर रहा है।, उत्तम कुमार रेड्डी ने आंध्र प्रदेश पर पिछड़े क्षेत्रों के विकास खंड के तहत केंद्रीय वित्त मंत्रालय से धन प्राप्त करने के लिए एपीआरए 2014 की धारा 46 (2) और 46 (3) का दुरूपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये धाराएं अधिनियम के भाग IX को दरकिनार नहीं कर सकतीं, जो अंतर-राज्यीय नदी जल प्रबंधन से संबंधित है, जिसके तहत किसी भी परियोजना के आगे बढ़ने से पहले तकनीकी मंज़ूरी, अंतर-राज्यीय परामर्श और सर्वोच्च परिषद की मंज़ूरी की आवश्यकता होती है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने चेतावनी दी कि आंध्र प्रदेश की परियोजना 1980 के गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण पुरस्कार का उल्लंघन करती है, जिसने कुल 1,486 टीएमसीएफटी में से 966 टीएमसीएफटी तेलंगाना को आवंटित किया था। उन्होंने चेतावनी दी कि आंध्र प्रदेश दोनों राज्यों के अनिर्धारित और असंबद्ध बाढ़ के पानी को हड़पने की कोशिश कर रहा है। ये तथाकथित बाढ़ के पानी अतिरिक्त पानी नहीं हैं जिस पर आंध्र प्रदेश दावा कर सकता है। वे न्यायसंगत बंटवारे के अधीन हैं, और किसी भी मोड़ का सीधा असर तेलंगाना के सूखाग्रस्त क्षेत्रों पर पड़ता है। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि आंध्र प्रदेश ने न तो तेलंगाना सरकार के साथ कोई प्रस्ताव साझा किया है, न ही संबंधित बोर्डों द्वारा जांच के लिए कोई डीपीआर या योजना प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय को धन की मांग करते हुए कई पत्र लिखे जाने के बावजूद, कोई डीपीआर नहीं भेजा गया है, और मंत्रालयों ने केवल आंध्र प्रदेश के पत्रों को जीआरएमबी, केआरएमबी और पोलावरम परियोजना प्राधिकरण (पीपीए) जैसी तकनीकी संस्थाओं को टिप्पणियों के लिए भेज दिया है।

यह उचित प्रक्रिया नहीं है। यह केंद्र को गुमराह करने और बिना जांच के परियोजना को आगे बढ़ाने का प्रयास है। उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और बंडी संजय से तेलंगाना के साथ खड़े होने और केंद्र पर कानून को सख्ती से लागू करने के लिए दबाव डालने का आह्वान किया। तेलंगाना अपने हिस्से की हर बूंद सुरक्षित होने तक यह लड़ाई जारी रखेगा। हम पीछे नहीं हटेंगे।

पूर्व सांसद संतोष कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए पौधे

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यसभा सांसद और ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनिपल्ली संतोष ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एर्रावल्ली फार्महाउस में पौधे लगाए। संतोष ने कहा, अपनी जिम्मेदारी के तहत मैंने विश्व पर्यावरण दिवस पर तीन पौधे लगाए। इस बात पर जोर देते हुए कि पर्यावरण को बचाना सभी व्यक्तियों की जिम्मेदारी है, पूर्व सांसद ने कहा कि पौधे लगाने के अलावा, उनका अस्तित्व सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। बाद में, संतोष ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, टॉलीवुड अभिनेता चिरंजीवी और जाधव पायेंग को ग्रीन इंडिया चैलेंज हरिता सेना पहल के तहत पौधे लगाने के लिए नामित किया।

उमामहेश्वर परियोजना सर्वेक्षण रोकने से तनाव

नगर कर्नूल, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उमामहेश्वर सिंचाई परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण सर्वेक्षण का किसानों द्वारा कड़ा विरोध करने के बाद गुरुवार को अनंतवरम गांव में तनाव व्याप्त हो गया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे किसी भी हालत में अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। स्थानीय पुलिस के साथ राजस्व और सिंचाई अधिकारी सर्वेक्षण शुरू करने के लिए गांव के बाहरी इलाके में पहुंचे।

लेकिन किसानों ने उन्हें अपने खेतों में घुसने से रोक दिया और मांग की कि सर्वेक्षण परियोजना स्थल से ही शुरू किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से चल रहे जुताई और बीज-बुवाई के मौसम का हवाला देते हुए सर्वेक्षण कार्य को तत्काल स्थगित करने का आग्रह किया।

सिंगरेनी ने की सभी परिचालनों में प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने अपने हैदराबाद कार्यालय सहित अपने सभी परिचालन क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस को चिह्नित करने के लिए लिया गया था, जो वैश्विक थीम के अनुरूप है कि आइए वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें।

सिंगरेनी भवन कार्यालय परिसर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान में भाग लेते हुए, एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने यह घोषणा की, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी परिस्थिति में प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनी ने पहले ही कई पर्यावरण-अनुकूल पहलों को लागू किया है और कुछ क्षेत्रों में प्लास्टिक का उपयोग कम हो गया है।

हालांकि, इस साल की वैश्विक थीम के अनुरूप, एससीसीएल अब अपने सभी कार्यालयों, खदानों और विभागों में बोतलों, प्लेटों और इसी तरह की अन्य सामग्रियों जैसे प्लास्टिक की वस्तुओं पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर रहा है। बलराम ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों से इस पहल का समर्थन करने की अपील की और उन्हें घर पर भी प्लास्टिक का उपयोग कम करने की सलाह दी।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सिंगरेनी इलाकों में 19,000 से ज़्यादा पौधे लगाए हैं, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके प्रयासों से प्रेरित होकर, कंपनी के निदेशकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से वृक्षारोपण किया है, जिसे उन्होंने एक सकारात्मक विकास बताया।

बलराम ने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम तीन पौधे लगाने का आग्रह किया, साथ ही कहा कि एससीसीएल इच्छुक व्यक्तियों को निःशुल्क पौधे वितरित करेगा। उन्होंने बताया कि तीन दशक पहले, सिंगरेनी क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता था। अब, व्यापक वृक्षारोपण प्रयासों की बदौलत यह लगभग 40 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया है। इसके विपरीत, ओडिशा के अंगुल जिले के नैनी में, जहां एससीसीएल कोयला खदान संचालित करता है, स्थानीय लोगों ने 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान की सूचना दी है। इस समस्या से निपटने के लिए, सिंगरेनी उस क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है।

दुर्घटना में मंदिर कर्मचारी की मौत

कोत्तागुडेम, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पलोंचा मंडल के पेद्दम्मतल्ली मंदिर में कार्यरत एक रिकार्ड सहायक की शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह घटना इंदिरानगर कॉलोनी में मंदिर के पास हुई, जब मोटरसाइकिल पर जा रहे मृतक कुंचला सूर्यनारायण (48) को तेज रफ्तार लॉरी ने टक्कर मार दी। उन्हें स्थानीय पीएचसी ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वह मंडल के केशवपुरम गांव के रहने वाले थे।

मेडचल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। "एक कदम वृक्षारोपण-हजार कदम उन्नति" के संदेश के साथ, विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 5 जून 2025, गुरुवार को सोमारम विलेज, मेडचल स्थित विश्व मंगल गौशाला में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर गौशाला के अध्यक्ष टी.वी. सुरेश की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। अतिथि के रूप में रमेश बाबू, मनोज गोस्वामी, सत्यनारायण मूर्ति, मोहन, मधु, वासु, श्रीनिवास, मारुति राम, डॉ. स्वाति, कानाराम, महिपाल, मंदिर के पंडित जी सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की सफलता में गोपाल दास एवं श्री अमराराम का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह प्रयास न केवल प्रेरणादायक रहा, बल्कि समाज को प्रकृति के प्रति जागरूक करने की दिशा में भी एक अहम पहल बना।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी' के नाम से टेस्ट सीरीज

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता अब एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के नाम से जानी जाएगी। सीरीज का नाम इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम पर रखा गया है। यह सीरीज एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के नाम से जानी जाएगी।

आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह निर्णय लिया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, ट्रॉफी का आधिकारिक अनावरण तेंदुलकर और एंडरसन स्वयं 11 जून से शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान लॉर्ड्स में करेंगे। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देश 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ नए डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत करने की तैयारी कर रहे हैं।

टेस्ट इतिहास में 188 मैचों के साथ सबसे सफल तेज गेंदबाज के रूप में जेम्स एंडरसन ने जुलाई 2024 में संन्यास ले लिया था। तेंदुलकर, जिन्हें महानतम बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, ने 200 टेस्ट मैचों के बाद 2013 में संन्यास लिया था। दोनों लंबे समय तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेले और

टेस्ट फॉर्मेट को अपने खेल से रोमांचक बनाया। अब तक भारत और इंग्लैंड मेजबान देश के आधार पर अलग-अलग ट्रॉफियों के लिए खेलते थे। इंग्लैंड में पटौदी ट्रॉफी दी जाती थी, जिसका नाम भारत के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था। भारत में, यह सीरीज एंथनी डी मेलो ट्रॉफी के लिए खेली जाती थी, जिसका नाम भारतीय क्रिकेट प्रशासन के संस्थापक व्यक्ति के नाम पर रखा गया था।

नाम बदलने का चलन टेस्ट क्रिकेट में हाल में शुरू हुआ है, जिसमें महान खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाता है और सीरीज की निरंतरता बनाई जाती है। नवंबर 2024 में, इंग्लैंड-न्यूजीलैंड टेस्ट के लिए क्रो-थोरपे ट्रॉफी की शुरुआत की गई। न्यूजीलैंड के मार्टिन क्रो और इंग्लैंड के ग्राहम थोर्पे के नाम पर ये नाम रखा गया था। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाती है। सचिन तेंदुलकर ने 200 टेस्ट में 51 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से 15,921 रन बनाए थे। उनका टेस्ट करियर 1989 से 2013 तक चला।

साल 2003 से 2024 के बीच 188 टेस्ट मैचों में जेम्स एंडरसन ने 704 विकेट लिए। इस दौरान 32 बार एक पारी में उन्होंने पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं।

भारत-ए और इंग्लैंड लॉयन्स के बीच दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी। इससे पहले भारत-ए और इंग्लैंड लॉयन्स बीच शुक्रवार से दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस अनाधिकारिक टेस्ट मुकाबले में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी मौजूद हैं, जो टेस्ट सीरीज में खेलते नजर आने वाले हैं। ऐसे में यह भारतीय खिलाड़ियों के लिए तैयारी का शानदार मौका है।

दोनों टीमों के बीच 30 मई से 2 जून के बीच पहला अनाधिकारिक टेस्ट खेला गया, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। उस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी धाक जमाई। भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 557 रन बनाए थे। इस दौरान करुण नायर ने 204 रन की पारी खेली, जबकि सरफराज खान (92) और ध्रुव जुरेल (94) शतक से कुछ कदम दूर रह गए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड लॉयन्स ने अपनी पहली पारी में 587 रन बनाकर बढ़त हासिल की। टीम के लिए टॉम हेन्स (171), मैक्स होल्डन (101) और डैन मूसली (113) ने शतकीय पारी खेली। भारत-ए के लिए मुकेश कुमार ने तीन, जबकि शार्दुल ठाकुर ने दो शिकार किए। भारत-ए ने अपनी दूसरी पारी में 41 ओवर खेले, जिसमें दो विकेट गंवाकर 241 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल (64) और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (68) के बीच पहले विकेट के लिए 123 रन की साझेदारी हुई। इसके अलावा ध्रुव जुरेल ने नाबाद 53 और नितीश रेड्डी ने नाबाद 52 रन की पारी खेली थी। करुण नायर के दोहरे शतक के बाद फैंस चाहते हैं कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में उन्हें मौका दिया जाए। नायर ने भारत की ओर से मार्च 2017 में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था। इंग्लैंड लॉयन्स टीमः टॉम हेन्स, बेन मैकिनी, इमिलिओ गै, मैक्स होल्डन, जेम्स रेव (विकेटकीपर/कप्तान), जॉर्डन कॉक्स, क्रिस वोक्स, जोश टंग, अजीत डेल, फरहान अहमद, रॉकी फ्लिंटॉफ, एडवर्ड जैक, जॉर्ज हिल।

भारत ए टीमः यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), करुण नायर, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, हर्ष दुबे, अंशुल कंबोज, हर्षित राणा, मुकेश कुमार, केएल राहुल, इशान किशन, खलील अहमद, तुषार देशपांडे, आकाश दीप, मानव सुथार, तनुष कोटियन, रुतुराज गायकवाड़।

वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में

स्पोर्ट्स डेस्क, 6 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने गुरुवार को खेले गए विमेंस सिंगल्स के सेमी फाइनल मुकाबले में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6(1), 4-6, 6-0 हराया। सबालेंका पहली बार इस ग्रैंड स्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं। वहीं, उनका कुल छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। फाइनल में सबालेंका का सामना वर्ल्ड नंबर-2 अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ से होगा। ये दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी विमेंस ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

गौफ ने बॉइसन को हराया

कोको गौफ ने फ्रेंच वाइल्ड कार्ड लोइस बॉइसन को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गौफ भी पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। 21 साल की अमेरिकी खिलाड़ी US ओपन (2023) के बाद से दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी। सबालेंका ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पेरिस ओलिंपिक चैंपियन किनवेन झेंग को 7-6(3), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थीं। चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता इगा स्वियातेक ने यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 6-1, 7-5 से हराया था। मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले आज रात में खेले जाएंगे। पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज का सामना इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी का सफर क्वार्टर फाइनल में हुआ समाप्त

› मलयेशियाई जोड़ी के खिलाफ मिली हार

जकार्ता, 6 जून (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी का सफर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी को मलयेशियाई की मान वेई चोंग और ति काई वुन की जोड़ी के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी 2023 में इस टूर्नामेंट की विजेता बनी थी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में मलयेशियाई जोड़ी के खिलाफ 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। ये चोंग-वुन की जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पिछले पांच मैचों में पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को

अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मान-वुन ने पिछले महीने मलयेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था। पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलयेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मान और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली। मलयेशियाई खिलाड़ियों ने दो बार नेट पर शॉट मारा, जिसके बाद भारतीयों ने वापसी करते हुए 17-17 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। सात्विक ने नेट पर फिर से चूक की और मलयेशियाई टीम को गेम प्वाइंट दे दिया। दूसरे गेम में भी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह एक समय 3-7 से पीछे चल रही थी।

उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने गुरुवार को पहली बार पुरुष विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया, जबकि दक्षिण कोरिया ने लगातार 11वीं बार इसमें अपनी जगह पक्की की।

अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ उज्बेकिस्तान के लिए ग्रुप ए में ईरान के बाद दूसरा स्वतः क्वालिफिकेशन स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने इराक को 2-0 से हराकर विश्व कप मे अपना स्थान पक्का किया। दक्षिण कोरिया की दो गोल के अंतर से जीत जॉर्डन के लिए पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थी। उसने इससे पहले ओमान को 3-0 से हराकर शीर्ष दो में जगह बनाई थी। जॉर्डन की तरफ से तीनों गोल अली ओलवान ने किए।

लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। करीब दो दशक लंबे करियर के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने अपने इस फैसले के बारे में ईएसपीएनक्रिकइंफो हिंदी से भी बात की।

चावला ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दो दशक से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करने, 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप की विजेता टीम का हिस्सा बनने को अपने जीवन का सबसे आशीर्वाद बताया और लिखा कि ये यादें हमेशा उनके दिल में बसी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल उनके करियर का एक बेहद खास अध्याय रहा है। पीयूष ने कहा, मैं उन सभी फ्रेंचाइजियों का दिल से धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को मैं धन्यवाद देता हूं। इंडियन प्रीमियर लीग में खेला गया हर एक पल मैंने पूरी तरह जिया है। अपने कोचों और परिवार को याद करते हुए चावला ने लिखा, मैं अपने कोचों (श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सरस्वत) के प्रति

गहरा आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे संवारकर वो खिलाड़ी बनाया जो मैं बना। साथ ही उन्होंने अपने परिवार को अपनी ताकत का स्तंभ बताया और अपने दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, उनका मुझ पर विश्वास ही वह रौशनी थी जिसने मुझे राह दिखाई। उनके बिना यह यात्रा संभव नहीं हो पाती।

ईएसपीएनक्रिकइंफो से बातचीत में चावला ने अपने करियर को याद करते हुए कहा, मैंने लगभग 20 साल क्रिकेट को दिए हैं। यह एक लंबा और यादगार सफर रहा है। ऊपर वाले की कृपा रही कि मैं इतने लंबे वक्त तक क्रिकेट खेल सका। यह सफर कभी बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, तो कभी बेहद सुकून देने वाला। लेकिन इसके हर पल ने मुझे बहुत कुछ सिखाया और बहुत कुछ दिया। ये वो यादें हैं जो ताउम्र मेरे साथ रहेंगी। अपने संन्यास के फैसले को लेकर उन्होंने आगे कहा, मुझे हमेशा से लगता रहा है कि हर चीज का एक सही समय होता है। और आज वही पल है, जब मुझे लगा कि अब यह फैसला लेना चाहिए। पीयूष चावला ने भारत के लिए 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 मुकाबले खेले। उन्होंने कुल 43 विकेट चटकाए। वह 2011 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा भी थे, जो उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शुमार है। भारत के लिए उनका आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टी20 मुकाबले के रूप में दर्ज है। घरेलू क्रिकेट में भी चावला का रिकॉर्ड काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 137 प्रथम श्रेणी मैचों में 446 विकेट लिए, साथ ही बल्ले से भी योगदान दिया और छह शतकों की मदद से 5486 रन बनाए। एक ऑलराउंडर के रूप में उनकी भूमिका हमेशा अहम रही। आईपीएल में चावला का करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2012 और 2014 में दो बार खिताब जीता। उन्होंने आईपीएल में कुल 192 विकेट लिए और इस वक्त वह आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच बने रॉब वाल्टर

क्राइस्टचर्च, 6 जून (एजेंसियां)। अगले तीन सालों के लिए सभी फॉर्मेट में रॉब वाल्टर को 'ब्लैककैप्स' का हेड कोच नियुक्त किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। रॉब वाल्टर की नियुक्ति जून के मध्य से लेकर अक्टूबर-नवंबर 2028 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप तक प्रभावी रहेगी।

इसका मतलब है कि वाल्टर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, 2028 एलए ओलंपिक और तीन प्रमुख आईसीसी ईवेंट्स (आईसीसी 2026 टी20 वर्ल्ड कप, आईसीसी 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप और आईसीसी 2028 टी20 वर्ल्ड कप) समेत एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में कीवी टीम की देखरेख करेंगे। रॉब वाल्टर ने न्यूजीलैंड पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में बेहद सफल रहे गैरी स्टीड की जगह ली है। वाल्टर का कहना है कि वह गैरी स्टीड के शानदार काम को आगे बढ़ाने के साथ खिलाड़ियों और स्टाफ के ऐसे हाई परफॉरमेंस ग्रुप में योगदान देने की जिम्मेदारी मिलने पर सम्मानित और उत्साहित हैं। 'एनजेडसी' ने वाल्टर के हवाले से कहा, ब्लैक कैप्स पिछले कुछ समय से विश्व पटल पर एक सफल और उच्च-सम्मानित टीम रही है। इसमें योगदान देने का मौका मिलना सच में सौभाग्य की बात है। ऐसे समय में खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के इतने टैलेंटेड ग्रुप के साथ काम करना एक अद्भुत मौका है, जिसमें इतने सारे ग्लोबल इवेंट्स के साथ-साथ द्विपक्षीय सीरीज भी आयोजित की जाएंगी। यह रोमांचक है, यह चुनौतीपूर्ण है और सभी के लिए मौका बहुत बड़ा है।

वाल्टर का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। वह हाल ही में दक्षिण अफ्रीकी पुरुष क्रिकेट टीम (व्हाइट बॉल) के कोच थे। दक्षिण अफ्रीकी टीम वाल्टर के मार्गदर्शन में क्रिकेट वर्ल्ड कप-2023 के सेमीफाइनल, चैंपियंस ट्रॉफी-2025 के सेमीफाइनल और टी20 विश्व कप- 2024 के फाइनल में पहुंची थी। वाल्टर ने साल 2022 में भारत में पुरुषों की न्यूजीलैंड ए टीम को भी कोचिंग दी। वह इससे पहले पुणे वारियर्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के असिस्टेंट कोच रहने के अलावा दक्षिण अफ्रीकी टीम ईस्टर्न टाइटंस के हेड कोच भी रह चुके हैं।

वाल्टर ने पहले ओटागो वोल्ट्स और सेंट्रल स्टैग्स के लिए हेड कोच की भूमिकाएं निभाईं। ओटागो वोल्ट्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान वाल्टर ने टीम को 2019-20 में सुपर स्मैश प्ले-ऑफ में पहुंचाया और 2018-19 और 2019-20 में बैक-टू-बैक फोर्ड ट्रॉफी फाइनल में पहुंचाया। सेंट्रल स्टैग्स के साथ उनका समय और भी प्रभावशाली था। टीम ने 2021-22 में फोर्ड ट्रॉफी फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद 2022-23 में फोर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड दोनों में चैंपियनशिप जीत हासिल की। एनजेडसी के चीफ एग्जीक्यूटिव स्कॉट वेनिंक ने इसे वाल्टर के लिए यह सही समय और जगह बताया है। वेनिंक ने कहा, रॉब एक वर्ल्ड क्लास कोच हैं, जिनका अनुभव शानदार है। न्यूजीलैंड के डोमेस्टिक गेम में उनकी सफलता, दक्षिण अफ्रीका के साथ वैश्विक मंच पर उनकी हालिया उपलब्धियों के साथ मिलकर उन्हें ब्लैककैप्स को लीड करने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाती है। हम रॉब का घर पर स्वागत करते हुए उत्साहित हैं, जो हमारी टीम को तीन प्रमुख आईसीसी इवेंट्स सहित एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण अवधि के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे।

नेशंस लीग 2025 : लामिन यमल का शानदार प्रदर्शन, फ्रांस को हराकर फाइनल में स्पेन

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लामिन यमल के दो गोल की मदद से स्पेन ने स्टटगार्ट में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 5-4 से जीत दर्ज की। इसी के साथ स्पेन ने नेशंस लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। स्पेन लगातार तीसरी बार नेशंस लीग के फाइनल में पहुंचा है। टीम पिछले 12 नेशंस लीग मुकाबलों से (8 जीत, 4 ड्रॉ) में अजेय है। अब ये टीम फाइनल में पुर्तगाल से भिड़ेगी।

स्पेन ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। फ्रांस ने गेंद को अपने पास रखा और स्पेन की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश की। मुकाबले के 22वें मिनट स्टार खिलाड़ी लामिन यमल ने बॉक्स में ओयारजाबल को पास दिया। ओयारजाबल ने डिफेंडर्स को चकमा देते हुए गेंद निको विलियम्स को दी, जिन्होंने गेंद को नेट के ऊपर से मारते हुए मुकाबले का पहला गोल दागा।

इसके तीन मिनट बाद (25वें मिनट) मिकेल मेरिनो और ओयारजाबल ने गेंद तेजी से एक-दूसरे को पास की और मेरिनो ने गेंद को बॉक्स के अंदर डाल दिया।

मुकाबले के 54वें मिनट यामल ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया और एक मिनट बाद पेड्री ने चौथा गोल दाग दिया। यहां तक स्पेन के पास 4-0 से शानदार लीड थी, लेकिन 59वें मिनट में फ्रांसीसी कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने आगे बढ़कर गोल किया। इसी के साथ फ्रांस ने आखिरकार अपना खाता भी खोल लिया।

हालांकि, स्पेन ने अपना नियंत्रण बनाए रखा और 67वें मिनट यमल ने फिर से गोल दागकर स्कोर को 5-1 कर दिया। 63वें मिनट में दोनों टीमों ने बदलाव किए। फ्रांस ने कालुलु, डोए और ओलिसे की जगह बारकोला, गुस्टो और चेर्की को मैदान में उतारा गया, जबकि स्पेन ने विलियम्स और पेड्री की जगह रुइज और ओल्मो को मैदान में उतारा। 79वें मिनट रेयान चेर्की ने काइलियन एमबाप्पे की मदद से गोल दागकर स्कोर 5-2 से कर दिया। 84वें मिनट में दानी विवियन के गोल दागकर स्पेन को चौंका दिया। इसके बाद 90+3 मिनट में एक और मौका मिला जब रैंडल कोलो मुआनी ने चेर्की के सटीक क्रॉस को हेडर से गोल में बदला और स्कोर 5-4 हो गया।

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा, मैं खुश हूं। जब आज की तरह दो बेहतरीन टीमें आमने-सामने होती हैं, तो यह सामान्य बात है कि हर टीम अपने पलों का भरपूर फायदा उठाती है। हमें हर गेम से सीखने और खेल को सकारात्मक नजरिए से देखने की जरूरत है। 'प्लेयर ऑफ द मैच' यमल ने कहा, जब इस तरह की दो बेहतरीन टीमें खेलती हैं, तो आप कई बार बहुत सारे गोल देखते हैं। वे आपको अंत तक परेशान करेंगे, लेकिन हमने जो गलतियां कीं, उसके बावजूद हम फाइनल में पहुंचे।

ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे भारत के 15 खिलाड़ी

गुकेश और प्रज्ञानंद भी शिरकत करेंगे

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञानंद, आर वैशाली और कोनेरू हम्पी समेत 15 भारतीय खिलाड़ियों ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में तीन से 16 सितंबर तक होने वाले 2025 फिडे ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस के लिए क्वालिफाई कर लिया है। फिडे ग्रैंड स्विस (ओपन) में गुकेश, एरिगैसी और प्रज्ञानंद के अलावा आठ अन्य भारतीय हिस्सा ले रहे हैं। इसमें अरविंद चिदंबरम, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन, रौनक साधवानी, मुरली कार्तिकेयन, अभिमन्यु पौराणिक और आर्यन चोपड़ा शामिल है। वैशाली और हम्पी के साथ महिला ग्रैंड स्विस में हरिका द्रोणावल्ली और दिव्या देशमुख भी शामिल होंगी। वंतिका अग्रवाल इस टीम की रिजर्व खिलाड़ी है। शतरंज कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण आयोजनों में से एक फिडे ग्रैंड स्विस खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने का सीधा रास्ता देता है। फिडे ने कहा, 'ग्रैंड स्विस की तालिका में शीर्ष दो में रहने वाले पुरुष खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान सुरक्षित करेंगे, जबकि महिला ग्रैंड स्विस में शीर्ष दो खिलाड़ी 2026 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करेगी।' फिडे ने इसके साथ ही टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए कहा कि पुरुष वर्ग में 36 प्रतिशत जबकि महिला वर्ग में 64 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है।

'टास्क' के माध्यम से 4,100 लोगों को रोजगार : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने तेलंगाना कौशल और ज्ञान अकादमी (टास्क) के अधिकारियों को इस शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 6,000 बेरोजगार लोगों को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें रोजगार दिलाने का बड़ा लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को उन्होंने सचिवालय में 'टास्क' द्वारा की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की। श्रीधर बाबू ने पिछले वर्ष 4,100 लोगों को रोजगार प्रदान करने में टास्क की सक्रिय भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टास्क ने बेरोजगारों और छात्रों को कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि यह उद्योग की जरूरतों के अनुसार संबंधित कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें नौकरी पाने में मदद कर रहा है। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर

बाबू ने बताया कि पिछले वर्ष के दौरान, टास्क ने विभिन्न तकनीकी और कौशल विषयों में रिकॉर्ड 1,37,677 छात्रों और 2791 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया है। 21 जिलों के 148 कॉलेजों और कॉरपोरेट परिसरों में आयोजित जॉब फेयर में 4100 प्रतिभाशाली लोगों को नौकरी दिलाने में टास्क ने अहम भूमिका निभाई। अमेरिकी कंपनी वेरिस्क एनालिटिक्स ने अपने हैदराबाद कैंपस के लिए 11 लाख रुपये सालाना पैकेज पर तकनीकी विशेषज्ञों का चयन किया। नौकरी पाने वाले कुल 4100 लोगों में से न्यूनतम सालाना पैकेज 2.4 लाख रुपये रहा। हुंडई मोबिस ने टास्क के जरिए 42 लोगों को प्रशिक्षित कर रोजगार दिया।

यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड (यूबीएस) ने 63 लोगों को 6 लाख रुपये सालाना पैकेज पर भर्ती किया। तेलंगाना में 1एम1बी (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) फाउंडेशन द्वारा स्थापित ग्रीन स्किल्स अकादमी के जरिए मेडचेल, संगारेड्डी, निजामाबाद, कामारेड्डी और मंचेरियल जिलों के 7,000 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनमें से चार ने शानदार प्रतिभा दिखाई और उन्हें संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिसंबर 2024 में न्यूयॉर्क में आयोजित वैश्विक सम्मेलन में शामिल किया गया। दिव्यांग युवाओं को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित करने, उन्हें नौकरी दिलाने और उद्यमी के रूप में विकसित होने में मदद करने के लिए टाटा ट्रस्ट के साथ कार्य समझ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत टाटा तीन साल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

युवाओं को एनीमेशन, गेमिंग, वीएफएक्स और कॉमिक्स में 3 साल के लिए प्रशिक्षित करने के लिए टीवागा नामक कंपनी के साथ कार्य समझ समझौते पर हस्ताक्षर किए। अगले तीन वर्षों में 10,000 छात्रों को वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी और मिक्स्ड रियलिटी में अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक्सआर मॉन्क नामक कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पहले चरण में 500 सरकारी कर्मचारियों के लिए माइक्रोसॉफ्ट एआई टूल्स के उपयोग पर एक कार्यशाला आयोजित की।

विपक्षी नेता के बेटे पर रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज किया

काजीपेट, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी के बेटे और बीआरएस पार्टी के राज्य नेता सिरिकोंडा प्रशांत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

काजीपेट रेलवे पुलिस ने उप्पल रेलवे गेट पर आंदोलन करने के लिए मामला दर्ज किया है, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ बीआरएस पार्टी की रजत जयंती बैठक में जा रहे थे। भूपालपल्ली से पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और युवाओं के साथ बैठक के लिए उप्पल के रास्ते निकले सिरिकोंडा प्रशांत ने केंद्र और राज्य सरकार के दोहरे रवैये का विरोध करते हुए रेलवे गेट पर धरना दिया। इसे देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन को सिग्नल दिया और उसे आगे बढ़ा दिया। रेलवे पुलिस ने विरोध कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सिरिकोंडा प्रशांत और 14 अन्य बीआरएस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सरकार सत्ता के मोह से मुक्त होकर काम कर रही है : महेश कुमार गौड़

करीमनगर संसदीय क्षेत्र की समीक्षा बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर संसदीय क्षेत्र की समीक्षा बैठक गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की अध्यक्षता में हुई। एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, सचेतक आदि श्रीनिवास, पीसीसी सलाहकार समिति के सदस्य जीवन रेड्डी, एमएलसी बालामुरी वेंकट, एमएलए डीसीसी अध्यक्ष कवमपल्ली सत्यनारायण और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर टीपीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि बेदाग व्यक्तित्व वाली मीनाक्षी नटराजन को प्रभारी बनाना शुभ संकेत है। पार्टी को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। सत्ता में रहते हुए दोगुने उत्साह से काम करें। पार्टी के कुशल होने पर ही दोबारा सत्ता में आने की संभावना है। गांव स्तर से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी का निर्माण किया जाना चाहिए। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। सरकार सत्ता के मोह से मुक्त होकर काम कर रही है। सरकार ने मुफ्त बसों से लेकर छोटे चावल तक कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता हताश हैं। उनका समन्वय करना हमारी जिम्मेदारी है। नौकरी, शिक्षा और चिकित्सा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सरकार को वह प्रचार नहीं मिल रहा है जिसकी वह हकदार है। पीसीसी कार्यकारिणी और मंत्रिमंडल का विस्तार जून में पूरा होने की संभावना है। विधायकों को अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करना चाहिए। स्थानीय चुनावों में बेहतर नतीजों के लिए विधायकों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

पिछड़ों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने और वैज्ञानिक तरीके से जातिगत सर्वेक्षण कराने का श्रेय कांग्रेस पार्टी को जाता है। उन्होंने कहा कि गडकरी और अमित शाह जैसे लोग ही जातिगत सर्वे कर रहे हैं। यह सही है कि छोटी-छोटी समस्याएं हैं। हमें समस्याओं को दूर करने और समाधान के लिए काम करना चाहिए।

अवैध ई-सिगरेट रैकेट का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

21 लाख रुपये की 670 ई-सिगरेट/वेप्स जब्त

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने सैफाबाद पुलिस के साथ मिलकर विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी की और प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट की अवैध बिक्री में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद, ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने सैफाबाद पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्रिंस्टनकोड अपार्टमेंट, आदर्श नगर में स्थित एक फ्लैट पर छापा मारा।

कार्रवाई के दौरान, आरोपी आकाश शिंदे निवासी, आदर्श नगर, सैफाबाद के पास से एल्फबार, एलक्स, राया डी1, नैस्टी और शीशा जैसे विभिन्न ब्रांडों की 670 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बरामद की गईं। उन्होंने बताया कि आरोपी आकाश शिंदे, मूल रूप से मंगलहाट का निवासी है। उसे ग्रैंड बाजार, आदर्श नगर के सामने स्थित प्रिंस्टनकोड अपार्टमेंट में मासिक वेतन के आधार पर विशेष अग्रवाल नामक व्यक्ति द्वारा केयरटेकर के रूप में नियुक्त किया गया था। आसान और अवैध मुनाफे की तलाश में, आरोपी ने एजेंटों के एक नेटवर्क के माध्यम से दिल्ली से कम कीमत पर प्रतिबंधित ई-सिगरेट खरीदना शुरू कर दिया।

फिर उसने उन्हें हैदराबाद ले जाकर उक्त परिसर में संग्रहीत किया और उन्हें मुख्य रूप से कॉलेज के छात्रों, किशोरों और युवाओं को लक्षित करके ज्ञात और जरूरतमंद ग्राहकों को गुप्त रूप से बेच दिया। इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट में निकोटीन और हानिकारक रसायन युक्त फ्लेवर होते हैं, जो उन्हें अत्यधिक नशे की लत और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाते हैं। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और आकर्षण के कारण युवा वर्ग में इनकी खपत बढ़ रही है। बीते पांच जून की रात को, सेंट्रल ज़ोन टास्क फोर्स टीम ने सैफाबाद पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर आरोपी को पकड़ लिया और तस्करी की गई वस्तुओं को जब्त कर लिया। उसके कब्जे से बरामद (670) इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का अनुमानित बाजार मूल्य 21 लाख रुपये है। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपी को जब्त सामग्री के साथ सैफाबाद पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर को सौंप दिया गया है। यह ऑपरेशन सेंट्रल ज़ोन टास्क फोर्स के पुलिस इंस्पेक्टर की देखरेख में सेंट्रल ज़ोन टास्क फोर्स और हैदराबाद सिटी के सैफाबाद पीएस के सब-इंस्पेक्टर और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

टीटीडी ने तिरुपति लड्डू के अनधिकृत उपयोग पर कार्रवाई की

तिरुपति, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पवित्र तिरुपति लड्डू की पवित्रता और बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए एक निर्णायक कदम उठाते हुए, टीटीडी ने अपने पंजीकृत भौगोलिक संकेत (जीआई) का उल्लंघन करते हुए "तिरुपति लड्डू" नाम से उत्पादों को बेचने या बढ़ावा देने वाली कई अनधिकृत संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। सहदेव लॉ चैंबर्स के माध्यम से पुशमाईकार्ट (महिता एलएलसी) और ट्रांजैक्ट फूड्स लिमिटेड सहित कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और विक्रेताओं को तिरुपति लड्डू नाम के अनधिकृत वाणिज्यिक दोहन और उनके प्रसाद को मंदिर से गलत तरीके से जोड़ने के लिए कानूनी नोटिस भेजे गए। कानूनी नोटिस में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि तिरुपति लड्डू भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत एक संरक्षित जीआई है। लड्डू की तैयारी विशेष रूप से तिरुमाला मंदिर के भीतर टीटीडी की देखरेख में एक समय-सम्मानित और पवित्र प्रक्रिया का पालन करके की जाती है। नाम का अनधिकृत उपयोग और बिक्री न केवल कानूनी अधिकारों का उल्लंघन करती है, बल्कि प्रसाद की आध्यात्मिक पवित्रता को भी कम करती है।जवाब में, पुशमाईकार्ट ने कानूनी नोटिस की प्राप्ति को स्वीकार किया और सद्भावना दिखाते हुए कानूनी समीक्षा लंबित होने तक उल्लंघनकारी उत्पाद लिस्टिंग को निलंबित कर दिया। टीटीडी की सक्रिय आउटरीच के बाद कई अन्य विक्रेताओं ने भी अपनी लिस्टिंग हटा ली है।टीटीडी ईओ ने कहा, तिरुपति लड्डू केवल एक उत्पाद नहीं है, बल्कि गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्य वाला एक पवित्र प्रसाद है। हम इसके दुरुपयोग को रोकने और दुनिया भर में करोड़ों भक्तों के विश्वास की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह भारत में पहला उदाहरण है, जहां जीआई कानून के तहत संरक्षित मंदिर के प्रसाद का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर औपचारिक कानूनी चैनलों के माध्यम से बचाव किया गया है।

57 महिलाओं को दिया गया ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण

महिलाओं को अच्छी आय अर्जित करने में मिलेगी मदद

संगारेड्डी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से, संगारेड्डी जिला प्रशासन ने नमो दीदी कार्यक्रम के तहत 57 चयनित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया। महिलाओं को गांवों में कृषि क्षेत्रों में कीटनाशकों और उर्वरकों का छिड़काव करने का प्रशिक्षण दिया गया। केंद्र सरकार द्वारा नमो ड्रोन दीदी कार्यक्रम शुरू किए जाने के बाद, संगारेड्डी जिला इन चयनित महिलाओं के लिए 10 दिवसीय अनिवार्य प्रशिक्षण पूरा करने वाला पूरे भारत में पहला जिला बन गया।

तेलंगाना में इस कार्यक्रम के लिए नोडल एजेंसी सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन फॉर रूरल पॉवर्टी (एसईआरपी), तेलंगाना ने इस साल मार्च में इन महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए बैंगलोर स्थित फ्लाइंग वेज डिफेंस एंड एयरोस्पेस प्रशिक्षण संस्थान को शामिल किया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद महिलाओं ने ड्रोन के संचालन का भी प्रदर्शन किया, जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी ध्यान आकर्षित किया। मन की बात कार्यक्रम के दौरान, मोदी ने महिलाओं को प्रशिक्षित करने में एसईआरपी तेलंगाना और जिला प्रशासन संगारेड्डी के प्रयासों की सराहना की। महिलाओं को एक या दो सप्ताह में ड्रोन पायलट प्रमाणपत्र मिलने की उम्मीद थी जब तेलंगाना में कृषि कार्य शुरू हो जाएंगे। इस बीच, इन महिलाओं को 80 प्रतिशत सब्सिडी दर पर ड्रोन वितरित किए जाएंगे जबकि केंद्र सरकार 10 लाख में से 8 लाख रुपये वहन करेगी, महिलाओं को बाकी 2 लाख रुपये वहन करने होंगे। ड्रोन की एक इकाई को चलाने के लिए दो महिलाओं को जोड़ा जाएगा। सरकार ने अब तक तेलंगाना को आवंटित 90 में से संगारेड्डी को 6 ड्रोन दिए हैं।

निजी कंपनी में धोखाधड़ी के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नचाराम पुलिस ने मल्लापुर में एक निजी कंपनी में काम करने वाले दो लोगों को कंपनी के साथ कथित तौर पर धोखाधड़ी करने और 2.1 करोड़ रुपये के धन का दुरुपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। संदिग्धों की पहचान नियोन मेटल क्राफ्ट्स के परिचालन प्रबंधक एमएनएस भूषण रेड्डी और एकाउंटेंट डी श्रीनिवास के रूप में हुई है। उन्होंने कथित तौर पर उस कंपनी के प्रावधानों के विपरीत आदिनाथ इंडस्ट्रीज नाम से एक अन्य कंपनी स्थापित की है।

पुलिस के अनुसार, दोनों ने जिस कंपनी के लिए काम किया था, उसके नाम पर फर्जी सेल्स इनवॉयस और वर्क ऑर्डर तैयार किए और नियोन मेटल क्राफ्ट्स कंपनी के बैंक खाते से आदिनाथ इंडस्ट्रीज के बैंक खाते में अवैध रूप से करीब 35 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। वर्क ऑर्डर के नाम पर उन्होंने करीब 2.1 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया है। कंपनी के मालिक की शिकायत के आधार पर नचाराम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की और संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

बुजुर्ग ने झरने में कूदकर की आत्महत्या

आदिलाबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ मंडल के पोचेरा गांव में गुरुवार को एक बुजुर्ग व्यक्ति की एक लोकप्रिय झरने में गिरने से मौत हो गई, क्योंकि वह कथित तौर पर कुछ पारिवारिक विवादों के बाद अवसादग्रस्त था। पुलिस ने बताया कि नेराडिगोंडा मंडल के तेजापुर गांव के गद्दाम नरसा रेड्डी (58) ने झरने में कूदकर अपनी जान दे दी, जबकि वहां मौजूद लोग उसके इस कृत्य को देख रहे थे, लेकिन उसे रोक नहीं सके।

मृतक के बड़े बेटे अजय रेड्डी ने आरोप लगाया कि संपत्ति के बंटवारे को लेकर अपने छोटे बेटे अस्विथ रेड्डी से झगड़े के बाद नरसा रेड्डी का मनोबल टूट गया था। अस्विथ रेड्डी की शादी एक कमजोर वर्ग की लड़की से हुई थी और वह निर्मल में रह रहा था। वह तेजापुर आया और गुरुवार को जब कोई मौजूद नहीं था तो संपत्ति में हिस्सा मांगने के लिए नरसा रेड्डी से बहस की।

लॉरी ने ऑटो को मारी टक्कर, दो की मौत

संगारेड्डी, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार सुबह सदाशिवपेट के निकट कम्बलपल्ली में एक ट्रक चालक की लापरवाही के कारण दो लोगों की मौत हो गई। चालक ने ट्रक को एक यात्री ऑटो में टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग भी घायल हो गए। मृतक अभिषेक (13) और साईकिरन (22) थे। घायलों को इलाज के लिए सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

पति के उत्पीड़न से तंग आकर महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक विवाहित महिला ने गुरुवार रात वनस्थलीपुरम स्थित अपने घर में कथित तौर पर पति के उत्पीड़न के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान नव्या (26) और सुरेश कुमार के रूप में हुई है, जिन्होंने प्रेम विवाह किया था और दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र 5 साल से कम है।

वे वनस्थलीपुरम में रैतु बाजार के पास एक किराए के घर में रह रहे हैं। जानकारी के अनुसार सुरेश पिछले कुछ समय से नव्या को छोटी-छोटी बातों पर परेशान कर रहा था। पति की प्रताड़ना बर्दाश्त न कर पाने के कारण नव्या ने घर में लगे पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली और आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर वनस्थलीपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

गांजा की तस्करी के आरोप में आबकारी कांस्टेबल

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शादनगर पुलिस ने शुक्रवार को कथित मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में आबकारी विभाग के एक कांस्टेबल और उसके भतीजे को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, तंदूर आबकारी थाने के आबकारी कांस्टेबल गुलाम सुल्तान अहमद ने धोखाधड़ी से जब्त गांजा चुरा लिया था, जिसे उसने थाने में रखा था और अपने भतीजे अमजद को दे दिया था, ताकि वह उसे बेचकर आसानी से पैसा कमा सके। हाल ही में शादनगर पुलिस ने अमजद को गिरफ्तार किया और उसके पास से 70,000 रुपये का मारिजुआना जब्त किया। उसके कबूलनामे के बाद सुल्तान अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया।

कांग्रेस ने कर्मचारियों के साथ किया विश्वासघात : गौड़

5 डीए बकाया थे, सरकार ने एक ही जारी किया

हैदराबाद, 6 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और राजपत्रित अधिकारी संघ के पूर्व नेता वी श्रीनिवास गौड़ ने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने के कारण सरकारी कर्मचारियों के साथ विश्वासघात करने के लिए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लंबित कर्मचारी मुद्दों, खासकर महंगाई भत्ते (डीए) बकाया और सेवानिवृत्ति लाभों को हल करने में राज्य मंत्रिमंडल की विफलता की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि पांच डीए बकाया थे, लेकिन सरकार ने केवल एक ही जारी किया। छह महीने बाद एक और डीए देने का वादा करना धोखे से कम नहीं है। उन्होंने

डीए भुगतान, सेवानिवृत्ति बकाया और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने सहित सभी वादों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। श्रीनिवास गौड़ ने एक बयान में कहा कि पूर्ण सेवानिवृत्ति लाभ में देरी विश्वासघात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले 500 करोड़ रुपये मासिक आवंटित करने का वादा किया था, लेकिन उसने धन जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि हालांकि सरकार ने 700 करोड़ रुपये प्रति माह जारी करने का वादा किया था, लेकिन कर्मचारियों को कोई गारंटी नहीं है।

उन्होंने पुरानी पेंशन योजना के क्रियान्वयन के वादे को नज़रअंदाज़ करने के लिए सरकार की आलोचना की और इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि कर्मचारियों को अलग-थलग करना सरकार को कमज़ोर कर देगा। उन्होंने याद दिलाया कि के चंद्रशेखर राव सरकार के तहत कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई थी, जबकि मौजूदा कांग्रेस सरकार जानबूझकर समय बर्बाद कर रही है और कर्मचारियों को धोखा दे रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.